THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 233 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.14 2082 बुधवार, 19 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट 25 दिसंबर से कमर्शियल ऑपरेशन शुरू करेगा

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) 25 दिसंबर (क्रिसमस डे) से अपने कमर्शियल ऑपरेशन शुरू करेगा और पहले दिन करीब 23 विमान उड़ान भरेंगे। यह जानकारी मंगलवार को एयरपोर्ट की ओर से दी गई। एयरपोर्ट की ओर से बताया गया कि ऑपरेशन शुरू होने के पहले महीने में एनएमआईए 12 घंटे (सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे) तक सक्रिय रहेगा और करीब 23 शेड्यूल उड़ानों को प्रतिदिन संभालेगा। इस अवधि के दौरान एयरपोर्ट अधिकतम 10 फ्लाइट मूवमेंट प्रतिघंटा संभालेगा।

शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा मुठभेड़ में ढेर

आंध्र प्रदेश के मारेडुमिली जंगलों में 20 मिनट चली कार्रवाई, 6 उग्रवादी मारे गए

मारा गया माओवादी हिडमा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) महेश चंद्र लड्ढा

कोत्तागुडेम, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) को बड़ा झटका लगा है। उसका शीर्ष कमांडर और देश के सबसे अधिक वांछित उग्रवादियों में शामिल मादिवी हिडमा मंगलवार को आंध्र प्रदेश के एएसआर ज़िले के मारेडुमिली मंडल के जंगलों में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। यह मुठभेड़ लगभग 20 से 25 मिनट तक चली। हिडमा, जो माओवादी सेंट्रल कमेटी का सदस्य और पीएलजीए की पहली बटालियन का कमांडर था, पर एक करोड़ रुपये का इनाम था। उसकी पत्नी और स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य राजक्का भी मुठभेड़ में मारी गई। माना जाता है कि करीब 45 वर्ष का हिडमा पिछले 25-30 बड़े नक्सली हमलों में शामिल रहा था, जिनमें कई सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) महेश चंद्र लड्ढा ने बताया कि मुठभेड़ गुथुलुरु पहाड़ी के पास सुबह 6.30 बजे के आसपास शुरू हुई और करीब 7 से 7.10 बजे तक चली। सीमा क्षेत्रों में माओवादियों की बढ़ती गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद यह अभियान चलाया गया था। इस मुठभेड़ में हिडमा के साथ उसके सुरक्षा कवच में शामिल कई अन्य उग्रवादी- कंपनी कमांडर देवे, प्लाटून कमांडर लकमल उर्फ चैतू, कमांडर मल्ला और कमलू उर्फ कमलेश सहित 6 माओवादी भी ढेर हुए। पुलिस के मुताबिक, हाल के महीनों में छत्तीसगढ़ में दबाव बढ़ने के कारण हिडमा की टीम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच आवाजाही कर रही थी।

पुलिस ने मौके से दो एके-47 राइफलें, एक पिस्तौल, एक रिवॉल्वर, एक सिंगल बोर हथियार, सैकड़ों कारतूस, डेटोनेटर, विस्फोटक सामग्री और सात किट बैग बरामद किए हैं। एडीजी लड्ढा ने बताया कि अब तक 31 माओवादी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनमें केंद्रीय समिति सदस्य देवजी की सुरक्षा टीम के नौ सदस्य भी शामिल हैं। लगभग 15 उग्रवादी भाग निकले हैं और उनकी तलाश जारी है।

महुआ मोइत्रा पहुंचीं दिल्ली हाईकोर्ट

लोकपाल के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नकद-के-लिए-प्रश्न मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) को आरोपपत्र दायर करने की अनुमति देने वाले लोकपाल के आदेश को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल व न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने मंगलवार को मामले की सुनवाई यह कहते हुए 21 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी कि सीलबंद लिफाफे में पेश किए गए लोकपाल के आदेश को पढ़ने के लिए कुछ समय चाहिए। साथ ही अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि कोर्ट के समक्ष आने से पहले मामला मीडिया में पहुंच गया।

12 नवंबर को पूर्ण पीठ के फैसले में लोकपाल ने लोकपाल अधिनियम की धारा 20(7)(ए) सहपठित धारा 23(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीबीआई को चार सप्ताह के भीतर आरोपपत्र दायर करने की अनुमति दी और एक प्रति लोकपाल को प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

शाह ने तय की थी नक्सली हिड़मा की डेडलाइन

12 दिन पहले ही मार दिया गया 76 सीआरपीएफ जवानों की हत्या का मास्टरमाइंड था

जगदलपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में मंगलवार सुबह हुए एनकाउंटर में मारा गया है। उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर कर दिया गया है। बस्तर रेंज आईजी सुन्दरराज पी ने पुष्टि की है।

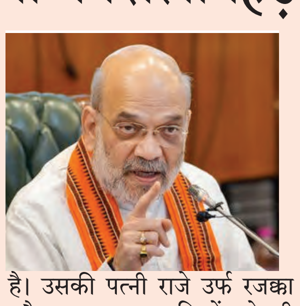

गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया।

हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका रही है।

शशि थरूर ने एक बार फिर की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ की है। इससे पहले भी वह कई बार पीएम मोदी की तारीफ कर चुके हैं, जिसे लेकर कांग्रेस पार्टी के साथ उनके मतभेद सामने आते रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, शशि थरूर ने कहा कि उन्हें दिल्ली में एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जहां प्रधानमंत्री ने 'विकास के लिए भारत की रचनात्मक अधीरता और उत्तर-औपनिवेशिक मानसिकता के (विकास) के लिए पुरजोर समर्थन" पर बात की।

भारत उभरता हुआ मॉडल :

शशि थरूर ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब केवल एक ''उभरता हुआ बाज़ार' नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'उभरता हुआ मॉडल' है। थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन पर हर समय 'चुनावी मोड' में रहने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन वास्तव में वह लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए 'भावनात्मक मोड' में थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के भाषण को याद किया, जो भारत में शिक्षा पर उपनिवेशवाद के प्रभाव पर केंद्रित था।

पीएम के संबोधन की तारीफ :

थरूर ने कहा, पीएम मोदी के भाषण का एक अहम हिस्सा मैकाले की 200 साल पुरानी "गुलामी मानसिकता" की विरासत को पलटने पर केंद्रित था। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान प्रणालियों पर गौरव बहाल करने के लिए 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील की। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक आर्थिक दृष्टिकोण और एक सांस्कृतिक आह्वान, दोनों का काम किया, जिसमें राष्ट्र को प्रगति के लिए बेचैन रहने का आह्वान किया गया। सर्दी-जुकाम से जूझने के बावजूद दर्शकों के बीच मौजूद रहकर खुशी हुई!

थरूर के कांग्रेस से बिगड़ते रिश्ते :

बता दें कि शशि थरूर और कांग्रेस के बीच संबंध पिछले कुछ महीनों में तेजी से बिगड़े हैं, खासकर तब से जब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद मित्र देशों को भेजे गए सरकारी प्रतिनिधिमंडलों में उन्हें विपक्ष के नेताओं में से एक के रूप में चुना गया था।

दिल्ली ब्लास्ट और टेरर मॉड्यूल पर बोले सलमान खुर्शीद : 'जो हो रहा वो अच्छा नहीं'

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट और 'व्हाइट कॉलर' टेरर मॉड्यूल के खुलासे पर कांग्रेस के सीनियर नेता सलमान खुर्शीद का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश में जो ये हो रहा है वो बहुत दुख की बात है। उन्होंने कहा कि ये कोई भी करें सही तो नहीं हो सकता। ये देश के लिए बहुत चिंता, दुख और कष्ट का विषय है। इस पर बहुत संयम के साथ बात होनी चाहिए।

सलमान खुर्शीद ने कहा, जो कुछ भी कहना है वो पार्टी के प्रवक्ता कहेंगे। मेरा कुछ कहना ठीक नहीं होगा। मैं कुछ नहीं कह रहा हूं क्योंकि ये मानना है कि ये बहुत संवेदनशील विषय है। इस पर बहुत समझदारी के साथ प्रवक्ता को कुछ बात कहनी चाहिए। उसके बाद जो चर्चा होनी है वो हम कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, जो हो रहा है वो अच्छा नहीं हो रहा है।

कांग्रेस नेता का विवादास्पद बयान

चुनाव के समय दिल्ली धमाके जैसी घटना क्यों? भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लालकिला के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट पर कांग्रेस सांसद हुसैन दलवई के बयान ने सियासी माहौल गरमा दिया है। दलवई ने कहा कि चुनावों के समय ऐसे धमाके क्यों होते हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि आरएसएस ब्लास्ट में शामिल थी, लेकिन इतना जरूर कहा कि आरएसएस की विचारधारा आतंकियों जैसी है। उनके इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने उन पर आतंकवाद को ढाल देने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता ने क्या कहा :

हुसैन दलवई ने सवाल उठाया कि, चुनाव आते ही धमाकों की घटनाएं क्यों बढ़ जाती हैं? इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ संगठनों की विचारधाराएं हिंसा को बढ़ावा देती हैं और उनके मुताबिक आरएसएस के भीतर भी ऐसे गुट हो सकते हैं जिनकी सोच खतरनाक हो। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आरएसएस स्वयंसेवकों की तरफ से कंधे पर लाठी लेकर चलने की परंपरा हिंसा की मानसिकता दर्शाती है।

वहीं कश्मीर को लेकर भी दलवई ने सरकार पर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि, कश्मीर में जो अन्याय हो रहा है, उसके परिणाम होंगे। सरकार को वहां की आवाज सुननी चाहिए, मां जैसी संवेदनशीलता अपनानी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के उस बयान की भी जांच की मांग की, जिसमें चिदंबरम ने कहा था कि यह 'आंतरिक आतंकवाद' का मामला हो सकता है।

भाजपा नेताओं का पलटवार :

भाजपा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि, कांग्रेस इतनी हताश हो गई है कि वह सभी आतंकवादी संगठनों और उनकी गतिविधियों का समर्थन कर रही है।

एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में रैली करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी ने एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक की इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी भी शामिल हुए।

कांग्रेस ने 12 राज्यों में एसआईआर को लेकर बैठक की। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बैठक, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। पार्टी दिसंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान पर एसआईआर के खिलाफ रैली करेगी। आज की बैठक में केसी वेणुगोपाल, संबंधित राज्यों के कांग्रेस प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता तथा उन राज्यों के कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) सदस्यों सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बैठक में खड़गे ने कहा कि कांग्रेस वोटर लिस्ट से नाम नहीं हटाने देगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार, सीबीआई और अनिल अंबानी को भेजा नोटिस, बैंकिंग धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार, सीबीआई, ईडी और उद्योगपति अनिल अंबानी को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किया गया, जिसमें दावा किया गया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और इसकी समूह कंपनियों और प्रमोटरों ने बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉरपोरेट धोखाधड़ी की है। याचिका में अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है।

नोटिस का जवाब देने के लिए दिया तीन हफ्ते का समय :

जनहित याचिका पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस सरमा ने दायर की है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण अदालत में पेश हुए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की और तीन हफ्ते में नोटिस का जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अब पीठ तीन हफ्ते बाद याचिका पर फिर से सुनवाई करेगी। प्रशांत भूषण ने आरोप लगाया कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले समूह की कंपनियों में बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाला हुआ है, जिसमें बैंक के अधिकारी भी शामिल हैं, लेकिन इस एंगल से केंद्रीय एजेंसियां जांच नहीं कर रही हैं।

याचिका में लगाए गए हैं ये आरोप :

प्रशांत भूषण ने सीबीआई और ईडी से जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने की मांग की। याचिका में आरोप लगाया है कि अनिल अंबानी समूह की कंपनियों में व्यवस्थागत तरीके से सार्वजनिक धन का डायवर्जन किया गया, वित्तीय दस्तावेजों में हेरा-फेरी की गई। इसमें कहा गया है कि 21 अगस्त को सीबीआई और ईडी ने जो कार्रवाई की, वह एक बड़े घोटाले का छोटा सा हिस्सा है। फोरेंसिक ऑडिट में कई गंभीर गड़बड़ियों का पता चला है, लेकिन जांच एजेंसियां इस गड़बड़ी में बैंक अधिकारियों, ऑडिटर्स की जांच नहीं कर रही हैं। याचिका में कहा गया है कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी व्यवस्थागत खामियों और फंड के डायवर्जन की बात मानी थी।

दुनियाभर में चैटजीपीटी और एक्स डाउन

सर्वर डाउन होने की जानकारी देने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी बंद

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और एआई चैटबॉट चैटजीपीटी की सर्विसेज देशभर में डाउन हैं। ये सर्विसेज मंगलवार करीब 5:15 बजे से डाउन हुई हैं। भारत समेत दुनियाभर में यूजर्स को लॉगिन, साइनअप, पोस्ट करने और देखने के अलावा प्रीमियम सर्विसेज सहित प्रमुख सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। सर्वर डाउन होने की जानकारी देने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी बंद है। फ्लेयर वेबसाइट के डाउन होने के कारण यह दिक्कत आई है। इसके अलावा चैट जीपीटी भी डाउन है।

एक्स या चैट जीपीटी डाउन होने की वजह क्या है :

क्लाउडप्लेयर डाउन होने से सर्विसेज डाउन : फलाउडफ्लेयर एक इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जो वेबसाइट और एप्लिकेशन को फास्ट, ज्यादा सेफ और ज्यादा भरोसेमंद बनाने के लिए सर्विस प्रोवाइड करती है। इसके डाउन होने से ये सर्विसेज डाउन हैं। एक बयान में क्लाउडफेयर ने कहा कि उसे एक समस्या की जानकारी है और वह इसकी जांच कर रहा है। हम इस समस्या के पूरे प्रभाव को समझने और इसे कम करने के लिए काम कर रहे हैं। जल्द ही और अपडेट दिए जाएंगे।

43 प्रतिशत लोगों को पोस्ट देखने में समस्याएं हुई :

डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर में एक्स के कई यूजर्स को वेब और एप दोनों वर्जन पर एक्सेस करने और पोस्ट रिफ्रेश करने में समस्याओं का सामना करना पड़ा। लगभग 43 प्रतिशत लोगों को पोस्ट देखने में समस्याएं हुईं। वहीं 23 प्रतिशत लोगों को बेवसाइट का इस्तेमाल करने में परेशानी आई और लगभग 24 प्रतिशत ने बताया कि उन्हें वेब कनेक्शन में दिक्कत हुईं।

बिहार में शपथ ग्रहण की भव्य तैयारी

जायजा लेने खुद गांधी मैदान पहुंचे नीतीश, पीएम मोदी भी होंगे शामिल

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली प्रचंड जीत के बाद अब नई सरकार के गठन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। नीतीश कुमार खुद गांधी मैदान पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। एनडीए नेताओं ने फैसला लिया है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस दिन नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस कार्यक्रम को भव्य तरीके से आयोजित करने की योजना बनाई गई है। इसमें पीएम मोदी समेत देश भर की नामचीन हस्तियां शामिल होंगी।

बिहार की नई सरकार के 20 नवंबर को गांधी मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद व्यवस्थाओं का जायजा लेने मंगलवार को गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने समारोह के लिए बनाए गए मंच का मुआयना किया और पूरे परिसर में घूमकर तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार चौधरी और पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन भी मौजूद थे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने उन्हें तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले, मुख्य सचिव और डीजीपी विनय कुमार ने भी गांधी मैदान और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ पटना के डीएम, एसएसपी और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा, पटना एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कई केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी समेत देश के बड़े नेता समारोह में होंगे शामिल :

बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मीडिया को बताया कि 20 नवंबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और समाज के गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। दिलीप जायसवाल के अनुसार, मतदाताओं द्वारा एनडीए को दिए गए अपार समर्थन को देखते हुए, समारोह में लगभग 2-3 लाख लोगों के जुटने की संभावना है।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि कल (बुधवार) पहले भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी।

'कोई लीपापोती नहीं, कोई बहाना नहीं'

दिल्ली विस्फोट को लेकर एससीओ बैठक में गरजे एस जयशंकर, दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को रूस में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर दुनिया को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया को इस खतरे के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य सहनशीलता दिखानी चाहिए।

उन्होंने कहा आतंकवाद के मामले में न कोई लीपापोती न कोई बहाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कोई औचित्य नहीं दिया जा सकता, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, और न ही उसे छुपाया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है और वह इसका प्रयोग करेगा।

ईडी का बड़ा एक्शन, गेमिंग कंपनी विंजो और गेम्सक्राफ्ट के ठिकानों पर मारा छापा

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने विंजो और गेम्सक्राफ्ट कंपनी के ऑफिस में छापामारी की है। ईडी के बेंगलुरू रीजनल ऑफिस ने मंगलवार को धोखाधड़ी, हेरफेर और संभावित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के संबंध में दो ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ छापामारी शुरू की है।

अधिकारियों ने बताया कि कुल 11 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। इनमें बेंगलुरू में पांच, दिल्ली में चार और गुरुग्राम में दो परिसर शामिल हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही छापेमारी में कंपनियों के कॉर्पोरेट कार्यालयों के साथ-साथ उनके मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, मुख्य परिचालन अधिकारियों और मुख्य वित्तीय अधिकारियों सहित उनके प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों के आवास भी शामिल हैं।

गेमिंग एल्गोरिदम में हेरफेर के आरोप :

यह कार्रवाई कई पीड़ितों की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद की गई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि इन प्लेटफॉर्म्स ने खिलाड़ियों को अनुचित नुकसान पहुंचाने के लिए अपने गेमिंग एल्गोरिदम में हेरफेर किया था। इससे कंपनियों को अवैध रूप से मुनाफा कमाने का मौका मिला। अधिकारियों ने बताया कि चल रही तलाशी के दौरान यह पता चला है कि प्रवर्तकों के पास क्रिप्टो वॉलेट हैं। जो क्रिप्टोकरेंसी के जरिए धन शोधन का संकेत देते हैं। इससे डिजिटल परिसंपत्तियों के जरिए धन शोधन के संभावित चैनलों का संकेत मिलता है।

वित्तीय रिकॉर्ड, तकनीकी डेटा और क्रिप्टो लेनदेन की हो रही जांच

एजेंसी कथित अवैध लाभ की सीमा और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के संभावित उल्लंघन का आकलन करने के लिए वित्तीय रिकॉर्ड, तकनीकी डेटा और क्रिप्टो लेनदेन की जांच कर रही है।

अवैध बांग्लादेशियों पर बड़ा एक्शन, अब तक 1001 लोगों को भेजा गया वापस

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ इस साल अब तक बड़ी कार्रवाई की है। जनवरी से नवंबर के बीच पुलिस ने ऐसे 401 मामलों में एफआईआर दर्ज की है और 1,001 लोगों को देश से बाहर भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार चल रहे विशेष अभियान के तहत की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, जिन लोगों को हिरासत में लिया गया, वे या तो वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी भारत में रुके थे या बिना किसी वैध दस्तावेज के शहर में रह रहे थे। पुलिस ने पहले इनके खिलाफ सबूत जुटाए, वीजा उल्लंघन की पुष्टि की और फिर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए अधिकांश लोगों को पहले पुणे ले जाया गया। यहां से भारतीय वायुसेना के विशेष विमानों से इन्हें बांग्लादेश सीमा तक पहुंचाया गया, जहां सीमा सुरक्षा बल ने उन्हें बांग्लादेशी सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में ईडी का बड़ा एक्शन

अल फलाह ट्रस्ट से जुड़े 24 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार (18 नवंबर) सुबह दिल्ली के ओखला स्थित अल-फलाह फरीदाबाद ट्रस्ट और फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 24 ठिकानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) से जुड़े एक मामले के तहत की गई है। जांच एजेंसी को संदेह है कि यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े मालिकों और प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों को अंजाम दिया है। इसी वजह से उनके ठिकानों पर दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की तलाश की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने मंगलवार सुबह अल-फलाह ट्रस्ट के ओखला स्थित मुख्य दफ्तर, यूनिवर्सिटी कैंपस और प्रबंधन से जुड़े लोगों के निजी घरों सहित कई लोकेशंस पर एक साथ छापेमारी की। दिल्ली के जामिया नगर और ओखला विहार से लेकर फरीदाबाद के सेक्टर-22 स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस तक ईडी की कई टीमें तड़के से ही तैनात हैं।

जांच में हुआ बड़ा खुलासा

जांच में पता चला है कि अल-फलाह ग्रुप से जुड़ी 9 कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं और शुरुआती जांच में इनके शेल कंपनियां होने के कई संकेत मिले हैं। दिए गए पते पर कोई ऑफिस नहीं मिला, न ही बिजली-पानी के उपयोग का कोई रिकॉर्ड मिला। कई कंपनियों में एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का इस्तेमाल किया गया, ईपीएफओ और ईएसआईसी में कोई फाइलिंग नहीं मिली और कागजों में इन्हें बड़ी कंपनियां दिखाया गया था।

कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और साइनटरी कॉमन पाए गए, बैंक स्टेटमेंट में सैलरी ट्रांसफर बेहद कम दिखा और एचआर से जुड़े कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। लगभग सभी कंपनियां एक ही पैटर्न पर बनाई गई थीं और इनके संपर्क विवरण भी एक जैसे मिले। जांच में अल-फलाह ग्रुप द्वारा यूजीसी और एनएएसी मान्यता से जुड़े दावों पर भी सवाल उठे हैं और अब इस संबंध में संबंधित एजेंसियों से जानकारी मांगी गई है।

कई और ठिकानों पर दी जा सकती है दबिश

सूत्रों के मुताबिक, जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ईडी ने मौके से अहम दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड, लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई डिजिटल डिवाइस कब्जे में ले लिए हैं। कार्रवाई अभी जारी है और शाम तक अन्य ठिकानों पर भी दबिश की संभावना जताई जा रही है। छापेमारी को देखते हुए दिल्ली पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने संबंधित इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है। फिलहाल किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

विदेशी फंडिंग और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोप

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले ईडी ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी और इसके संचालकों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप है कि यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट के नाम पर करोड़ों की अवैध फंडिंग की गई, विदेशी दान (एफसीआरए) नियमों का उल्लंघन हुआ और संपत्तियों के गलत इस्तेमाल से काले धन को वैध रूप दिया गया।

कुत्तों का आतंक, खेत में खेल रहे 12 वर्षीय बच्चे को नोचा

लुधियाना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। थाना दाखा के अंतर्गत पड़ते गांव हसनपुर में खेतों में पिता के पास खेल रहे एक 12 वर्षीय बच्चे पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में बच्चे की पीठ और गर्दन के पास गंभीर जख्म हुए हैं। बच्चे का डीएमसी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बच्चे की पहचान 12 वर्षीय अवीजोत सिंह के रूप में हुई है। बच्चे के पिता प्रितपाल सिंह ने बताया कि उनका घर पमाल लिंक रोड पर है और पास ही उनके खेत हैं। चार बजे के करीब वे खेत में पत्ते काटने गए थे और बेटा अवीजोत भी उनके साथ था। पास के खेत में ही उनका भाई काली गेहूं की बुआई कर रहा था। इस दौरान खेतों के पास बैठे 7–8 आवारा कुत्तों में से दो कुत्ते अचानक अवीजोत पर टूट पड़े। बच्चे को नीचे गिरता देख उसका चाचा काली तुरंत दौड़ा और उसके ऊपर लेटकर उसे बचाने की कोशिश की। शोर सुनकर में भी मौके पर पहुंचा और जोर से चिल्लाकर कुत्तों को वहां से भगाया। गंभीर रूप से घायल अवीजोत को तुरंत डीएमसी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

वसई से खौफनाक वारदात: शख्स ने अपनी ही भांजी को चलती ट्रेन से दिया धक्का, 16 साल की लड़की की मौत

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के वसई इलाके से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक मामा ने ही अपनी 16 वर्षीय भांजी को चलती लोकल ट्रेन से धक्का दे दिया। लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। इस वारदात ने पूरे इलाके में स्तब्धता फैला दी है। मृतका की मां, संगीता सोमनाथ सोनार ने वसई रोड रेलवे पुलिस स्टेशन में अपनी बेटी कोमल की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

संगीता मानखुर्द में अपने दो बच्चों कोमल और 15 वर्षीय बेटे कार्तिक के साथ रहती हैं और पेशेंट केयरटेकर का काम करती हैं। संगीता के अनुसार, 15 नवंबर 2025 को कोमल अचानक घर से निकल गई थी। परिवार ने आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, लेकिन वह नहीं मिली। अगले दिन सुबह 16 नवंबर को 8 बजे उन्हें पता चला कि कोमल नालासोपारा में उनके भाई अर्जुन कैलास सोनी (कोमल के मामा) के घर पर है,

कैबिनेट की बैठक में क्यों नहीं पहुंचे शिंदे सेना के मंत्री? पंकजा मुंडे ने किया बड़ा दावा

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी हलचल सामने आई है। 18 नवंबर, मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में कैबिनेट की बैठक थी। हालांकि इस बैठक में शिंदे सेना के मंत्री शामिल नहीं हुए थे। कैबिनेट बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अलावा कोई भी मंत्री बैठक में नहीं था। शिंदे सेना के मंत्रियों के शामिल न होने के पीछे की वजहों पर राज्य सरकार में काबीना मंत्री और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने प्रतिक्रिया दी।

पंकजा मुंडे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ है। सभी अपनी नगर पालिका में व्यस्त होंगे। चुनाव चल रहे हैं, सभी अपने जिलों में वयस्त होंगे। मुंडे ने कहा कि शिंदे जी (एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री) तो आए थे। यह पूछे जाने पर कि कैबिनेट बैठक की जगह नगर पालिका इतना जरूरी है? बीजेपी नेता ने कहा कि किसी के बारे में मुझे टिप्पणी करने का

अधिकार नहीं है।

मुंडे ने कहा कि जो लोग थे, वो सभी लोग बैठक में थे। मैं कैसे कारण बता सकती हूं। मैं सबके निजी कारण के बारे में कैसे जानूंगी? जब मुंडे से पूछा गया कि क्या शिंदे सेना के मंत्री नाराज हैं, बीजेपी ने कहा कि मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। शिंदे सेना के मंत्री गुलाब राव पाटिल ने भी लगभग यही बात कही है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका और नगर पंचायत के चुनाव में मंत्री व्यस्त हैं।

चलती एंबुलेंस में लगी भीषण आग, नवजात और डॉक्टर समेत 4 लोगों की जिंदा जलकर मौत

अरवल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अरवल्ली जिले के मोडासा शहर के पास मंगलवार तड़के एक एम्बुलेंस में आग लगने से एक नवजात शिशु, एक डॉक्टर और दो अन्य लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस निरीक्षक डीबी वाला ने बताया कि मोडासा-धनसुरा रोड पर एम्बुलेंस में आग रात करीब एक बजे लगी, जब जन्म के बाद बीमार एक दिन के बच्चे को आगे के इलाज के लिए मोडासा स्थित एक अस्पताल से अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि बच्चे, उसके पिता जिग्नेश मोची (38), अहमदाबाद निवासी डॉक्टर शांतिलाल रेंतिया (30) और अरवल्ली निवासी नर्स भूरीबेन मनात (23) की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मोची के दो रिश्तेदार, निजी एम्बुलेंस चालक और तीन अन्य लोग झुलस गए और उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मणिपुर में 48 घंटे में असम राइफल्स की बड़ी सफलता

3 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में जातीय हिंसा के बीच सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटों में जोरदार कार्रवाई की है। असम राइफल्स ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर तीन प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और हथियारों-गोला-बारूद का भारी जखीरा बरामद किया है। रविवार को इंफाल वेस्ट जिले के मोइरांग पोक क्षेत्र में असम राइफल्स और इंफाल वेस्ट पुलिस कमांडो ने संयुक्त ऑपरेशन में यूएनएलएफ (पाम्बेई गुट) के एक सक्रिय कैडर को पकड़ा। उसके पास से एक आईफोन 12 प्रो, सिम कार्ड और आधार कार्ड बरामद हुआ। आरोपी को पटसोई पुलिस स्टेशन सौंप दिया गया। उसी दिन क्वाकेथेल क्षेत्र में असम राइफल्स, इंफाल वेस्ट पुलिस और थौबल कमांडो की संयुक्त टीम ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक वरिष्ठ कैडर को दबोच लिया। यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक थी।

बरामद सामान में एक एम-16 राइफल, आठ एलआर राइफल, एक ।303 लाइट मशीन गन, दो ।303 राइफल, 199 राउंड कार्बाइन गोली, 30 राउंड एसएलआर गोली, 52 मैगजीन, तीन मोटर बम, अन्य जंगी सामान और एक स्मार्टफोन शामिल हैं।

मंत्री के निर्देश पर आदमखोर बाघ को मारने के लिए शूटर तैनात

देहरादून, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बाघ के हमले की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी और डीएफओ को अनुमति लेकर बाघ को मारने के लिए शूटर तैनात करने के निर्देश दिए थे। अब वन विभाग ने पिंजरे लगाने के साथ शूटर भी तैनात कर दिया है। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को बाघ के हमले में विकासखंड पोखड़ा के बगड़ीगाड निवासी रानी देवी और उसके अगले ही दिन ग्राम घंडियाल की प्रभा देवी के घायल हो गईं थीं। घटना की सूचना पर मंत्री महाराज ने जिलाधिकारी पौड़ी और डीएफओ को निर्देश दिए थे कि आदमखोर बाघ को मारने की अनुमति लेकर शूटर तैनात किया जाए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि जंगली जानवरों के हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, इसलिए विभाग तत्काल जंगली जानवरों से लोगों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। उन्होंने बाघ के हमले में प्रभावित परिवार को तत्काल मुआवजा देने के भी निर्देश दिए।

28 स्थानों पर न्यूनतम पारा 10 डिग्री से कम

शिमला, 18 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में आगामी एक सप्ताह तक शुष्क मौसम बना रहने का पूर्वानुमान है। राज्य के 28 स्थानों पर न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया है। ताबो, कुकुमसेरी व केलांग का न्यूनतम पारा माइनस में दर्ज हुआ है। शिमला में भी रात का पारा काफी गिर गया है। सोमवार को शिमला में न्यूनतम पारा 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जबकि मंगलवार को यह 7.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। वहीं सुंदरनगर और बिलासपुर में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया।

आज शिमला सहित पूरे प्रदेश में धूप खिली हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार पूरे प्रदेश में 24 नवंबर तक मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है। वहीं 3-4 दिनों के दौरान राज्य में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

देश में हर आठ मिनट में लापता हो रहा एक बच्चा

सुप्रीम कोर्ट चिंतित, कहा- ये एक गंभीर मुद्दा

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की, जिसमें दावा किया गया था कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। न्यायालय ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मामले में कहा कि देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है और केंद्र से इस प्रणाली को सरल बनाने को कहा गया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा, 'मैंने अखबार में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। लेकिन यह एक गंभीर मुद्दा है।' शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया 9 दिसंबर तक का वक्त

सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने हेतु छह सप्ताह का समय मांगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने छह सप्ताह का समय देने से इनकार कर दिया और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से 9 दिसंबर तक प्रक्रिया पूरी करने को कहा।

पहले भी केंद्र सरकार को दिया गया था निर्देश

14 अक्तूबर को, पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। पीठ ने निर्देश दिया था कि जब भी पोर्टल पर किसी लापता बच्चे के बारे में कोई शिकायत प्राप्त हो, तो जानकारी संबंधित नोडल अधिकारियों के साथ तुरंत साझा की जानी चाहिए।

एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल बनाने का भी था निर्देश

शीर्ष अदालत ने पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था। पीठ ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने के काम में लगे पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को रेखांकित किया था। अदालत ने कहा था कि पोर्टल पर प्रत्येक राज्य से एक समर्पित अधिकारी हो सकता है जो सूचना प्रसारित करने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का प्रभारी भी हो सकता है।

मालखाने से ड्रग मनी गायब: आरोपी मुंशी के घर में दबा रखे 13 लाख रुपये

जगरांव, 18 नवबर (एजेंसियां)। (पंजाब) सिधवां बेट के मालखाने से करोड़ों रुपये की ड्रग मनी गायब करने के आरोप में गिरफ्तार मुंशी गुरदास से पुलिस ने बड़ी बरामदगी की है। पुलिस रिमांड के दौरान गुरदास ने स्वीकार किया कि उसने लाखों रुपये अपने घर में छिपा रखे थे सूत्रों के अनुसार, पुलिस आरोपी को लेकर उसके घर पहुंची, जहां उसने अपने वेहड़े में दबाकर रखे 10 लाख रुपये बाहर निकाले। इसके अलावा पुलिस ने अलमारी से 3 लाख रुपये और बरामद किए। पुलिस ने कुल 13 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। गुरदास का चार दिन का पहला रिमांड पूरा होने पर पुलिस ने उसे फिर अदालत में पेश किया, जहां से चार दिन का अतिरिक्त रिमांड मंजूर किया गया है।

दिल्ली के साकेत कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। साकेत कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद तत्काल खाली करा लिया गया। इस सूचना के बाद हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को घेर लिया। भारी संख्या में पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और बम खोजी कुत्तों को मौके पर भेजा गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का पता लगाया जा सके। वहीं दूसरी तरफ रोहिणी और पटियाला हाउस कोर्ट में भी तलाशी अभियान चल रहा है।

दिल्ली के दो सीआरपीएफ स्कूलों को भी धमकी, जांच में नहीं मिला कुछ

मंगलवार की सुबह दिल्ली के दो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि, गहन जांच के बाद यह पता चला कि धमकी झूठी थी। इसमें किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं था। यह घटना मंगलवार की सुबह लगभग 9 बजे उस समय सामने आई जब दिल्ली के प्रशांत विहार और द्वारका में स्थित सीआरपीएफ स्कूलों को एक साथ ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सूचना के तुरंत बाद, दिल्ली अग्निशमन सेवा और स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई। धमकी मिलने के बाद, दोनों स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्कूलों की अच्छी तरह से जांच की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। प्रारंभिक जांच के आधार पर, इसे एक 'होक्स' यानी झूठी धमकी घोषित कर दिया गया।

'स्थानीय निकाय चुनावों में 50% आरक्षण की सीमा को न करें पार नहीं तो लगा दी जाएगी रोक,' महाराष्ट्र सरकार से बोला एससी

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो तथा चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो चुनाव पर रोक लगा दी जाएगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जे के बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी।

आज अगली सुनवाई

महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50 प्रतिशत की सीमा से आगे न बढ़े। शीर्ष अदालत ने कहा, 'अगर दलील यह है कि नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को अपना काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। इस अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें।'

कई याचिकाओं पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, 'हम स्थिति से पूरी तरह अवगत थे। हमने संकेत दिया था कि बांठिया से पहले वाली स्थिति बनी रह सकती है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि सभी के लिए 27 प्रतिशत की छूट होगी? अगर ऐसा है, तो हमारा निर्देश इस अदालत के पिछले आदेश के विपरीत है। इसका मतलब यह होगा कि यह आदेश दूसरे आदेश के विपरीत होगा।'

बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी विचाराधीन

पीठ ने कहा, 'हमारा संविधान पीठ द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार करने का कभी इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी न्यायालय में विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।'

सीएम उमर ने भी नौगाम विस्फोट पर उठाए सवाल

बोले- 'जवाब मिले, इतना विस्फोटक थाने में क्यों लाया गया?'

श्रीनगर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि यह घटना कई सवाल पैदा करती है। यह विस्फोट कैसे हुआ और इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक थाने में क्यों लाया गया था, लोगों को इसका जवाब मिलना चाहिए। नौगाम स्थित एक निजि अस्पताल में उपचाराधीन नौगाम विस्फोट के घायलों का हाल चाल जानने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नौगाम पुलिस स्टेशन में विस्फोट एक अंत्यंत दुखद और दुर्भाग्यजनक घटना है।

इस धमाके में उन लोगों ने भी जान गंवाई जिनका इस मामले से कोई लेना देना नहीं था। मरने वालों एक दर्जी भी शामिल था। राजस्व विभाग के दो अधिकारी भी मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि सवाल तो कई उठ सकते हैं,लेकिन यह एक संवेदनशील मामला है।

लोग यह जानना चाहते हैं कि इतनी बड़ी संख्या में विस्फोटक एक ही जगह पर क्यों रखा गया था। क्या विस्फोटकों को सुरक्षित तरीके से रखने के लिए थाने में प्रबंध था,अगर नहीं था तो फिर यह खतरा क्यों उठाया गया। उन्होंने कहा कि लोगों में विभिन्न शंकाएं हैं। पुलिस महानिदेशक ने इस मामले को एक महज घटना बताते हुए इसकी जांच की बात की है। लोगों में जो शंकाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए इस मामले की एक गहन और पारदर्शी जांच जरुरी है। सच लोगों को पता चलना चाहिए और जिनकी लापरवाही से यह हादसा हुआ है, उन्हें जवाबदेय बनाया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 19 नवंबर, 2025 3

सुविचार: जिंदगी में जिसने समय को मान लिया, उसने अपने आप को जान लिया!

2047 तेलंगाना उदय समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा : भट्टी

डिप्टी सीएम ने बैंकर्स बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार 8 और 9 दिसंबर, 2025 को 2047 तेलंगाना उदय समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित करेगी। उन्होंने बैंकरों से बड़ी संख्या में भाग लेने और इस बड़े आयोजन में भागीदार बनने का अनुरोध किया, जहां कई नई नीतियों की घोषणा की जाएगी। भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को बेगमपेट के एक निजी होटल में आयोजित 47वीं तिमाही बैंकर्स बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार 2047 का रोडमैप जारी करने की तैयारी कर रही है, जिसका लक्ष्य 13 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर हासिल करके तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बिजली की मांग में 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सरकार गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उन्होंने बताया कि पहले वर्ष में, सरकार ने पूरे हो चुके कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया और दूसरे वर्ष में वह जारी पहलों पर प्रकाश डाल रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना उदय समारोह तेलंगाना के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण और उसे प्राप्त करने की योजनाओं को प्रस्तुत करेगा। उन्होंने क्षेत्रीय रिंग रोड, औद्योगिक गलियारों को जोड़ने वाली परियोजना और मूसी नदी पुनरुद्धार जैसी प्रमुख परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जो मिलकर वैश्विक निवेश आकर्षित करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि न केवल हैदराबाद, बल्कि पूरे राज्य में अपनी रणनीतिक स्थिति, अनुकूल जलवायु, भाषाई लाभ, भूमि उपलब्धता, कम लागत पर कुशल मानव संसाधन और मजबूत बिजली आपूर्ति के कारण वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने की क्षमता है। उपमुख्यमंत्री ने बैंकरों से न केवल कॉर्पोरेट कंपनियों, बल्कि स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भी अधिक से अधिक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों क्षेत्रों को बढ़ावा देने से राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार और धन सृजन होगा, जिससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और सुझाव दिया कि बैंकर मुख्य सचिव, जिला कलेक्टरों और प्रमुख सचिव (वित्त) के परामर्श से इन क्षेत्रों में अपने सीएसआर फंड का उपयोग करें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार शैक्षिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल शिक्षा का विस्तार करने के लिए काम कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना विकास के एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है और बैंकिंग क्षेत्र को इस बदलाव में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि बैंकों ने वर्ष की पहली छमाही में 49.45 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र ऋण और 130.18 प्रतिशत का ऋण-जमा अनुपात हासिल किया है- जो तेलंगाना की आर्थिक प्रगति में विश्वास के स्पष्ट संकेतक हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि कृषि अवसंरचना कोष के तहत प्रगति हुई है, यह तो बस शुरूआत है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सही मायने में बदलने के लिए, बैंकों को फसलोत्तर बुनियादी ढांचे, प्रसंस्करण इकाइयों, सूक्ष्म सिंचाई और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण बढ़ाना होगा। हालांकि फसल ऋण कुशलतापूर्वक दिए जा रहे हैं, फिर भी कृषि सावधि ऋण अभी भी आवश्यकता से कम है। उन्होंने कहा कि यह किसानों की आधुनिकीकरण, विविधीकरण और निर्वाह से समृद्धि की ओर संक्रमण की क्षमता को सीमित करता है। उन्होंने कहा कि बैंकों को इस अंतर को तत्काल पाटना चाहिए।

सीपी ने महिला पत्रकारों को ऑनलाइन धमकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने मंगलवार को सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्वतंत्र पत्रकार तुलसी चंदू सहित महिला पत्रकारों के एक समूह ने सोशल मीडिया पर लगातार ऑनलाइन ट्रोलिंग, उत्पीड़न, धमकी, जान से मारने की धमकी और यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई थी। प्रतिनिधिमंडल ने उत्पीड़न की प्रकृति को दिखाने के लिए आयुक्त के समक्ष कई ट्रोल वीडियो दिखाए। उन्होंने कहा कि कई सोशल मीडिया हैंडल लगातार नफ़रत भरी टिप्पणियां, गालियां और समन्वित हमले पोस्ट कर रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनहित के मामलों पर रिपोर्टिंग करने वाली महिला पत्रकारों को अपमानित करना, चुप कराना और खतरे में डालना है। सज्जनार ने प्रतिनिधिमंडल से अनुरोध किया कि वे सत्यापन के लिए सामग्री के सभी लिंक, स्क्रीनशॉट और वीडियो कार्यालय के साथ साझा करें। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम कार्रवाई करेंगे। आप देखेंगे कि हम क्या कदम उठा रहे हैं।

शब्बीर अली ने रियाज के परिवार को सहायता का वादा किया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक) मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को हाफ़िज़ मोहम्मद लायक़ ख़ान के नेतृत्व में निजामाबाद प्रतिनिधिमंडल की अपील पर दिवंगत शेख़ रियाज़ के परिवार को व्यापक सहायता का आश्वासन दिया। निजामाबाद ज़िले के अरमूर निवासी रियाज 20 अक्टूबर को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। उसके परिवार में उसकी माँ, पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं, जो कथित तौर पर बिना किसी स्थायी घर या आय के गंभीर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन का अवलोकन करने के बाद, शब्बीर अली ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि प्रभारी मंत्री डी. सीतक्का के साथ परामर्श के बाद, रियाज़ की पत्नी को एक उपयुक्त सरकारी योजना के तहत घर स्वीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे दोनों बच्चों (जो वर्तमान में कक्षा 2 और 3 में पढ़ते हैं) की कक्षा 5 तक की शिक्षा का खर्च व्यक्तिगत रूप से वहन करेंगे, जिसके बाद उन्हें दीर्घकालिक शैक्षिक सहायता के लिए आवासीय विद्यालय में दाखिला दिलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि मंत्री सीताक्का और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में, रियाज की पत्नी के लिए किसी अन्य उपयुक्त संस्थान में आउटसोर्सिंग रोजगार पर विचार किया जाएगा। परिवार की स्थिति को 'तत्काल मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता वाला मामला' बताते हुए, शब्बीर अली ने उनकी स्थिरता और भविष्य के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 37 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस और राचकोंडा कमिश्नरेट के सीसीएस अधिकारियों ने मंगलवार को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, सुबह-सुबह वाहन जांच के दौरान कोत्तागुडा चौराहे पर एक अंतरराज्यीय घर-चोरी गिरोह के दो सदस्यों को एक किशोर के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 37.05 लाख रुपये की चोरी की नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद किया। राचकोंडा पुलिस के अनुसार, अब्दुल्लापुरमेट थाने में दर्ज मामले में ये गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार आरोपियों में राज मनोहर पवार (22), बीबीए छात्र, गुजरात, रितिक उर्फ रितिक मोहिते (24), बीए एलएलबी छात्र, मध्य प्रदेश और एक किशोर (16 वर्ष) शामिल है। फरार लोगों में मुख्य आरोपी दिनेश मोहिते, अरुण मोहिते उर्फ कालू और विलास चौहान सभी गुजरात और महाराष्ट्र के हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह ने बीते 9 अक्टूबर की रात अब्दुल्लापुरम स्थित ब्रिलियंट इंजीनियरिंग कॉलेज में चोरी की थी और छात्रों की फीस से संबंधित एक स्टील की अलमारी में रखे 1.07 करोड़ रुपये चुरा लिए थे। अगली सुबह जब प्रिंसिपल ने ताले टूटे हुए देखे तो अपराध का पता चला। वारदात को अंजाम देने के तरीके की बात करें तो, सभी आरोपी, जो दूर के रिश्तेदार थे, गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना में सक्रिय थे। वे गूगल मैप्स के ज़रिए पहचाने गए राष्ट्रीय राजमार्गों के पास स्थित अलग-थलग पड़े शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाते थे और ताले तोड़ने के लिए लंबे स्क्रूड्राइवर का इस्तेमाल करते थे। ब्रिलियंट कॉलेज में चोरी करने के बाद, वे नकदी को पास की झाड़ियों में बांट लेते थे और पकड़े जाने से बचने के लिए बसों, ऑटो और कैब के जरिए राज्यों में फैल जाते थे। जांच के एक हिस्से के रूप में, टीमों ने गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक का दौरा किया, गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखी और अंततः अब्दुल्लापुरमेट में उनमें से तीन को पकड़ा। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने अभियान की निगरानी की और एलएंडओ, सीसीएस, एसओटी, आईटी सेल और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

मार्च 2026 तक माओवाद का खात्मा हो जाएगा : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को कहा कि मार्च 2026 तक भारत से माओवाद का खात्मा हो जाएगा और उन्होंने शेष कार्यकर्ताओं से 'शहरी नक्सली भ्रम' का शिकार न होने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि शहरी नक्सली लॉबी, धन संचय और आराम से जीवनयापन करते हैं, जबकि निर्दोष युवा जंगलों में मरते रहते हैं। हिडमा की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंदूकों के बल पर राज्य की सत्ता संभव नहीं है और माओवादियों पर निर्दोष दलितों, आदिवासियों, पुलिसकर्मियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या करने का आरोप लगाया। वेमुलावाड़ा क्षेत्रीय अस्पताल के अपने दौरे के दौरान, संजय ने एनएमडीसी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से वित्तपोषित 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के चिकित्सा उपकरण सौंपे। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के अस्पतालों के लिए निरंतर सहायता का आश्वासन दिया और युवा डॉक्टरों से गरीबों की सेवा के लिए नए अधिसूचित सरकारी पदों को ग्रहण करने का आग्रह किया।

तेलंगाना का लक्ष्य डिजिटल शासन में राष्ट्रीय मॉडल स्थापित करना है : श्रीधर बाबू

मंत्री ने नई मी-सेवा सेवाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य जन-केंद्रित डिजिटल शासन में खुद को एक राष्ट्रीय आदर्श के रूप में स्थापित करना है। वे मंगलवार को बंजारा हिल्स स्थित एक होटल में व्हाट्सएप पर राज्य की नई मी-सेवा सेवाओं का शुभारंभ करने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य शासन को एक सहभागी, पारदर्शी और नागरिक-नेतृत्व वाली प्रक्रिया में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, शासन बंद दीवारों के भीतर नहीं होना चाहिए। इसमें नागरिकों को सक्रिय भागीदार के रूप में एकीकृत करना होगा, और तकनीक द्वारा सीधे उनके दरवाजे तक सेवाएं पहुंचाई जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी को केवल एक सॉफ्टवेयर के रूप में नहीं, बल्कि समानता के एक साधन के रूप में देखती है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल लाभ 'तेलंगाना के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक' पहुंचें। इस व्यापक दृष्टिकोण के तहत, सरकार ने उभरते डिजिटल और वैश्विक अवसरों के लिए कार्यबल तैयार करने हेतु हर साल 10 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, एआई-संचालित तेलंगाना डिजिटल एक्सचेंज (टीजीडीईएक्स), एआई सिटी, एआई यूनिवर्सिटी और तेलंगाना इनोवेशन हब जैसी पहलों के साथ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, जो मिलकर राज्य को डिजिटल प्रशासन में नए मानक स्थापित करने में सक्षम बना रहे हैं। श्रीधर बाबू ने बताया कि तेलंगाना के जेनएआई-संचालित, मोबाइल-फर्स्ट मॉडल ने नागरिक सेवा वितरण को नया रूप दिया है। व्हाट्सएप-आधारित मी-सेवा सेवाएं जल्द ही तेलुगु और उर्दू में उपलब्ध होंगी, और हैंड्स-फ्री एक्सेस के लिए वॉयस-कमांड सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आने वाले महीनों में इस सेवा का और अधिक विभागों तक विस्तार करने की भी योजना बना रही है।

नौकरी का झांसा देकर 5 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल केंद्र में नौकरी दिलाने का लालच देकर लोगों से ठगी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के एक युवक को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, नोएडा निवासी 19 वर्षीय अभिषेक, जो पॉलिटेक्निक डिप्लोमा छात्र है, गूगल पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की समीक्षा पोस्ट करवाने के बदले नौकरी देने का वादा कर लोगों को ठग रहा था। उसके खिलाफ सिरपुर (टी) मंडल मुख्यालय के एक व्यक्ति से 5 लाख रुपये हड़पने का मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में अभिषेक ने जल्दी पैसा कमाने के लिए यह अपराध करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि 5 लाख रुपये लेने के बाद उसने यह रकम अपने साले राजू अत्री को भेजी थी। पुलिस ने बताया कि मामले में बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं।

नरसापुर में प्रवासी मजदूर की चाकू मारकर हत्या

संदिग्ध पर पत्नी से अवैध संबंध का आरोप

मेदक, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के नरसापुर कस्बे के बाहरी इलाके रायराव चेरुवु में एक प्रवासी मजदूर की अज्ञात हमलावरों ने चाकू से कई वार कर हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने पीड़ित को खून से लथपथ अवस्था में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पीड़ित की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी 34 वर्षीय फारूक अंसारी के रूप में हुई है। डीएसपी जे नरेंद्र गौड़ और इंस्पेक्टर ए जान रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण किया और अंसारी के शरीर पर चाकू के नौ घाव पाए। पीड़ित की पत्नी सनमान ने पुलिस को बताया कि उसे अंसारी के दोस्त शब्बर पर शक है। उसका कहना है कि अंसारी का शब्बर की पत्नी के साथ कथित रूप से संबंध था, जिसे लेकर विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नरसापुर सरकारी अस्पताल भेज दिया है। नरसापुर पुलिस संदिग्ध की तलाश में जुट गई है।

वाहन चालकों को सर्दियों में सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में सलाह

दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को पहले घंटे के भीतर निकटतम अस्पताल पहुंचाना फायेदमंद : सुधीर बाबू

राचकोंडा पुलिस ने दुर्घटनाओं के बढ़ते खतरे को लेकर आगाह किया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में जैसे-जैसे सर्दी गहराती जा रही है, सुबह-सुबह और देर रात घना कोहरा प्रमुख सड़कों पर दृश्यता की गंभीर समस्याएं पैदा कर रहा है। दुर्घटनाओं के बढ़ते खतरे को देखते हुए, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने सभी वाहन चालकों से सावधानी बरतने और सुरक्षा दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। आयुक्त ने मंगलवार को कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक व्यापक सलाह जारी की। चालकों को गति सीमा का पालन करने, हेलमेट और सीटबेल्ट पहनने, शराब के नशे में वाहन चलाने से बचने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी जाती है। वाहन चालकों को अपने ब्रेक, हेडलाइट, इंडिकेटर और टायरों की नियमित रूप से जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है कि उनके वाहनों में 'प्राथमिक चिकित्सा किट' हो। कोहरे के कारण दृश्यता में भारी कमी के कारण, पुलिस ने वाहन चालकों को लो-बीम हेडलाइट्स का उपयोग करने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने, अचानक रुकने से बचने और कोहरे या घुमावदार क्षेत्रों में वाहनों को पार करने से बचने की आवश्यकता पर बल दिया।

आयुक्त ने यह भी सुझाव दिया कि वाहन चालक डिफॉगर का उपयोग करें, कोहरे को कम करने के लिए खिड़कियां थोड़ी खुली रखें और ठंड में बेहतर पकड़ सुनिश्चित करने के लिए दस्ताने पहनें। अधिकारियों के अनुसार, अन्य सुरक्षा उपायों में रात के समय सड़क किनारे पार्किंग से बचना, रिफ्लेक्टिव जैकेट और स्टिकर पहनना, वाहन खराब होने पर रिफ्लेक्टिव चेतावनी त्रिकोण लगाना और बच्चों, खासकर सुरक्षा नियमों का पालन करने वाली स्कूल बसों में, सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना शामिल है। सुधीर बाबू ने 'गोल्डन आवर' अवधारणा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, जो कोई भी दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को पहले घंटे के भीतर निकटतम अस्पताल पहुंचाता है, वह एक जीवन बचा सकता है और केंद्र सरकार की नेकदिल योजना के तहत 25,000 रुपये का हकदार है। आयुक्त ने लोगों से सड़क सुरक्षा को एक सामूहिक कर्तव्य के रूप में देखने का आग्रह किया। अगर सभी लोग इन सुझावों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में भारी कमी आने की संभावना है। सुरक्षित सड़कें बनाने के लिए सरकार, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और समुदाय के बीच सहयोग ज़रूरी है। इस अवसर पर, राचकोंडा पुलिस ने सर्दियों के महीनों में सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने और प्रवर्तन उपायों को बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की।

स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा 'दलवार पिछड़ा वर्ग आरक्षण' देगी : रामचंद्र राव

तेलंगाना भाजपा महासचिवों और मोर्चा अध्यक्षों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने मंगलवार को कहा कि भाजपा आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में 'पिछड़ों के लिए दलवार आरक्षण' प्रदान करेगी और पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों के लिए सीटों का बड़ा हिस्सा सुनिश्चित करेगी।

यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता ने सरपंचों का कार्यकाल समाप्त होने के 21 महीने बाद भी पंचायत चुनाव कराने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसके परिणामस्वरूप शासी निकायों की अनुपस्थिति के कारण 15वें वित्त आयोग के लगभग 4,000 करोड़ रुपये रुक गए।

उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर झूठे वादे करने और कोटा लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाए बिना वोट हासिल करने के लिए कामारेड्डी में पिछड़ा वर्ग घोषणा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस कैबिनेट के 'संवैधानिक पिछड़ा वर्ग आरक्षण के बिना' और केवल पार्टी-स्तरीय कोटा के साथ चुनाव कराने के कथित फैसले को 'अनुचित' करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा उम्मीदवारों की गहन जांच करेगी और 'स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व' सुनिश्चित करेगी। माओवादियों के मुद्दे का जिक्र करते हुए, राव ने कहा कि केंद्र ने ऑपरेशन 'कगार' के जरिए माओवादियों के ख़िलाफ़ अभियान तेज़ कर दिए हैं, जिससे उन्हें 31 मार्च, 2026 तक आत्मसमर्पण करने का मौक़ा मिल गया है।

भारत में एंटीबायोटिक प्रतिरोध पर बड़ी चेतावनी

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी) द्वारा समन्वित एक बहुकेंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि सामान्य एंडोस्कोपी प्रक्रिया से गुजरने वाले भारत के 83 प्रतिशत मरीज मल्टीड्रग-रेसिस्टेंस ऑर्गेनिज्म (एमडीआरओ) से संक्रमित पाए गए। यह अध्ययन प्रतिष्ठित लैंसेट ई-क्लिनिकल मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। यह शोध भारत के साथ नीदरलैंड, इटली और अमेरिका के अस्पतालों में किया गया था। सभी देशों के परिणामों की तुलना में भारतीय मरीजों में एमडीआरओ का स्तर सबसे अधिक-83 प्रतिशत-पाया गया। इसके मुकाबले इटली में 31.5 प्रतिशत, अमेरिका में 20.1 प्रतिशत और नीदरलैंड में 10.8 प्रतिशत मरीज प्रभावित मिले।

चार देशों के 1,200 से अधिक रोगियों पर किए गए अध्ययन में भारतीय प्रतिभागियों में प्रतिरोधी बैक्टीरिया की अत्यधिक मौजूदगी दर्ज की गई। इनमें 70.2 प्रतिशत में ईएसबीएल उत्पादक जीव और 23.5 प्रतिशत में कार्बापेनम-प्रतिरोधी बैक्टीरिया पाए गए, जो अंतिम विकल्प के एंटीबायोटिक्स पर भी प्रभावी प्रतिक्रिया नहीं देते।

विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के जीवाणु कठिन इलाज वाले संक्रमण पैदा करते हैं, जिससे मरीजों के स्वस्थ होने में अधिक समय लगता है, जटिलताएं बढ़ती हैं और अस्पतालों को अधिक शक्तिशाली व विषाक्त दवाओं का सहारा लेना पड़ता है। इससे मरीजों को आईसीयू की जरूरत, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने और भारी आर्थिक बोझ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि भारत में उच्च प्रतिरोध स्तर केवल रोगियों के चिकित्सा इतिहास या सह-रुग्णताओं से समझाया नहीं जा सकता। उम्र, बीमारी और अन्य जोखिम कारकों को समायोजित करने के बाद भी एमडीआरओ का प्रसार असामान्य रूप से अधिक ही रहा।

इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूह बस मालिक बनीं : पद्मा

बसों की मालिक बनना बेहद गर्व की बात

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में अपनी तरह की पहली पहल के तहत, तेलंगाना सरकार ने प्रत्येक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) संघ को एक बस आवंटित की है, जिससे ग्रामीण महिलाओं के लिए सुनिश्चित मासिक आय और अधिक आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, इंदिरा महिला शक्ति योजना राज्य के एक करोड़ 'महिला करोड़पति' बनाने के मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। महालक्ष्मी योजना के तहत, सभी महिलाओं और लड़कियों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा प्रदान की गई, जो राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहला बड़ा कदम है।

तेलंगाना के आर्थिक परिदृश्य में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए, बाद में कई पहल शुरू की गई हैं। इंदिरा महिला शक्ति योजना महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में मदद करने के लिए बनाई गई है। एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ, सरकार महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को उदार ऋण प्रदान कर रही है।

प्रत्येक एसएचजी को एक बस आवंटित करने की इस अभिनव पहल को लागू करने के लिए, टीजीएसआरटीसी और एसईआरपी के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत, एसईआरपी ने पहले चरण में 151 बसें खरीदी हैं और उन्हें टीजीएसआरटीसी को पट्टे पर दिया है।

प्रत्येक मंडल महिला समाख्या को 69,648 रुपये प्रति माह किराये के रूप में मिलते हैं, जिसमें से 50,000 रुपये ऋण चुकौती के लिए और शेष परिचालन लागतों को पूरा करते हैं। प्रत्येक बस की लागत 36 लाख रुपये है, जिसके लिए सरकार ने सामुदायिक निवेश कोष के माध्यम से 30 लाख रुपये के उदार ऋण की सुविधा प्रदान की है, जबकि एसएचजी अपनी बचत से 6 लाख रुपये का योगदान करते हैं।

अयोध्या में ध्वजारोहण समारोह इकबाल अंसारी बोले, मैं भी जाऊंगा... जिनकी आस्था थी उन्हें मंदिर मिल गया

अयोध्या, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बाबरी मामले के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने मंगलवार को कहा कि 25 नवंबर को नगर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह में मैं भी जाऊंगा। मुझे भी मोबाइल फोन पर निमंत्रण मिला है। नगर में माहौल बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। 2019 में आए फैसले को सभी ने स्वीकार किया है। देश के मुसलमानों ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की आस्था थी उन्हें मंदिर मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भूमि पूजन समारोह हुआ। प्राण प्रतिष्ठा हुई और अब ध्वजारोहण समारोह हो रहा है। सभी अयोध्यावासी खुश हैं।

राम मंदिर के शिखर पर

धर्मध्वज फहराने का शुभ मुहूर्त दोपहर 11.58 से, पीएम मोदी के दौरे की डिटेल

अयोध्या, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराने के ऐतिहासिक क्षण की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी तैयारी का जायजा लेने के लिए राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे हैं। उन्होंने तैयारी और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए बताया कि 25 नवंबर को ध्वजारोहण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग चार घंटे अयोध्या में प्रवास करेंगे। अपने दौरे की शुरुआत प्रधानमंत्री सप्त ऋषि मंदिर से करेंगे, जहां सातों ऋषियों की प्रार्थना की जाएगी।

इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वैदिक आचार्य उनके लिए विशेष पूजा-अर्चना कराएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री शेषावतार मंदिर का रुख करेंगे, जहां वे भगवान राम के अनन्य भक्त लक्ष्मण के सम्मुख आराधना करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण धर्म ध्वज फहराने का शुभ मुहूर्त 11:58 बजे से दोपहर एक बजे तक निर्धारित किया गया है। इसी पवित्र समयावधि में प्रधानमंत्री राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराएंगे।

इसके बाद वे देश को संबोधित करेंगे और राम मंदिर निर्माण कार्य की पूर्णता की औपचारिक घोषणा भी करेंगे। नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी दी कि ध्वज फहराने का मॉक ट्रायल एक दिन पहले सफलतापूर्वक किया गया था, जबकि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में दूसरा मॉक ट्रायल भी आयोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर की जा रही है। एयरपोर्ट से लेकर राम मंदिर तक पूरे आठ किलोमीटर मार्ग पर बैरिकेडिंग की जा रही है। एसपीजी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां रूट का लगातार निरीक्षण कर रही हैं, ताकि किसी भी प्रकार की चूक न होने पाए और पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्वक व भव्य तरीके से संपन्न हो सके।

सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला को दूसरी जेल में शिफ्ट किया जाए

रामपुर जेल प्रशासन ने कोर्ट को भेजी रिपोर्ट

रामपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड मामले में अदालत ने सात-सात साल की सजा सुनाई है। फैसले के बाद दोनों को जेल भेजा जा चुका है। उधर, मंगलवार को जेल प्रशासन ने इस मामले में एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट कोर्ट में भेजी है।

इसमें सुरक्षा का हवाला देते हुए आजम खां और अब्दुल्ला आजम को दूसरी जेल में शिफ्ट करने का निवेदन किया है। कहा गया कि राजनीतिक कैदियों को रखने के लिए जेल में उच्च सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। इसके बाद प्रशासनिक हलचल और बढ़ गई है। लगातार कानूनी मामलों में घिरा आजम परिवार फिर सुर्खियों में है। सजा होने के बाद अब घर में उनकी पत्नी तजीन फातिमा, बड़ा बेटा अदीब खां और बहू सिदरा अदीब ही रह गए हैं। परिवार के अधिकांश सदस्यों के कानूनी मामलों में उलझे होने से घर का माहौल पूरी तरह बदल गया है। कभी रामपुर की राजनीति में सबसे मजबूत और प्रभावशाली माने जाने वाला यह परिवार अदालतों के फैसलों और कानूनी लड़ाइयों के साए में जी रहा है। तजीन फातिमा पर भी पुराने मामलों में सुनवाई चल रही है। उन्हें बेटे के जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सजा हो चुकी है। उन पर कुल 32 मुकदमे दर्ज हैं।

आज एनडीए विधायक दल की बैठक

विधानसभा अध्यक्ष, डिप्टी सीएम पद पर भी होगी बात

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। 19 नवंबर को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक होगी। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के विधायकों की बैठक होगी। भाजपा के सभी विधायक अपना नेता चुनेंगे। इसके बाद एनडीए की विधायक दल की बैठक होगी। इसमें नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। 20 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री, और मुख्यमंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारी चल रही है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा विधानमंडल दल की बैठक होगी और उसके बाद एनडीए की विधानमंडल दल की बैठक बुलाई जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के शीर्ष नेता, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। हम 'विकसित बिहार' के सपने को पूरा करने की शपथ लेंगे।

जनता दल यूनाईटेड के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने कहा कि शपथ ग्रहण को लेकर हम सभी लोग तैयार है। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री आ रहे हैं, उस हिसाब से तैयारियां चल रही है। संजय झा और ललन सिंह के दिल्ली जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सब तो स्वाभाविक है। चुनाव के बाद गठबंधन के घटक दल आपस में बातचीत चल रही है। विधानसभा अध्यक्ष जदयू या भाजपा का होगा? इस पर विमर्श चल रहा है। वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने कहा कि विकास एक बड़ा मुद्दा है, और इसी वजह से हमें इतना बड़ा जनादेश मिला है। यह बहुत अच्छी बात है कि पार्टियां जातीय सीमाओं से ऊपर उठकर चुनाव में विकास को मुख्य मुद्दा बनाएं।

विधानसभा अध्यक्ष और डिप्टी सीएम पद पर मंथन

एनडीए गठबंधन के अंदर सभी दल छह सीटों पर एक मंत्री वाले फॉमूले पर चलेंगे, यह तय है। इस बीच भाजपा और जदयू दोनों इस बार विधानसभा अध्यक्ष का पद अपने पास रखना चाह रही है। अब तक यह पद भाजापा के पास ही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष हैं। इस बार भी भाजपा अपने पास ही यह पद रखना चाहती है लेकिन, जदयू की इच्छा है कि विधानसभा अध्यक्ष का पद इस बार उन्हें मिले। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि 19 सीटें लाने वाली चिराग पासवान की पार्टी भी डिप्टी सीएम के एक पद पर अपना दावा ठोक रही है। लेकिन, भाजपा पिछली बार की तरह ही दोनों डिप्टी सीएम पद पर अपनी पार्टी के नेता उतारना चाहते हैं। इन दोनों विषयों पर गठबंधन के घटक दल बातचीत कर रहे हैं। दिलीप जायसवाल और विजय चौधरी ने कहा कि जल्दी ही सारी तस्वीरें साफ हो जाएंगे। कोई पद किसी दल का नहीं होगा, बल्कि एनडए गठबंधन का होगा।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस पलटी तीन यात्रियों की मौत

कानपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर में बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब बस दिल्ली से बिहार की तरफ जा रही थी और बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर मोड़ के पास पहुंची। भोर का समय होने के कारण संभवतः चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। हादसा इतना भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल सीएचसी ले जाया गया। वहीं, 15 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शारदा सिन्हा के ड्राइवर की पत्नी-2 बच्चों के साथ गायब

फोन पर कहा- हमें मत ढूंढना; पति बोला- अपहरण, एक्शन की जगह पुलिस ने मुझे भगाया

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में लोक गीत गायिका शारदा सिन्हा के ड्राइवर आलोक की पत्नी और 2 बच्चे घर से लापता हैं। आलोक ने पुलिस में अपहरण का केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि, मेरी पत्नी नेहा कुमारी (24) 12 नवंबर को बच्चों को स्कूल से लाने के लिए गई थी, जिसके बाद से तीनों का पता नहीं चल रहा है। तीनों अभी कहां किस परिस्थिति में है, कोई जानकारी नहीं है। आलोक बताते हैं कि जिस दिन तीनों लापता हुए उस दिन पत्नी नेहा के नाम से मुझे कॉल आया। उधर से कहा गया कि हम लोगों को मत ढूंढना। हम सभी सुरक्षित हैं। इतना कहने के बाद फोन कट गया।

फोन पर नेहा थी या कोई और पता नहीं चला। मुझे आशंका है कि उन तीनों की जान को खतरा है, उनका अपहरण हो चुका है। अब तो नेहा का फोन भी स्विच ऑफ हो गया है। जब फोन चालू था तो पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, अब कह रही कि सीडीआर आएगा तो कार्रवाई होगी। आलोक की पत्नी-बच्चे के लापता हुए 5 दिन हो चुके हैं, पर पुलिस ने अभी कोई एक्शन नहीं लिया है। पीड़ित ने एसएसपी कार्तिकेय शर्मा से गुहार लगाई है। मामला कंकड़बाग थाना क्षेत्र का है।

जमानत पर छूटे थे आरएलडी जिलाध्यक्ष के 4 भाई, समर्थकों ने किया स्टंट और आतिशबाजी; 15 गिरफ्तार, 8 वाहन सीज

मेरठ, 18 नवंबर (एजेंसियां)। थाना किठौर क्षेत्र में जमानत पर रिहा होकर लौटे रालोद जिलाध्यक्ष के चार भाइयों के स्वागत में रात समर्थकों ने जमकर हुड़दंग मचाया। कस्बे की मुख्य सड़क पर वाहनों के काफिले के साथ हुडदंग करने वालों ने कारों की छतों व खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट किया। इस दौरान वाहनों के काफिले के साथ तेज रफ्तार में दौड़ रही गाड़ियों में सवार हुड़दंगियों ने जमकर आतिशबाजी की। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस दौरान हवाई फायरिंग भी की गई है। फिलहाल पुलिस फायरिंग के मामले की जांच कर रही है।

पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। किठौर पुलिस ने अब तक सड़क पर जश्न मना रहें 15 लोगों को गिरफ्तार करते हुए 8 गाड़ियों को सीज किया है।

बालू माफियाओं ने खनन विभाग की टीम पर किया हमला; दो जवान को कुचला, एक की मौत, दूसरा गंभीर

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र में बीती देर रात बालू माफियाओं ने खनन विभाग की टीम पर हमला कर सनसनी फैला दी। अवैध बालू खनन के खिलाफ चल रहे चेकिंग अभियान के दौरान माफियाओं ने न सिर्फ जांच रोकी, बल्कि सैप जवानों पर स्कॉर्पियो चढ़ाकर उन्हें रौंद दिया।

घटना में एक जवान की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के अनुसार, काब गांव के पास खनन विभाग की टीम अवैध बालू लदे वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक ट्रैक्टर को रोका गया और जांच में पुष्टि हुई कि वह अवैध बालू लेकर जा रहा था। सैप जवान जब ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ला रहे थे, तभी ट्रैक्टर मालिक और उसके साथियों ने जवानों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद आरोपी स्कॉर्पियो लेकर भागने लगे और भागते समय जानबूझकर सैप जवानों को कुचल दिया।

बिहार सुधार कर रहूंगा, पीछे हटने वाला नहीं

जनसुराज की हार पर बोले प्रशांत किशोर, 20 नवंबर को करेंगे उपवास

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी की करारी हार के बाद प्रशांत किशोर (पीके) ने पूरी जिम्मेदारी लेते हुए सरकार पर कड़े सवाल उठाए हैं। बिहार के चंपारण स्थित भितिहरवा आश्रम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पीके ने साफ कहा कि "मैं बिहार को सुधार कर रहूंगा। यह भ्रम है कि मैं बिहार छोड़ दूंगा। मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं।

"उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम चाहे जो हो, लेकिन बिहार की वास्तविक लड़ाई रोजगार, पलायन और गरीबी की है। पीके ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन लोग इतनी आसानी से अपना वोट नहीं बेचते। 'लोग कह रहे हैं कि 10 हजार में वोट बिक गया। यह अपमान है। 29 हजार करोड़ रुपये बांटे गए और 40 हजार करोड़ की योजनाओं का ऐलान हुआ। जनता ने भी सब देखा।' प्रशांत किशोर ने सत्ता में लौटे एनडीए को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर सरकार वाकई महिलाओं का भला चाहती है, तो अगले छह महीनों में हर महिला को दो लाख रुपये दे। उन्होंने कहा कि इससे डेढ़ करोड़ महिलाओं को स्वरोजगार मिलेगा, पलायन बंद होगा और गरीबी मिटाने की दिशा में बड़ा कदम होगा। उन्होंने कहा, 'अगर एनडीए ने वोट खरीदने के लिए पैसा नहीं दिया है तो अब हर महिला को दो लाख रुपये देकर साबित करे कि वह जनता की हितैषी है। अगर यह छह महीने में कर दिया, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

जन सुराज आपके साथ खड़ा होगा।' प्रशांत किशोर ने यह भी घोषणा की कि सरकारी सहायता न मिलने की समस्या को लेकर वे खुद जनता के साथ खड़े रहेंगे। पीके ने कहा, 'मैं एक नंबर जारी कर रहा हूं। अगर किसी महिला को यह राशि नहीं मिले तो मुझे बताएं। मैं खुद नीतीश कुमार से मिलकर समाधान कराऊंगा।'

जन सुराज पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए पीके ने कहा कि वे 20 नवंबर को भितिहरवा आश्रम में एक दिन का उपवास करेंगे। उनका कहना है कि यह आत्ममंथन और जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का संदेश है। पीके ने कहा कि बिहार का भविष्य बदलेगा, और यह बदलाव राजनीति नहीं, जनता की एकजुट इच्छा से आएगा।

कफ सिरप मामले की जांच करेगी तीन सदस्यीय एसआईटी

ईडी-आयकर विभाग भी कसेगा शिकंजा

वाराणसी, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कोडीन युक्त कफ सिरप की खरीद-बिक्री मामले की जांच तीन सदस्यीय एसआईटी करेगी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन सरवणन टी की अगुवाई में एसआईटी गठित कर दी। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को सदस्य बनाया गया है। एसआईटी पूरे मामले की जांच करके सात दिन में रिपोर्ट देगी।

दूसरी तरफ, कफ सिरप की खरीद-बिक्री का मामला 100 करोड़ से ज्यादा का हो सकता है इसलिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर सकता है। आयकर विभाग ने जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने 28 आरोपियों के खिलाफ पहले ही प्राथमिकी दर्ज की थी। सोमवार को शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला प्रसाद सहित सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी। आरोपियों की तलाश में क्राइम ब्रांच भी लगी है। अब अलग-अलग केंद्रीय एजेंसियां जांच के लिए सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक ड्रग विभाग के साथ ही आयकर विभाग, पुलिस की संयुक्त टीमें गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के नेटवर्क को खंगाल रही हैं।

लुटेरी दुल्हन: दो बैंक मैनेजर और दो सब-इंस्पेक्टर से शादी

करोड़ों रुपये की ठगी, 10 खातों में मिले 8 करोड़ से ज्यादा के ट्रांजेक्शन

कानपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। शादी का लालच देकर लोगों को ठगने वाली कुख्यात "लुटेरी दुल्हन" दिव्यांशी चौधरी (30) को कानपुर पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। जिसके बाद सामने आया है कि आरोपी दुल्हन ने दो बैंक मैनेजरों और दो सब-इंस्पेक्टरों समेत 12 से अधिक लोगों को अपने जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये ठगे। जांच के दौरान ये भी सामने आया है कि उसके विभिन्न बैंक खातों में 8 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जमा है। पुलिस के अनुसार, दिव्यांशी (लुटेरी दुल्हन) का तरीका बेहद शातिराना था। वह पहले शादी का झांसा देकर या प्रेमजाल बिछाकर पीड़ितों के साथ शारीरिक संबंध बनाती थी, फिर रेप या छेड़खानी का फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर भारी रकम वसूलती थी।

कोर्ट में ट्रायल के दौरान बयान पलटकर मुकदमा वापस ले लेती थी और समझौता कर लेती थी। 17 फरवरी 2024 को बुलंदशहर निवासी सब-इंस्पेक्टर आदित्य कुमार लोचव (2019 बैच) से दिव्यांशी की चौथी शादी हुई थी। दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी, लाखों के जेवर और धूमधाम से शादी का लालच देकर आदित्य और उनके परिवार को ठगा गया। शादी के कुछ महीनों बाद ही आदित्य को दिव्यांशी के व्यवहार पर शक हुआ। वह ससुराल में कम रुकती थी, फोन से सभी यूपीआई ऐप डिलीट कर देती थी और पति के ड्यूटी पर होने पर लगातार पैसे मांगती थी। पीड़ित दरोगा ने बताया कि वो एक दिन छुट्टी पर घर आया तो उसने दिव्यांशी का जबरन फोन चेक किया इस दौरान ट्रांजेक्शन हिस्ट्री देखकर उनके होश उड़ गए। 10 से अधिक बैंक खातों में करोड़ों रुपये का लेन-देन दिखाई दिया। पूछताछ पर दिव्यांशी झगड़ा करके मायके चली गई।

बताते चले कि 25 नवंबर 2025 को दिव्यांशी ने कानपुर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में ड्रामा किया और पति आदित्य पर 14.50 लाख रुपये हड़पने व अन्य महिलाओं से अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया। जवाब में आदित्य ने सैकड़ों पुख्ता सबूत पेश किए, जिससे दिव्यांशी का पूरा ठगी का नेटवर्क सामने आने लगा। लेकिन दिव्यांशी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कई बार हंगामा किया, पुलिस पर मदद न करने का आरोप लगाया जिसके बाद पीड़ित दरोगा ने परेशान होकर 2 बार आत्महत्या का प्रयास भी किया ।

सोमवार देर रात दिव्यांशी चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग, आपराधिक षड्यंत्र सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मंगलवार को कानपुर पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का पूरा खुलासा कर सकती है। फ़िलहाल अभी भी मामले की जांच जारी है और ठगी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश होने की उम्मीद है।

समाज हित के लिये समर्पित रहेगा 55 करोड़ की लागत से बना जायसवाल भवन: मदन लाल

जौनपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। लगभग 55 करोड़ की लागत से गुजरात में जायसवाल भवन अहमदाबाद का निर्माण कराया गया है। इसके लिये समाज के लोगों से 5 रुपये का कोई शुल्क नहीं लिया गया है। फरवरी 2026 में यह पूर्ण रूप से तैयार हो जायेगा जो समाज हित के कार्यों के लिये समाज को सौंप दिया जायेगा। उक्त बातें अखिल भारतीय सर्ववर्गीय जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल (गुजरात) ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कही।

जनपद के वरिष्ठ पत्रकार एवं महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी रामजी जायसवाल के शेषपुर स्थित आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि पाल्हनपुर, देवास में भी जायसवाल समाज का भवन तैयार किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि हर राज्य में समाज के कम से कम 5 भवन हों, ताकि समाज के बेटे-बेटियों के विवाह के लिये काम आ सके। 20 वर्षों से हम समाज के लिये सामूहिक विवाह का आयोजन कर रहे हैं जिसमें 101 विवाह, 72 विवाह, 63 विवाह, 84 विवाह, 115 विवाह कराया जा चुका है। आगामी 23 जनवरी 2026 को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में 101 सामूहिक विवाह का आयोजन तय है। श्री जायसवाल ने समाज का आह्वान करते हुये कहा कि हम चाहते हैं कि समाज के लोग एक—दूसरे से जुड़ें। सभी लोग मिलकर समाज को आगे लेकर चलें। समाज के अन्दर जो भी भाई-बहन राजनीति में हैं, उनसे मेरा निवेदन है कि वह जिस भी पार्टी में हैं, समाज के लोगों को जोड़ने एवं समाज को आगे लेकर चलने का काम करें, क्योंकि राजनीति में अपने समाज का एक व्यक्ति आयेगा तो समाज हमारा और मजबूत होगा। राजनीति ही समाज को आगे बढ़ाने में सक्षम रहती है, क्योंकि राजनीति से बहुत सारे काम हो जाते हैं। हम चाहते भी है कि राजनीति में भी हमारे बच्चे आगे बढ़ें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि हमें हर्ष हो रहा है कि अंतिम 10 वर्षों में आईएएस एवं आईपीएस की सूची में जायसवाल समाज के 5-7 बच्चों का भी नाम होता है। समाज के बच्चों में जागरुकता लाने के लिये आईएएस—आईपीएस की तैयारी के लिये अहमदाबाद में क्लास भी चलायेंगे। इतना ही नहीं, जगह-जगह भी ऐसे क्लास चलाये जायेंगे तथा जो भी कमजोर वर्ग के लोग हैं, हम सब समाज के लोग मिलकर उनकी मदद करेंगे। इसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के जनपद आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया गया जिसका नेतृत्व महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता रामजी जायसवाल ने किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव के पीआरओ इं। कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू, सपा नेता श्रवण जायसवाल, जायसवाल समाज के अगुवा सर्वेश जायसवाल, श्री लक्ष्मी पूजा महासतिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, ध्रुव जायसवाल, अंकित जायसवाल, शुभांशू जायसवाल, दीपक जायसवाल, तेजस जायसवाल, राजेश, अमन, वैभव, किशन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हार पर बोले वाड्रा

लोगों का चुनाव से भरोसा उठा, अब आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव में हार के बाद विपक्षी दल चुनावी प्रक्रिया पर कई तरह के आरोप लगा रहे हैं। बिहार चुनाव में एनडीए गठबंधनों के 243 में से 202 सीटें आई है और पहली बार बीजेपी 89 सीटों के साथ बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बनके उभरी। बिहार चुनाव में इस बढ़ी जीत को विपक्ष मानने को तैयार नहीं है और एसआईआर समेत कई तरह की वजहों को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

अब इसे लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा का बड़ा बयान आया है। वाड्रा ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव 'सही तरीके से नहीं कराए गए' और बिहार में दोबारा चुनाव होने चाहिए। साथ ही उन्होंने बिहार की हार के बाद आंदोलन करने की बात भी कही है। साथ ही कहा कि हम एक ईमानदार देश चाहते हैं, जिसमें लोग खुश हों।

लोगों का चुनाव से उठा भरोसा

रॉबर्ट वाड्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोगों का चुनाव से भरोसा उठ गया है, वे अब इसके खिलाफ आंदोलन करेंगे। साथ ही ये भी कहा, "राहुल गांधी को हार जीत से मतलब नहीं, उन्हें देश को सेकुलर रखना है। चाहे जितनी भी हार का सामना करना पड़े, राहुल गांधी लड़ते रहेंगे। वे रुकेंगे नहीं।"

जेन-जी जरूरी बोलेगा

आंदोलन और चुनाव धांधली के खिलाफ बात करते हुए रॉबर्ट वाड्रा ने कहा हम नहीं बोलेंगे पर जेन-जी जरूर बाहर आएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों में बहुत गुस्सा है। उन्होंने भरोसा जताया कि जेन-जी सड़कों पर आएंगे और आंदोलन करेंगे।

लालू परिवार को भी दी नसीहत

लालू यादव के परिवार में चल रही कलह पर बोलते हुए वाड्रा ने कहा कि अपने परिवार को एकजुट रखना और राजनीति को एक तरफ रखना बहुत ज़रूरी है। मुझे इतना परेशान किया मेरे काम में परेशान किया पर मैंने कभी नहीं सोचा कि देश छोड़कर चला जाऊं। उन्होंने कहा, "मैं उनके परिवार के लिए यही बोल सकता हूं, इलेक्शन हारना इलेक्शन जीतना ये सब क्या है। इस परिवार को एकजुट होना चाहिए, ये तो चलता रहेगा।"

बीजेपी एजेंसियों से करा रही काम

राबर्ट वाड्रा ने आरोप लगाया कि बीजेपी एजेंसियों को कंट्रोल कर रही है और कहा की चुनाव आयोग बीजेपी के कहने पर काम करता है। वाड्रा ने दाना किया कि जब तक इलेक्शन कमिशन को कंट्रोल नहीं किया जाएगा, आपको इसी तरह का इलेक्शन दिखने मिलेंगे। साथ ही कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो लोग बाहर निकलेंगे और आंदोलन करेंगे।

राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर वाड्रा का बड़ा खुलासा

राहुल गांधी इस समय विदेश में उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी किसी बीमार को देखने जाते हैं, को क्या उनको सबको बताना होगा कि मैं बाहर जा सकता हूं। उन्होंने कहा कि राहुल किसी बीमार को देखने गए हैं।

5 दिन में 60 मोबाइल, 20 लैपटॉप गायब.. इंदौर के होस्टलों में कौन कर रहा चोरी?

इंदौर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीते 5 दिनों में यहां अलग-अलग होस्टलों से 60 मोबाइल और 20 लैपटॉप की चोरी हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए हैं, जिसमें अपराधी नजर आ रही है। पुलिस जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लेगी। हाल ही में ये बदमाश रात के अंधेरे में हॉस्टल के कमरे में घुसकर दो लैपटॉप और तीन मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। सुबह जब छात्र उठे, तो कमरे का सामान बिखरा हुआ मिला और सभी कीमती इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस गायब थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सबसे पहले पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में एक युवक कमरे के बाहर घूमता दिखाई दिया, जो कुछ देर बाद कमरे में घुसता है और बैग लिए बाहर निकल जाता है। चोर की गतिविधियां देखकर पुलिस को शक है कि यह कोई गैंग का सदस्य है,

मुंबई एयरपोर्ट पर मल्टी-एजेंसी रेडियोलॉजिकल इमरजेंसी मॉक ड्रिल

कई एजेंसियों ने लिया हिस्सा

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ी रेडियोलॉजिकल इमरजेंसी मॉक ड्रिल (आरईएमई) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह अभ्यास एयरपोर्ट के डिपार्चर गेट पर आयोजित किया गया, जिसमें कई महत्वपूर्ण एजेंसियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लेकर आपातकालीन स्थितियों से निपटने की संयुक्त क्षमता का प्रदर्शन किया।

इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एमआईएएल, बीएआरसी, बीएमसी फायर, एआरएफएफ फायर यूनिट, मेडिकल टीम, इमिग्रेशन विभाग, बीसीएएस और एयरलाइन स्टाफ शामिल रहे। सभी टीमों ने मिलकर एक समन्वित प्रतिक्रिया प्रणाली का अभ्यास किया, जिसके माध्यम से यह परखा गया कि रेडियोलॉजिकल खतरे की स्थिति में वे कितनी जल्दी, सटीकता और प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकती हैं। एयरपोर्ट जैसे हाई-फुटफॉल वाले संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह के मॉक अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

इन ड्रिल्स से न केवल संयुक्त एजेंसियों की तैयारी और तत्परता को मजबूत किया जाता है, बल्कि आपदा की स्थिति में तेज निर्णय लेने, जोखिम नियंत्रण और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। सीआईएसएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस अभियान की जानकारी देते हुए लिखा, मुंबई हवाई अड्डे पर बहु-एजेंसी रेडियोलॉजिकल आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। मुंबई हवाई अड्डे के प्रस्थान द्वार पर एक एक आरईएमई आयोजित की गई, जिसमें एनडीआरएफ, एमआईएएल, बीएआरसी, बीएमसी फायर, एआरएफएफ फायर, चिकित्सा दल, इमिग्रेशन विभाग, बीसीएएस और एयरलाइन कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

'ये घर मेरे नाम करो'

इनकार पर पत्नी ने देवर के साथ मिलकर पति को छत से दिया धक्का, युवक की दर्दनाक मौत

बेंगलुरु, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक शख्स की दूसरी पत्नी ने उसकी हत्या कर दी। दोनों की शादी 6 साल पहले ही हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही दोनों के बीच झगड़े होने शुरू हो गए थे। शख्स की पत्नी उससे उसका घर अपने नाम पर करने के लिए कह रही थी, लेकिन पति उसकी बात नहीं मान रहा था। इसके बाद पत्नी ने उसकी हत्या की साजिश रची और उसे छत से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ये मामला बेंगलुरु के अंदराहल्ली के मंजूनाथ लेआउट से सामने आया है, जहां मृतक की पहचान वेंकटेश नाम के व्यक्ति के रूप हुई है।

'ज्योतिष से पूछो...', कर्नाटक सरकार में फेरबदल के सवाल पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक बार फिर अपने बयानों की वजह से चर्चा में हैं। कर्नाटक में पिछले कुछ समय से कैबिनेट में बदलाव के कयास लगाए जा रहे हैं। ऐसे में कुछ विधायकों ने खुलेआम मंत्री बनने की इच्छा भी जताई है। मगर, राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का मानना है कि इसमें गलत क्या है? डीके शिवकुमार से जब इसपर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा महत्वाकांक्षी होने में क्या बुराई है? वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वो राज्य की कमान संभालेंगे? इसपर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह सवाल किसी ज्योतिषी से पूछना चाहिए।

डिप्टी सीएम ने क्या कहा?

डीके शिवकुमार का कहना है, अगर कोई विधायक महत्वाकांक्षी तो इसमें क्या बुराई है? मुख्यमंत्री के पास विधायकों को मंत्री बनाने का विकल्प होता है। जो पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, उन सभी की महत्वाकांक्षा होती है। क्या हम इसे गलत ठहरा सकते हैं? उन्होंने पार्टी के लिए काफी संघर्ष और त्याग किया है।

क्यों उठ रही हैं अटकलें?

दरअसल कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कई कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ शनिवार को दिल्ली में उनकी बैठक देखने को मिली। यही नहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी उनकी मुलाकात हुई। इसके बाद से ही कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल के कयास लगाए जा रहे हैं। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी बेंगलुरु से दिल्ली आए थे। ऐसे में उनकी वापसी के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या कर्नाटक की कमान अब डीके शिवकुमार को मिलने वाली है? इसपर जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा-

डिप्टी सीएम ने बताई दिल्ली जाने की वजह

बता दें कि नवंबर में कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बने ढाई साल हो चुके हैं। आधा कार्यकाल पूरा होने के कारण भी सत्ता में फेरबदल के कयाल लग रहे हैं। कई लोगों ने इसे नवंबर क्रांति कहना शुरू कर दिया है। हालांकि, डीके शिवकुमार ने अपने दिल्ली जाने की वजह साफ करते हुए बताया कि वो कर्नाटक में बनने वाले कांग्रेस के 100 नए दफ्तरों के शिलान्यास समारोह के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को निमंत्रण देने गए थे।

बीएमसी चुनाव में बीजेपी के अपने ही लड़ रहे अलग चुनाव चंद्रशेखर बावनकुले ने की नामांकन वापस लेने की अपील

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नगर परिषद चुनावों की हलचल के बीच मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बीजे के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे कार्यकर्ताओं से भावनात्मक और स्पष्ट अपील की है। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन और सामूहिक ताकत को बनाए रखते हुए सभी कार्यकर्ता अंतिम तिथि से पहले अपने नामांकन वापस लें और अधिकृत उम्मीदवार की जीत में सहयोग करें।

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सभी स्वतंत्र भाजपा कार्यकर्ता, जो नगर परिषद चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे हैं, अंतिम नामांकन वापसी की समयसीमा से पहले अपने नामांकन पत्र वापस ले लेंगे। क्योंकि किसी एक सीट पर केवल एक व्यक्ति को ही एबी फॉर्म दिया जा सकता है, बाकी कार्यकर्ताओं को निराश नहीं होना चाहिए और पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार की जीत के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, हमारे इस आग्रह को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और हमें विश्वास है कि कई उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। चूंकि चुनाव 7-8 साल बाद हो रहे हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई टिकट की अपेक्षा करता है। हालांकि, अधिकांश उम्मीदवार वापसी अवधि के भीतर उचित निर्णय लेंगे।

मंत्री के इस बयान से साफ है कि पार्टी नहीं चाहती कि वोटों का बंटवारा हो या संगठन में किसी तरह का असंतोष बढ़े। लंबे समय बाद चुनाव हो रहे हैं, ऐसे में कार्यकर्ताओं की उम्मीदें बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन पार्टी लाइन पर चलना भी उतना ही जरूरी माना जा रहा है।

'आधे कपड़े पहनकर आओ, मैं तुम्हारे साथ सो जाऊं'

प्रोफेसर ससुर करता था भद्दे कमेंट महिला ने दर्ज कराया केस

नेलमंगला, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के नेलमंगला में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। रिटायर्ड डीएसपी की बेटी ने अपने पति डॉ। गोवर्धन और ससुर प्रोफेसर नगराजू पर दहेज उत्पीड़न, यौन टिप्पणी और शारीरिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता अनीता की शादी 2 नवंबर 2023 को हुई थी। उसके पिता ने शादी में करीब 25 लाख रुपये-सोना, चांदी और अन्य खर्चों पर खर्च किए थे। लेकिन अनीता का आरोप है कि शादी के महज 15 दिन बाद ही उसके पति ने उसकी मायके की संपत्ति और रेंटल इनकम में हिस्सेदारी की मांग शुरू कर दी। पति का कथित दबाव था कि वह अपनी पिता की संपत्ति से पैसा लेकर आए ताकि वह नौकरी छोड़कर नर्सिंग होम खोल सके। सबसे गंभीर आरोप ससुर पर लगे हैं।

एफआईआर के अनुसार, प्रो नगराजू न सिर्फ अश्लील टिप्पणियां करते थे, बल्कि शारीरिक रूप से भी उसे परेशान करते थे। अनीता ने अपनी शिकायत में ससुर पर यौन टिप्पणी के आरोप लगाए। अनीता ने बताया कि उनके ससुर उनपर गलत टिप्पणियां करते थे।

जैसे, 'शादी को इतने महीने हो गए, कोई गुड न्यूज़ क्यों नहीं?', 'मेरा बेटा तुम्हारे साथ संबंध बना भी रहा है या नहीं? नहीं तो मैं ही आ जाता हूं।' इसके अलावा अनीता ने कहा कि ससुर ने मुझसे ये तक कहा, 'मॉर्डन लड़कियों की तरह आधे कपड़े पहनकर मेरे सामने आया करो।' अनीता का कहना है कि जब उसने इसका विरोध किया, तो पति और सास ने उल्टा उसे ही समझाया कि 'घर की बात है, एडजस्ट करो।' लगातार बढ़ते मानसिक, आर्थिक और यौन उत्पीड़न से तंग आकर अनीता ने नेलमंगला पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने पति, ससुर और सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

एसआईआर फॉर्म न मिलने पर महिला ने लगाई खुद को आग

कोलकाता, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत गणना फॉर्म मिलने में देरी के बाद एक महिला ने कथित तौर पर खुद को आग लगा ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना कोलकाता के पूर्बा पुटियारी इलाके में हुई। परिजनों का आरोप है कि जमुना मंडल (67) नामक महिला, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से गणना फॉर्म मिलने में दो दिन की देरी के बाद से बेचैनी से जूझ रही थी। मृतका के परिवार ने दावा किया कि समय पर फॉर्म न मिलने के बाद उसने यह कदम उठाया।

बता दें कि बंगाल की मतदाता सूची के एसआईआर के लिए गणना फॉर्म का वितरण राज्य में 4 नवंबर से शुरू हुआ था। जमुना मंडल के परिवार को शुरुआत में गणना फॉर्म नहीं मिले थे। जबकि, उनके पड़ोस में रहने वाले परिवारों को फॉर्म मिल गए। बुज़ुर्ग महिला के बेटे मृत्युंजय मंडल ने बताया कि उनकी मां इस देरी को लेकर चिंतित थीं। हालांकि, महिला को 15 नवंबर को गणना फॉर्म मिले। तब भी, उनके बेटे ने दावा किया कि उनकी मां अभी भी दहशत में थीं।

एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार

निकाय चुनाव तक रोकने की मांग

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को चुनौती दी है। केरल में एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है। अपनी याचिका में केरल सरकार ने एसआईआर प्रक्रिया को राज्य में चल रही स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआई) की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक रोकने की मांग की है। केरल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर अपनी रिट याचिका में तर्क दिया है कि स्थानीय निकाय चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराने से गंभीर प्रशासनिक जटिलताएं पैदा होंगी और चुनावों के सुचारू संचालन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। याचिका में कहा गया है कि केरल में 1200 स्वशासी संस्थाएं हैं, जिनमें 941 ग्राम पंचायत, 152 ब्लॉक पंचायत, 14 जिला पंचायत, 87 नगर निगम और 6 कॉरपोरेशन शामिल हैं, जिनमें 23,612 वार्ड शामिल हैं।

केरल में ये स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में 9 दिसंबर और 11 दिसंबर को कराए जाएंगे, जबकि राज्य में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है और 4 दिसंबर को ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। केरल सरकार का तर्क है कि केरल पंचायत राज कानून संवैधानिक प्रक्रिया है और इस अहम प्रक्रिया के दौरान एसआईआर कराना, प्रशासनिक गतिरोध पैदा हो सकता है। केरल सरकार ने बताया कि निकाय चुनाव में 1,76,000 कर्मचारियों की जरूरत है। इनके अलावा 68 हजार सुरक्षाकर्मियों की भी तैनाती की जाएगी। वहीं एसआईआर कराने के लिए अतिरिक्त 25,668 कर्मियों की जरूरत होगी। ऐसे में राज्य प्रशासन को रोजमर्रा के कामकाज और प्रशासन पर भारी दबाव पड़ेगा और कई काम रुक सकते हैं। ऐसे में राज्य के मुख्य सचिव ने चुनाव आयोग को 5 नवंबर को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया टालने की मांग की थी, लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

'संविधान में निकाय चुनाव समय पर कराने की बाध्यता'

केरल सरकार का कहना है कि संविधान के अनुसार, तय समय पर स्थानीय निकाय चुनाव कराना जरूरी है, लेकिन संविधान में एसआईआर के लिए कोई बाध्यता नहीं है। गौरतलब है कि बीते हफ्ते केरल सरकार ने एसआईआर टालने के लिए केरल हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया था। एक दिन पहले ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव आयोग के केरल में एसआईआर कराने के नोटिफिकेशन को चुनौती दी है।

'फर्जी अधिकारी... सेवा में रहने लायक नहीं'

विमल नेगी मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी विमल नेगी की मौत की जांच कर रहे उसके कुछ अधिकारियों की क्षमता पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पूरी तरह फर्जी अधिकारी बताते हुए कहा कि ऐसे अधिकारी सेवा में रहने के लायक नहीं हैं। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच देशराज नाम के व्यक्ति की अग्रिम जमानत संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा, 'जांचकर्ता कौन है जो सवाल पूछ रहा है? यह बचकाना है। मैं इस जांचकर्ता पर टिप्पणी कर रहा हूं। अगर वह एक वरिष्ठ अधिकारी है, तो यह सीबीआई की छवि को बहुत खराब करता है।

आपने इसी वजह से उसका तबादला कर दिया, कैसा सवाल है। क्या यही सवाल आप अभियुक्त से पूछ रहे हैं?'

कोर्ट ने कहा, 'और आप उससे क्या जवाब की उम्मीद करते हैं? चलिए, ये सब भूल जाते हैं। अगर मैं अभियुक्त से पूछूं कि आपने ऐसा किया है, तो आप क्या जवाब की उम्मीद करते हैं? वह इनकार कर देगा, है ना? लेकिन क्या यह असहयोग है? अगर वह चुप है, तो चुप रहने का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है।' बेंच ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, 'आप कहते हैं कि यह असहयोग है? सीबीआई में आपके पास किस तरह के अधिकारी हैं? बिल्कुल फर्जी अधिकारी। सेवा में रहने के लायक नहीं। इस तरह के बेकार दस्तावेज से कुछ नहीं निकलता। सब अनुमान हैं, कोई ठोस बात नहीं है जो कहती हो कि देखो, यह सबूत है।' मुकदमे में हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशक (विद्युत) देशराज पर अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर विमल नेगी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप है।

परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिकेश मीणा और देशराज समेत तीन लोगों ने नेगी पर गलत काम करने का दबाव डाला, जिसके कारण नेगी अत्यधिक तनाव में थे और आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने देशराज को अग्रिम जमानत देते हुए सीबीआई के रुख पर सवाल उठाया। सीबीआई ने दावा किया था कि आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया और उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार किया।

फर्जी मतदाताओं की पहचान के लिए एआई का इस्तेमाल करेगा चुनाव आयोग, बंगाल से होगी शुरुआत

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग, पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में एआई तकनीक का इस्तेमाल करेगा। एक अधिकारी ने बताया कि एआई की मदद से फर्जी और मृत मतदाताओं की पहचान की जाएगी। एआई तकनीक मतदाता डेटाबेस में तस्वीरों में चेहरे की समानता का विश्लेषण करेगी, जिससे कई जगहों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान करने में मदद मिलेगी।

अधिकारी ने बताया कि, 'मतदाताओं की तस्वीरों, खासकर प्रवासियों की तस्वीरों के गलत इस्तेमाल की शिकायतों में बढ़ोतरी के चलते हम एआई की मदद ले रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'एआई तकनीक से चेहरे मिलान तकनीक का इस्तेमाल उन मामलों का पता लगाने के लिए किया जाएगा जहां एक ही मतदाता की तस्वीर सूची में कई स्थानों पर दिखाई देती है।' हालांकि, अधिकारी ने कहा कि बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) सत्यापन प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका में रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'एआई तकनीक सत्यापन में मदद करेगी, लेकिन तकनीक के इस्तेमाल के बावजूद, बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहेगी। उन्हें घर-घर जाकर मतदाताओं की तस्वीरें लेनी होंगी।' यहां तक कि जब बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) भरे हुए फॉर्म जमा करते हैं, तब भी बीएलओ को हस्ताक्षर सत्यापन के लिए व्यक्तिगत रूप से घर-घर जाना होगा। अधिकारी ने बताया कि, 'अगर गणना और फॉर्म भरने के बाद कोई फर्जी या मृत मतदाता पाया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ की होगी।'

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा के चुनाव में ब्राजीली मॉडल के फोटो वाले पहचान पत्रों को लेकर खुलासा किया था। राहुल गांधी ने इन्हें लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि एआई तकनीक की मदद से अब किसी मतदाता की तस्वीर को दोबारा इस्तेमाल होने की आशंका बहुत कम हो जाएगी।

चुनाव आयोग ने बीते महीने देश में दूसरे चरण में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया कराने की घोषणा की है। दूसरे चरण में देश के 12 राज्यों को एसआईआर के अंदर कवर किया जाएगा। दूसरे चरण के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ के अलावा अंडमान और निकोबार में एसआईआर होगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 19 नवंबर- 2025

संतोष कैसे बना हिडमा ?

मदवी हिडमा का जन्म छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले स्थित पूवर्ति गांव में 1981 में हुआ था। वह अभी पीएलजीएम बटालियन नंबर -1 का प्रमुख था। यह माओवादियों का सबसे घातक हमलावर इकाई मानी जाती थी। साथ ही सीपीआई माओवादी की सेंट्रल कमेटी का सबसे युवा सदस्य था। वह बस्तर क्षेत्र से सेंट्रल कमेटी में शामिल होने वाला एकमात्र आदिवासी सदस्य था। सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही उस पर 50 लाख रुपए का इनाम था। साथ ही उसने दो शादियां की थी। मुठभेड़ में उसकी दूसरी पत्नी राजे उर्फ राजक्का भी मारी गई। मदवी हिडमा का असली नाम संतोष था। यह मदवी हिडमा नाम उसे नक्सली संगठन में शामिल होने के बाद मिला था। देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल वही माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मंगलवार सुबह एनकाउंटर में मारा गया। उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का को भी ढेर कर दिया गया है। हिडमा पर 26 घातक हमलों का आरोप है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार जब वह मात्र 16 साल का था तभी हिडमा नक्सली संगठन में शामिल हुआ था। हिडमा पर सैकड़ों जवानों की हत्या का आरोप है। देश के कई राज्यों की पुलिस इस कुख्यात नक्सली की तलाश में दिन-रात एक किए हुए थी। मंगलवार तडके पुलिस ने उसे और उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को ढेर किया है। बताया जाता है कि किशोरावस्था में ही उसने जब से हथियार उठाया तो फिर पीछे मुड कर नहीं देखा। छत्तीसगढ़ में एक भी ऐसी बडी नक्सली घटना नहीं है जिसमें वह शामिल न रहा हो। 43 की उम्र में सुरक्षाबलों ने हिडमा और उसकी पत्नी राजे के मारे जाने की खबर दी है। यह मुठभेड़ आंध्र प्रदेश के अल्लुरी सीताराम जिले के इलाके में जारी है। तेलंगाना पुलिस ने हिडमा के मारे जाने की पुष्टि की है। वह नक्सलियों का टॉप कमांडर था। कई बार सुरक्षाबलों ने उसे घेरा था लेकिन हमेशा वह बच निकलने में कामयाब रहा। माओवादी कमांडर मदवी हिडमा 26 घातक हमलों में शामिल रहा है। इसमें 76 सीआरपीएफ जवानों की हत्या से लेकर दरभा घाटी नरसंहार तक में उसके नाम शामिल है। लंबे समय से सुरक्षाबल उसकी तलाश में थे। आरोप है कि जब छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन अभियान चलता था तो वह वहां से भागकर आंध्र और तेलंगाना की जंगलों में शरण लेता था। मदवी हिडमा इन बड़े हमलों में शामिल रहा है , जिसमें 2010 दंतेवाड़ा हमलाः 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे। 2013 झीरम घाटी नरसंहार जिसमें 27 लोग मारे गए, जिनमें शीर्ष कांग्रेसी नेता श्यामा चरण शुक्ल व महेंद्र कर्मा तक शामिल थे। 2021 सुकमा-बीजापुर मुठभेड़ः 22 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे। लंबे समय तक मदवी हिडमा की पहचान पुलिस के पास नहीं थी। कई बार वह पुलिस के सामने से निकल गया लेकिन कोई पहचान नहीं पाया। हिडमा नाम बदलने में भी माहिर था। संगठन में उसके कई नाम हैं। सबसे अहम बात है कि उस तक नक्सली संगठन के लोगों को भी पहुंचना आसान नहीं था। हमेशा वह हाई सिक्योरिटी घेरे में रहता था। गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त करने का वादा किया है। इसलिए मदवी हिडमा की मौत सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। इससे पहले कई बड़े नक्सली नेताओं को ढेर किया जा चुका है।

आतंक की खतरनाक साजिश से निबटने के लिए सतर्कता जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल

देश को एक बार फिर देश में ही छिपे गद्दारों के जरिए विदेशी मदद से आतंकवाद की आग में झोंकने की बड़ी साजिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पदस्थ होते ही डोनाल्ड ट्रम्प ने जिस तरह भारत के खिलाफ ट्रेड टेरिफ का हथियार इस्तेमाल किया लेकिन भारत नहीं झुका इसके बाद ट्रंप की सनक बढ़ गई और उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ रिश्ते बढाकर दबे पांव भारत में अस्थिरता के बीज बोने की नाकाम कोशिश शुरू कर दी। आपको पता है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 हिन्दू पर्यटकों की हत्या और 10 नवम्बर, 2025 को दिल्ली में लाल किले के निकट आत्मघाती कार बम विस्फोट द्वारा 15 निर्दोष लोगों की हत्या का कनेक्शन 'जैश-ए-मोहम्मद' के साथ निकला है। इस बीच 15 नवम्बर को 'श्रीनगर' के 'नौगाम' पुलिस थाने में एक विस्फोट में 10 लोगों की मौत व 32 अन्य घायल हो गए। इनमें 27 पुलिस कर्मी हैं। भारत में सफेद कोट माड्यूल बना कर जिस तरह एक समुदाय विशेष के दर्जनों उच्च शिक्षित डॉक्टरों के जरिए आतंक फैलाने की बड़ी साजिश की गई जिस का समय रहते भंडाफोड़ हो गया। इसके पीछे भी विदेशी मदद का हाथ है। हाल ही में अमेरिका के प्रयास से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तालिबान के बीच समझौता करा कर भारत में ने सिरे से कश्मीर को मुद्दा बना कर वहां के शिक्षित लोगों की भावनाओं को भड़का कर भारत में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रची जा रहीं है। तमाम आतंकी घटनाओं के बाद भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी गई है जिसके तहत पिछले दिनों में की गई गिरफ्तारियों तथा बरामदगियों से मामले की गंभीरता को समझा जा सकता है। आपको बता दें 13 नवम्बर को कश्मीर के 'सोपोर' से 2 हाईब्रिड आतंकवादियों 'शब्बीर अहमद नाजर' तथा 'शब्बीर अहमद मीर' को गिरफ्तार करके उनसे एक पिस्तौल, एक मैगजीन, 20 जिंदा राऊंड तथा 2 हथगोले बरामद किए गए। 13 नवम्बर को ही उत्तर प्रदेश के 'हापुड़' और 'फिरोजाबाद' जिलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 46 किलो 'हाईड्रोक्लोरिक एसिड' और 2.5 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए गए। 13 नवम्बर को ही पश्चिम बंगाल के 'बीरभूम' जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उससे जिलेटिन की 20,000 छड़ें बरामद की गईं। अतः क्या आतंकवादी 'दिल्ली' की तरह 'बंगाल' को दहलाने की कोशिश कर रहे थे? 14 नवम्बर को 'लाल किला विस्फोट' में प्रयुक्त कार के आत्मघाती ड्राइवर 'डा. उमर नबी' के पुलवामा जिले में स्थित मकान को सुरक्षा बलों ने आई.ई.डी. से विस्फोट करके उड़ा दिया।14 नवम्बर को ही अधिकारियों ने 'नूंह' से 2 और मैडीकल छात्रों 'मुस्तकीम' तथा 'मोहम्मद' को हिरासत में लिया।15 नवम्बर को ही 'दिल्ली बम विस्फोट' के सिलसिले में 'पठानकोट' और 'नूंह' से 2 डाक्टरों 'रईस अहमद भट्ट' तथा 'रेहान' को हिरासत में लिया गया।15 नवम्बर को ही 'अहमदाबाद' (गुजरात) में 'गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते' ने एक आतंकवादी गिरोह के लिए हथियारों की तस्करी करने में शामिल 'गुरप्रीत सिंह' उर्फ 'गोपी बिल्ला' को गिरफ्तार किया 15 नवम्बर को ही 'फिरोजपुर' में भारत-पाक सीमा पर बी.एस.एफ. ने खेतों में 2 ड्रोन व पाकिस्तान से भेजी गई 549 ग्राम हैरोइन का पैकेट बरामद किया। 16 नवम्बर को 'अमृतसर कमिश्नरेट' पुलिस ने पाक आधारित हथियार और नार्को नैटवर्क का पर्दाफाश करके 1.01 किलो हैरोइन और 6 आधुनिक पिस्तौलें सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 16 नवम्बर को ही सी. आई.ए. ने सफेदपोश आतंकवादी माड्यूल मामले में जम्मू-कश्मीर के 'अनंतनाग' जिले में एक महिला डाक्टर के घर पर छापेमारी की और वहां से एक मोबाइल जब्त कर अपने साथ ले गई16 नवम्बर को ही 'राष्ट्रीय जांच ब्यूरो' ने 'लाल किला' कार बम विस्फोट के सहयोगी 'डा. उमर उन नबी' के साथी 'आमिर राशिद अली' तथा अगले दिन 17 नवम्बर को एक अन्य साजिशकर्त्ता 'जसीर बिलाल वानी' को गिरफ्तार किया।

कठोर निर्णयों की प्रणेता और आइरन लेडी इंदिरा गांधी

योगेश कुमार गोयल

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुवर्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई। 1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

बिहार ने और मुश्किल कर दी विपक्ष की राह

राज कुमार सिंह

राज्य-दर-राज्य भाजपा और उसकी अगुवाईवाले राजग की जीत विपक्ष की चुनावी राह मुश्किल बना रही है। हर राज्य की जीत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन महाराष्ट्र के बाद बिहार का एकतरफा जनादेश विपक्ष के मनोबल पर बड़ा आघात है। इससे उबर पाना आसान तो हरगिज नहीं। बिहार में नीतीश कुमार 20 साल से सत्ता में हैं। इस बीच अल्पकाल के लिए उन्होंने जीतनराम माझी को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयोग किया तो दो बार थोड़े-थोड़े समय के लिए अपने धुर विरोधी लालू यादव के राजद के साथ भी सरकार चलायी। उन्हें 'पलटूराम' और 'पलटू कुमार' कह कर भी पुकारा गया, लेकिन बिहार का जनादेश बताता है कि नीतीश कुमार आज भी वहां सबसे बड़ा राजनीतिक ब्रांड हैं। बेशक जदयू से चार ज्यादा 89 सीटें जीत कर भाजपा इस बार विधानसभा में सबसे बड़ा दल बन गयी, लेकिन इस चुनाव के असली किरदार नीतीश कुमार ही रहे। बिना 'सीएम फेस' घोषित किये भी विधानसभा चुनाव नीतीश के ही इर्दगिर्द लड़ा गया। पिछले चुनाव में जदयू को मात्र 43 सीटों पर समेटने में बड़ी भूमिका निभानेवाले चिराग पासवान इस बार दूसरे बड़े किरदार रहे। उन्होंने भाजपा को 89 और जदयू को 85 सीटों तक पहुंचाने में तो भूमिका निभायी ही, उनकी पार्टी लोजपा (आर) भी 19 सीटें जीत गयी।

बेशक देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता महिलाओं के बीच अपने प्रतिद्वंद्वियों से ज्यादा है। इसके बावजूद राजग ने महिलाओं के बीच अपना समर्थन और मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 20 साल के शासन के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना की आशंका के बावजूद राजग एकजुट और आक्रामक नजर आया। इसके एकदम उलट महागठबंधन में सीट और टिकट बंटबारे से ले कर चुनाव प्रचार तक बिखराव ज्यादा दिखा। मुख्य विपक्षी दल राजद अपना मत प्रतिशत बरकरार रखने में तो कमोवेश सफल रहा, लेकिन राजग की चुनावी बिसात के आगे महागठबंधन कहीं नहीं टिक पाया। पिछली बार सबसे बड़े दल के रूप में उभरा राजद इस बार सीटों के मामले में एक-तिहाई रह गया। कांग्रेस का भी वैसा ही हश्र हुआ। उत्तर प्रदेश में भी बमुश्किल खाता खोल पायी कांग्रेस अब शायद ऐसी दुर्गति की आदी हो चली है। दरअसल कांग्रेस का संकट चौतरफा है। नेतृत्व, नीति और नीयत का संकट हल किये बिना कांग्रेस का कोई भविष्य नजर नहीं आता। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हाथ कांग्रेस की वास्तविक कमान नजर नहीं आती। संगठनात्मक मामलों से ले कर नीति और चुनावी मुद्दों के चयन तक के लिए पार्टी गांधी-नेहरू परिवार की ओर ताकती रहती है। प्रियंका गांधी की भूमिका तो सांसद बन जाने के बावजूद 'स्टार प्रचारक' तक ही सीमित है, पर राहुल गांधी की राजनीति भी कांग्रेस की दशा-दिशा नहीं बदल पा रही।

बेशक राहुल अपनी समझ से तो गंभीर मुद्दे ही उठाते होंगे, पर खुद कांग्रेसी उन पर प्रतिबद्ध और सक्रिय नजर नहीं आते। बिहार में दो सप्ताह की वोट अधिकार यात्रा निकालनेवाले राहुल चुनाव से पहले लगभग दो महीने वहां से नदारद रहे। भाजपा की हर समय राजनीति और एक चुनाव समाप्त होते ही दूसरे की तैयारी में जुट जाने की रणनीति का जवाब ऐसी 'गेस्ट एपीयरेंस' से नहीं दिया जा सकता। चुनाव से दो-तीन महीने पहले की सक्रियता से हर समय अति सक्रियता का मुकाबला संभव ही नहीं है। दो-चार राज्यों को छोड़ दें तो कांग्रेस का संगठन भी जमीन पर कहीं नजर नहीं आता। नतीजतन हर बार कांग्रेस सहयोगी क्षेत्रीय दलों और हवा के सहारे चुनाव लड़ने को मजबूर है। लोकसभा चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से वांछित परिणम मिल भी गये, लेकिन वैसा हर बार संभव नहीं। बिहार के बाद कांग्रेस सहयोगी दलों से सीटों के मोलभाव की स्थिति में भी नहीं रह जायेगी। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में तो ममता बनर्जी सरीखे नेता उसे भाव देते ही नहीं। पश्चिम बंगाल में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार में शर्मनाक चुनावी हार के बाद लालू परिवार का कलह भी बढ़ता दिख रहा है। अलग दल बना कर चुनाव लड़े एक बेटे तेजप्रताप, राजग के नैतिक समर्थन की घोषणा कर चुके हैं, तो एक बेटी रोहिणी आचार्य ने भी पार्टी और परिवार से संबंध तोड़ने का ऐलान कर दिया है। ध्यान रहे कि रोहिणी ने ही लालू के लिए अपनी किडनी दान दी थी। सत्ता से बेदखली के बाद भी राज्य की राजनीति में दो दशक तक दबदबा बनाये रखना आसान नहीं होता, लेकिन चुनावी पराभव के साथ ही परिवार में बिखराव तेजस्वी यादव की कड़ी परीक्षा साबित होने जा रहा है।

जैसे कि संकेत हैं, कांग्रेस और उसके मित्र दल वोट चोरी को मुद्दा बनाते रहेंगे। एक दर्जन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा के साथ ही विपक्ष शासित पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में सरकारों ने भी उसका विरोध शुरू कर दिया है। बेशक विपक्ष को अपने मुद्दे चुनने का अधिकार है, लेकिन जन मानस को समझते हुए चुने गये मुद्दे चुनाव में ज्यादा कारगर होते हैं। एसआईआर विवाद बिहार से ही शुरू हुआ।

अभी भी वहां का मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। वोट चोरी का आरोप लगाते हुए अपना 'हाइड्रोजन बम' भी राहुल गांधी ने बिहार में पहले चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले फोड़ा, पर जनादेश से साफ है कि उसका चुनावी असर नहीं हुआ। बेशक बिहार में भी महिला केंद्रित लोक लुभावन योजनाओं ने राजग सरकार को एक और जनादेश दिलवाने में निर्णायक भूमिका निभायी, पर इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि महागठबंधन एकजुटता से चुनाव लड़ने तथा गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और खराब कानून-व्यवस्था जैसी जन साधारण से जुड़ी समस्याओं को चुनावी मुद्दे बनाने में विफल रहा। बिहार का संदेश साफ है कि मजबूत संगठन और जनता से जुड़े मुद्दों के जरिये निरंतर राजनीतिक सक्रियता बिना चुनावी जंग जीत पाना अब संभव नहीं रहा। क्षेत्रीय दलों के पास संगठनात्मक ढांचा तो है, लेकिन उनकी आंतरिक चुनौतियां भी कम नहीं। राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी की भाजपा से मुकाबले के लिए बने 'इंडिया' गठबंधन में राज्य-दर-राज्य दलगत हितों का टकराव उसके मुख्य लक्ष्य पर भारी पड़ता भी साफ दिख रहा है। हरियाणा में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की एक प्रतिशत से भी कम मतों के अंतर से हार में भूमिका निभायी तो दिल्ली में उसे उसका 'रिटर्न गिफ्ट' भी मिल गया। जाहिर है, पश्चिम बंगाल और केरल में भी विपक्षी दलों में यह आपसी टकराव अवश्यंभावी है।

पंखों का बोझ

डॉ. सुरेश कुमार

सुशीला, अपने पिता की इकलौती लाड़ली थी। इकलौती इसलिए क्योंकि घर के पुरुष सदस्य-पिता और दो छोटे भाई-उसके सामने हमेशा आत्मसमर्पण की मुद्रा में रहते थे। सुशीला का जीवन एक शाही नाटक था, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रो देना उसका 'वीटो पावर' था। नए डिज़ाइन के सैंडल चाहिए? रोना शुरू! रात दस बजे तक टीवी देखने की अनुमति चाहिए? होंठ काँपे, आँखें नम हुईं और पिताजी की ज़मीन खिसक गई। उनके लिए सुशीला के आँसू किसी ख़ज़ाने से कम नहीं थे, जिसे वे तुरंत अपनी सारी दौलत (यानी उसकी हर माँग) देकर ख़रीद लेते थे।

उनका सिद्धांत थाः बेटी रोती है, यानी अभी भी हमसे प्रेम करती है; जिस दिन रोना बंद कर देगी, समझो वह बाज़ार की हो गई। और सुशीला बड़ी सफ़लता से इस सरकारी मान्यता प्राप्त हथियार का इस्तेमाल कर रही थी। वह अपनी लाड़ली वाली पहचान को भारत सरकार द्वारा प्रमाणित विशेषाधिकार मानती थी, जो हर समस्या का तात्कालिक और अचूक समाधान था। वह एक ख़ूबसूरत, बेफ़िक्र ज़िंदगी जी रही थी—जैसे किसी राजा की गुड़िया हो, जिसे केवल मुस्कुराने और कभी-कभार रोने का अधिकार हो। वह लिपस्टिक के रंग और पर्स के डिज़ाइन पर घंटों माथापच्ची करती थी, क्योंकि बड़े-बड़े दुःख तो पुरुषों के लिए आरक्षित थे। उसका जीवन एक चलता-फिरता विज्ञापन था-'भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार की लाड़ली बेटीः समस्याएँ शून्य, डिमांड अपरिमित।' तभी, एक सुबह, जैसे किसी पटकथा लेखक ने अचानक स्क्रिप्ट बदल दी हो।

पिताजी 'यूँ' चले गए-बिना किसी सूचना के, बिना किसी अग्रिम चेतावनी के, जैसे घर की 'छत' का लाइसेंस अचानक रद्द हो गया हो। माँ का हाल ऐसा था, जैसे उन्होंने अपना ख़ुद का रोना भी किराए पर ले रखा हो-लगातार, रुक-रुककर। छोटे भाई-बहन सदमे में थे, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि पिता नहीं थे, बल्कि इसलिए कि अब 'टीवी देखने की देर रात वाली परमिशन' कौन देगा, वे यह नहीं समझ पा रहे थे। घर में सन्नाटा पसरा था, जो अब सुशीला के 'रोना' वाले हथियार को अप्रभावी बना चुका था। आँसुओं की अब बाज़ार में कोई क़ीमत नहीं थी। यह वो समय था, जब 'छोटी-छोटी बातों पर रोने वाली' सुशीला ने एक भयंकर अहसास कियाः उसके 'आँसू' सिर्फ़ तभी काम करते थे, जब कोई 'पुरुष' उन्हें पोंछने के लिए तैयार बैठा हो। अब तो उन्हें पोंछने वाला ही ख़ुद रोने की स्थायी मुद्रा में था। इसलिए, सुशीला ने फ़ैसला कियाः आँसुओं के व्यापार को तत्काल बंद किया जाए। उसने अपनी आँखों में आए समंदर को दिल के सबसे निचले तल में उतार लिया, जहाँ 'पसंद की लिपस्टिक' और 'नए फ्रॉक' की यादें धूल फाँक रही थीं। उसने अपनी लाड़ली वाली पहचान को एक कोने में फेंका, और 'घर की मुखिया' का नया, ख़ाकी चोला पहन लिया-जैसे उसे तुरंत किसी सरकारी आपातकालीन सेवा में भर्ती कर लिया गया हो। उन्नीस साल की सुशीला! वही लड़की जो कल तक माँ से बहस कर रही थी कि कॉलेज में किस ब्रांड की टी-शर्ट पहनकर जाना 'स्टेटस सिम्बल' है, आज उसने सारे परिवार की ज़िम्मेदारी अपने नाज़ुक कन्धों पर नहीं, बल्कि अपने माथे पर उठा ली। माथे पर इसलिए, क्योंकि अब माथा ही उसका 'प्रबंधन विभाग' था। उसने कॉलेज छोड़ा, जो उसका एकमात्र 'टाइमपास क्लब' था, और एक छोटी-सी नौकरी पकड़ ली। नौकरी नहीं, बल्कि परिवार को ज़िंदा रखने का सरकारी ठेका। तनख़्वाह इतनी कम थी कि हँसना भी हराम था, और काम इतना ज़्यादा कि रोना भी फ़ुर्सत नहीं देता था। कई रातें उसकी नींद ने सुसाइड कर लिया, कई दोपहरों में पेट ने हड़ताल कर दी, पर सुशीला ने कभी किसी को शिकायत नहीं की।

प्रत्येक प्रदेश में बने लेखक गाँव

डॉ.वेदप्रकाश

हाल ही में भारत के पहले लेखक गांव थानों, देहरादून जाना हुआ। अवसर था लेखक गांव में साहित्य, कला एवं संस्कृति के वार्षिक अंतरराष्ट्रीय महोत्सव का। लेखक गांव, यह विचार अथवा संकल्पना ही मुझे वहां जाने के लिए बार-बार प्रेरित करती है क्योंकि देश में और विदेशों में भी हम स्मार्ट सिटी, स्मार्ट स्कूल और स्मार्टनेस की तो कई बार चर्चा अथवा चिंता सुनते हैं। लेकिन लेखकों और सृजनकर्ता के लिए कोई लेखक गांव जैसा स्थान बने अथवा उसकी कोई आवश्यकता है, इस बात पर कभी विचार नहीं सुनाई देते। ध्यान रहे लेखक अथवा सृजनकर्ता ही वे लोग हैं जो किसी भी समाज अथवा राष्ट्र का निर्माण करते हैं। सृजन के लिए वातावरण की आवश्यकता होती है क्योंकि उस वातावरण में ही विचार आता है और आकार लेता है। लेखक संवेदनशील होता है। उसकी संवेदनाएं ही जीवंतता को संजोती हैं। जिस प्रकार कुम्हार मिट्टी को कूटता, छानता, गीला करता है और फिर बर्तन का निर्माण करता है, ठीक उसी प्रकार लेखक भी इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरते हुए अपने संवेदनशील मन से किसी कहानी, उपन्यास,कविता अथवा विचार को आकार देता है।

उत्तराखंड के देहरादून स्थित थानों नामक स्थान पर भारत का पहला लेखक गांव आकार ले चुका है। विगत वर्ष अक्तूबर महीने में देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। यह लेखक गांव उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, भारतवर्ष के पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी के संकल्प से तैयार हुआ है। साहित्य, कला और संस्कृति को समर्पित यह लेखक गांव अब सृजन का केंद्र बनता जा रहा है, जहां देश- दुनिया के अनेक विद्वान एवं साहित्यकार पहुंच रहे हैं। विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 3, 4 व 5 नवंबर को यहां साहित्य, कला एवं संस्कृति का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव हुआ है। जिसमें देश-दुनिया के सैंकडों विद्वानों ने सहभागिता की है। 3 नवंबर का दिन उत्तराखंड के साहित्य,कला एवं संस्कृति को समर्पित रहा, जिसमें उत्तराखंड के कलाकारों ने विभिन्न रूपों में अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लेखक गांव में अपना वक्तव्य देते हुए परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने कहा कि- स्पर्श हिमालय महोत्सव मात्र उत्सव नहीं है। यह साहित्य, कला, संस्कृति और प्रकृति के संरक्षण- संवर्धन की दिशा में एक बड़ा संकल्प है। लेखकों- साहित्यकारों के सम्मान से यह देश बहुत तेजी से विश्व गुरु के संकल्प को पूरा करेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण वक्तव्य देते हुए आध्यात्मिक विभूति स्वामी अवधेशानंद गिरि जी ने अपने वक्तव्य ने कहा कि- भारत ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला एवं संस्कृति का केंद्र बनकर उभर रहा है। ऐसे में प्रत्येक प्रदेश में लेखक गांव बनें यह आवश्यक है। डॉ. निशंक जी द्वारा संकल्पित यह लेखक गांव देश-दुनिया के साहित्य, कला व संस्कृति प्रेमियों का मार्गदर्शन कर रहा है।

भारत का पहला लेखक गांव विचार, संकल्प,पुरुषार्थ और संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण है। सर्वविदित है कि भारतवर्ष के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी एक सुलझे हुए राजनेता होने के साथ-साथ वरिष्ठ साहित्यकार भी थे। एक साहित्यिक कार्यक्रम में उन्होंने वरिष्ठ साहित्यकार श्याम नारायण पाण्डेय को याद करते हुए कहा था- ऐसे साहित्यकार जिन्होंने अपना जीवन साहित्य की सेवा में लगा दिया लेकिन वृद्धावस्था में उनका जीवन कष्टों में बीता, क्या इस देश में कभी ऐसे लेखकों, साहित्यकारों की कोई चिंता करेगा। अटल जी की इस चिंता को विचार व संकल्प बनाकर डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी ने लेखक गांव की संकल्पना और संकल्प पर काम करना शुरू किया। थोड़ा समय तो लगा लेकिन अब वह संकल्प सिद्धि को पहुंच चुका है। आज यह स्थान सृजन का केंद्र बनता जा रहा है। लेखक गांव में संजीवनी वाटिका, नवग्रह वाटिका, हिमालयी भोजनालय एवं एक बड़ी संकल्पना के साथ नालंदा पुस्तकालय बनकर तैयार हैं। एक द्वार के पास बना भगवान नरसिंह का मंदिर साहित्य, कला एवं संस्कृति की अध्यात्म से संबद्धता और अध्यात्म के महत्व को दर्शाता है तो दूसरे द्वार पर आरोग्यता का वरदान देती धन्वन्तरि की प्रतिमा नूतन ऊर्जा का संचार करती है। लेखक गांव का दूर तक फैला हरा भरा आंगन देश- दुनिया के साहित्यकारों, कला एवं संस्कृति प्रेमियों को आमंत्रित करता है। सामने हरा भरा पहाड़ और वहां से धीरे-धीरे आते जाते बादल यह अनुभव करवाते हैं कि विश्व प्रसिद्ध मेघदूत जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ की रचना भी ऐसे ही वातावरण में हुई होगी। लेखक गांव के आंगन में शान से लहराता राष्ट्रीय ध्वज यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मां भारती के प्रति त्याग एवं समर्पण का संदेश देता है। साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं के लिए यहां पर्याप्त अवसर हैं। उनके लिए यहां वरिष्ठ लेखकों से संवाद, आवास, भोजन, लेखन और प्रकाशन आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। साहित्य, कला और संस्कृति में सृजनात्मकता और उत्कृष्टता हेतु कई प्रकार के सम्मान एवं पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले सृजनशील लोगों के लिए यह आंगन खुला है।

मार्गशीर्ष अमावस्या : आज दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

बुधवार, 19 नवंबर और गुरुवार, 20 नवंबर को मार्गशीर्ष अमावस्या है, इसे अगहन अमावस्या भी कहते हैं। इस बार तिथियों की घट-बढ़ की वजह से ये तिथि दो दिन है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा था कि मार्गशीर्ष मास उनका ही स्वरूप है। इस वजह से ये महीना श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए बहुत खास है। इस महीने में रोज श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है, भक्त मथुरा, वृंदावन, गोकुल गोवर्धन पर्वत, बरसाना की यात्रा करते हैं, यमुना नदी में स्नान करते हैं। मार्गशीर्ष अमावस्या पर कृष्ण पूजा के साथ ही पितरों के लिए धूप-ध्यान भी करना चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, अमावस्या तिथि 19 नवंबर की सुबह 09:43 बजे शुरू होगी और 20 नवंबर की दोपहर 12:16 बजे खत्म होगी। पितृ कर्म जैसे श्राद्ध और तर्पण 19 नवंबर की दोपहर में करें और 20 नवंबर पर नदी स्नान और दान-पुण्य कर सकते हैं।

ऐसे सकते हैं पितरों के लिए धूप-ध्यान

पितरों के लिए धूप-ध्यान दोपहर में करीब 12 बजे करना चाहिए। इस समय को कुतुप काल कहते हैं। इस काल के स्वामी पितर देव माने गए हैं। सुबह-शाम देवी-देवताओं की पूजा और दोपहर में पितरों से जुड़े धर्म-कर्म करना चहिए।

दोपहर में घर में किसी शांत और पवित्र स्थान आसन बिछाएं। आसन पर बैठें और पितरों का ध्यान करते हुए धूप-दीप जलाएं। दीपक में तिल का तेल डालना चाहिए।

पितरों का ध्यान करते हुए धूप-ध्यान करने का संकल्प लें। जैसे- मैं आज अमावस्या के अवसर पर अपने पितरों का स्मरण और धूप–ध्यान कर रहा हूं।

संकल्प के बाद गाय के गोबर से बने कंडे (उपले) जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। इस दौरान पितरों के मंत्र ॐ पितृदेवेभ्यो नमः का जप करते रहना चाहिए। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को चढ़ाएं।

धूप-ध्यान के अंत में पितरों से जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। इसके बाद घर के आसपास गाय, कुत्ते को भी रोटी खिलाएं। जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं।

अगहन अमावस्या पर करें ये शुभ काम

इस तिथि पर नदी स्नान और दान-पुण्य करने की परंपरा है। इस तिथि पर पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। अगर नदी स्नान करना संभव न हो तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। ऐसा करने से भी घर पर ही तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज, धन, जूते-चप्पल, कपड़े दान करना चाहिए।

किसी गौशाला में धन दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं।

किसी तालाब में मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं।

जहां जरूरत न हो, वहां तर्क-वितर्क करने से बचें

कभी-कभी अहंकार छोड़कर विनम्रता से झुकना ही फायदेमंद होता है लक्ष्य बड़ा हो तो रास्ता सीधा और सरल नहीं होता। हर कदम पर चुनौतियां और समय बर्बाद करने वाली परिस्थितियां सामने आती रहती हैं। ऐसी स्थिति में हमें लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाना चाहिए। ये सीख हमें हनुमान जी और सुरसा की घटना से मिलती है। पढ़िए हनुमान जी और सुरसा का पूरा किस्सा...

जब हनुमान जी समुद्र पार कर लंका की ओर उड़ रहे थे, उस समय देवताओं ने हनुमान जी की शक्ति को परखने का निश्चय किया। देवताओं ने हनुमान जी की परीक्षा लेने के लिए सर्पों की माता सुरसा को भेजा गया। सुरसा ने हनुमान जी का मार्ग रोक लिया और अपना विशाल मुंह खोलकर बोली कि तुम मेरा भोजन हो। मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकती।

हनुमान जी ने विनम्रता से कहा कि मैं अभी श्रीराम के कार्य हेतु जा रहे हूं। मैं देवी सीता का पता लगाकर राम जी को उनका संदेश पहुंचा दूं, उसके बाद मैं खुद लौटकर यहां आ जाऊंगा, आप मुझे तब खा लेना, लेकिन सुरसा ने हनुमान जी की बात नहीं मानी।

सुरसा ने अपना मुंह बड़ा किया तो हनुमान जी ने भी अपना आकार बढ़ा लिया, लेकिन जल्द ही हनुमान जी को समझ आ गया कि ये समय बड़ा बनने की लड़ाई का नहीं है। हनुमान जी ने बुद्धिमानी दिखाई। उन्होंने सोचा कि यदि मैं इस संघर्ष में उलझ गया तो मेरा लक्ष्य पूरा नहीं होगा?

हनुमान जी ने अपना आकार तुरंत छोटा किया और सुरसा के मुंह में प्रवेश करके, तुरंत बाहर निकल आए। सुरसा मुस्कुराई और बोली, तुम्हारी बुद्धि और बल दोनों की परीक्षा पूरी हुई। तुम अवश्य सफल हो जाओगे।

हनुमान जी की सीख

लक्ष्य को हर परिस्थिति में याद रखें

जब आपका लक्ष्य स्पष्ट हो तो बाधाएं आपका ध्यान नहीं भटकाती हैं। हर निर्णय ये सोचकर लेना चाहिए, क्या ये मुझे मेरे लक्ष्य के करीब ले जा रहा है, अगर कोई निर्णय लक्ष्य से दूर ले जा रहा है तो उस निर्णय से बचना चाहिए।

अनावश्यक बहसों से दूर रहें

हर लड़ाई लड़ने लायक नहीं होती। समय और ऊर्जा अमूल्य संसाधन हैं। जहां आवश्यकता न हो, वहां तर्क-वितर्क करने से बचें। ऐसी व्यर्थ चर्चाओं में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।

परिस्थितियों के अनुसार अपने तरीके बदलें

हनुमान जी ने अपना आकार बदलकर सुरसा को पराजित किया। हमारे जीवन में लचीलापन होना चाहिए, यही सफलता का जरूरी गुण है। एक ही तरीका हर जगह काम नहीं करता, कभी-कभी तरीका बदलने से सफलता मिल जाती है।

भावनाओं पर नियंत्रण रखें

जब व्यक्ति क्षणिक क्रोध, अहंकार या उत्तेजना में निर्णय लेता है, तो अक्सर नुकसान उठाता है। शांत मन से समाधान ढूंढेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

यहां हनुमान ने सुरसा पर क्रोध नहीं किया, बल्कि शांति से सुरसा को पराजित करने का रास्ता निकाला।

समस्या पर नहीं, समाधान पर ध्यान दें

सुरसा अड़ गई थी, लेकिन हनुमान जी ने संघर्ष की जगह समाधान खोजा। हमें भी समस्या से ज्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए, तभी सफलता मिल सकती है।

आपके पितरों ने घर में मचा रखी है अशांति, कहीं वे नाराज तो नहीं?

मार्गशीर्ष अमावस्या 20 नवंबर को है, वहीं मार्गशीर्ष की दर्श अमावस्या 19 नवंबर बुधवार को है। पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष अमावस्या तिथि 19 नवंबर को सुबह 9:43 बजे से लेकर 20 नवंबर को दोपहर 12:16 बजे तक है। दर्श अमावस्या के दिन पितरों के लिए उपाय करते हैं, उनकी तृप्ति के लिए तर्पण, श्राद्ध, दान आदि किया जाता है। जो लोग अपने पितरों को तृप्त नहीं करते हैं, उनको पितृ दोष लगता है। पितरों की नाराजगी या पितृ दोष की वजह से घर में अशांति रहती है, परिवार के लोग कई तरह से परेशान रहते हैं। यदि आपके साथ ऐसा है तो हो सकता है कि आपके पितर नाराज हों। मार्गशीर्ष अमावस्या पर आप उनकी नाराजगी दूर कर सकते हैं। आइए मार्गशीर्ष अमावस्या से पहले जानते हैं पितरों की नाराजगी के 5 अशुभ संकेत।

पितरों की नाराजगी के अशुभ संकेत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जिन लोगों के घरों में परिवार का कोई न कोई सदस्य हमेशा बीमार रहता है यानि एक सदस्य सही होता है तो दूसरा बीमार पड़ जाता है, यह श्रृंखला सी बनी रहती है। इसका यह संकेत है कि आपके पितर आपसे नाराज हों। पितर अतृप्त होते हैं तो वे परिवार के सदस्यों को परेशान करते हैं।

विवाह के काफी समय व्यतीत होने के बाद भी जिन लोगों को संतान सुख प्राप्त नहीं होता है, उन लोगों को पितृ दोष हो सकता है। उनके पितर उनसे नाराज हो सकते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि जो लोग अमावस्या, पितृ पक्ष, बड़े पर्व या त्योहार पर अपने पितरों को तर्पण, पिंडदान या स्मरण से तृप्त नहीं करते हैं, तो पितर नाराज होकर उनको श्राप देते हैं कि जिस वंश की वजह से हमें तृप्ति या मुक्ति नहीं मिल रही है, फिर उनको वंश की क्या जरूरत है? पितरों के श्राप से भी व्यक्ति संतान का सुख प्राप्त नहीं कर पाता है।

आप कोई काम या नया बिजनेस करते हैं, उसमें असफल हो जाते हैं, फिर कुछ और करते हैं, उसमें भी निराशा ही हाथ लगती है। हर तरह के काम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन हर बार असफलता ही मिलती है। इसके पीछे पितृ दोष हो सकता है। पितृ दोष के कारण व्यक्ति का काम रुक सकता है।

जिन लोगों के पितर नाराज होते हैं, उनको धन हानि का सामना करना पड़ता है। कहीं पर वे धन निवेश करते हैं तो वह डूब जाता है। बचत का पैसा परिवार के बीमार सदस्य की सेहत पर खर्च हो जाता है। लोगों को पैसे उधार देंगे तो वे वापस नहीं मिलेंगे। आपका पैसा फंस जाता है।

जिन लोगों के परिवार में हमेशा कलह रहती है। परिवार के सदस्य एक दूसरे के साथ विवाद में फंसे होते हैं। एक दूसरे पर विश्वास नहीं होता है। हमेशा अशांति और अविश्वास का माहौल बना रहता है। इतना ही नहीं, पितरों की नाराजगी की वजह से परिवार के सदस्यों के विवाह में बहुत विलंब होता है या शादी की बात पक्की नहीं होती है।

पितरों को तृप्त करने के उपाय

यदि आपके पितर नाराज हैं या पितृ दोष है तो आप किसी योग्य ज्योतिषाचार्य की मदद से त्रिपिंडी श्राद्ध करें। इसके साथ अमावस्या और पूर्णिमा के दिन स्नान के बाद पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान आदि करें। पितरों के निमित्त दान करें। इससे लाभ होगा।

लगातार बढ़ रहीं हैं परेशानियां, जीवन में रुकावटें खत्म नहीं हो रहीं?

जीवन में कभी-कभी मुश्किलें इतनी बढ़ जाती हैं कि हल नहीं दिखता। परिवार, काम या स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियाँ लगातार सिर पर मंडराती हैं। ऐसी स्थिति में ज्योतिष और पुरानी परंपराओं में बताए गए उपाय हमारी मदद कर सकते हैं। हनुमान जी को संकट निवारण और संकटों से सुरक्षा देने वाला माना जाता है। कहा जाता है कि लगातार 21 मंगलवार हनुमान मंदिर जाकर चमेली के तेल का दीपक जलाना और उसमें दो लौंग डालना अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। यह न सिर्फ मानसिक शांति देता है बल्कि जीवन में अटकाव वाली परेशानियों को दूर करने में भी मदद करता है। हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति की नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह उपाय सरल, असरदार और किसी भी उम्र के व्यक्ति के लिए किया जा सकता है। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

उपाय करने की विधि

हर मंगलवार हनुमान मंदिर जाएं।

अपने घर से चमेली का तेल ले जाएं और दीपक में डालें।

दीपक में दो लौंग डालें और हनुमान जी के सामने रखकर जलाएं।

दीपक जलाते समय हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का ध्यान से पाठ करें।

इसे लगातार 21 मंगलवार तक करें।

क्यों यह उपाय असर करता है

हनुमान जी को संकट निवारक माना जाता है। दीपक और लौंग का संयोजन नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। दीपक की रोशनी मन को शांति देती है और लौंग की खुशबू वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा फैलाती है। लगातार 21 दिन करने से मन और शरीर में स्थिरता आती है और परेशानियों का समाधान सहज लगता है।

इस उपाय के फायदे

-मानसिक शांति और सकारात्मक सोच आती है।

-जीवन में अड़चनें कम होती हैं।

-नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है।

-घर और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

-स्वास्थ्य और कार्यक्षमता में सुधार होता है।

अहंकार का परदा गिराना हमें है और मदद ईश्वर करेंगे

गोस्वामी तुलसीदास जी की विशिष्ट शैली है कि किसी प्रसंग में दो पात्रों के बीच में बात करवाते हैं और उस बातचीत से एक गहरा संदेश दे देते हैं। शिव जी पार्वती जी को बता रहे थे कि गरुड़ को भ्रम हो गया। ईश्वर के प्रति उसका संदेह मिटाने के लिए मैंने उसे काकभुशुंडि के पास भेजा। और तभी शंकर जी कहते हैं कि इसके पीछे एक कारण और था।

गरुड़ को अभिमान हो गया था। होइहि कीन्ह कबहुं अभिमाना, सो खोवै चह कृपानिधाना। उसने कभी अभिमान किया होगा, जिसको कृपानिधान श्रीराम नष्ट करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि भक्त को अभिमान होता है और भगवान चाहते हैं कि इसका अभिमान नष्ट हो जाए।

हमारे और परमात्मा के बीच अहंकार का परदा है। दिखता नहीं है और न ही हमें ईश्वर को देखने देता है। इसे गिराना हमें है और मदद ईश्वर करेंगे। परमात्मा हमको अकेले नहीं छोड़ते। बस वो कहते हैं- तू जागरूक होकर मेरा भरोसा कर। तेरे अभिमान को गिराने में भी मैं मदद करूंगा। अहंकार गिरा दें, ईश्वर हमारे सामने ही खड़ा है।

मार्गशीर्ष मास में कात्यायनी व्रत क्यों है शुभ? जानें कैसे मिलता है मनचाहा वर और दूर होती है सभी बाधाएं

हिंदू पंचांग में मार्गशीर्ष मास का विशेष और दिव्य महत्व बताया गया है। यह वही पवित्र मास है जिसमें श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में अर्जुन को जीवन का परम ज्ञान श्रीमद्भगवद्गीता उपदेश स्वरूप प्रदान किया था। शास्त्रों के अनुसार स्वयं श्रीकृष्ण ने भी गीता में कहा है "मासानां मार्गशीर्षोऽहम", अर्थात "मैं मासों में मार्गशीर्ष हूँ।" इसी कारण से सनातन संस्कृति में यह महीना तप, भजन, साधना और कल्याणकारी कर्मों का सर्वोत्तम समय माना जाता है।

करौली के आध्यात्मिक गुरु पं. हरिमोहन शर्मा बताते हैं कि मार्गशीर्ष माह का महत्व केवल धार्मिक मान्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मास व्यक्ति के आध्यात्मिक उत्थान का भी उत्कृष्ट अवसर है। वे बताते हैं कि श्रीमद्भागवत पुराण के दशम स्कंध में इस महीने का उल्लेख मिलता है और इसके महत्व का कारण यही है कि इसमें गीता का उपदेश पूरा हुआ था। इसीलिए इस मास को अगहन नाम से भी जाना जाता है।

मां कात्यायनी देवी का व्रत करने से मनोवांछित वर प्राप्त होता है

आध्यात्मिक गुरु के अनुसार, इस माह में किए गए जप, तप, यज्ञ, दान का फल सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक प्राप्त होता है। वे कहते हैं कि इस दौरान लोगों को अधिक से अधिक सात्त्विक आहार लेना चाहिए, संयम का पालन करना चाहिए और मानसिक शुद्धता बनाए रखनी चाहिए। इस महीने आत्मिक विकास, शांति और मन की स्थिरता के लिए विशेष साधनाएं भी की जाती हैं। पं। शर्मा बताते हैं कि जिन कन्याओं के विवाह में बाधा आ रही हो, उन्हें इस मास में मां कात्यायनी की आराधना अवश्य करनी चाहिए। श्रीमद्भागवत महापुराण में भी वर्णन है कि कात्यायनी देवी का व्रत करने से मनोवांछित वर प्राप्त होता है।

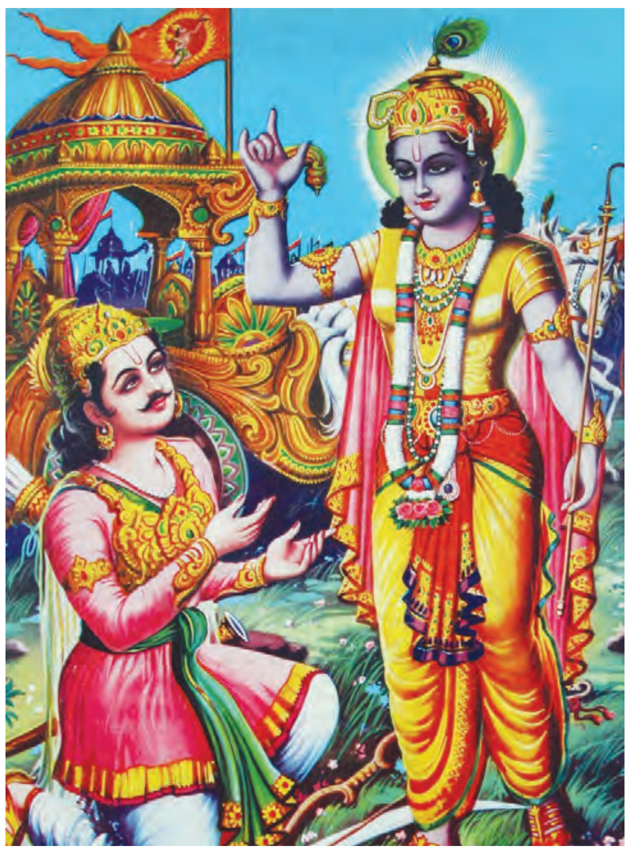

मोक्षदा एकादशी को भी माना गया है अत्यंत शुभ

प्राचीन काल में ब्रज की गोपियों ने भी इसी मास में कात्यायनी व्रत कर भगवान कृष्ण को अपने वर के रूप में प्राप्त करने की प्रार्थना की थी। इस महीने में आने वाली मोक्षदा एकादशी को भी अत्यंत शुभ और पवित्र माना गया है। शास्त्र कहते हैं कि इसी एकादशी के दिन श्रीकृष्ण का गीता उपदेश पूर्ण हुआ था। मोक्ष प्रदान करने वाली इस एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति और जीवन में सद्गति प्राप्त होती है।

मार्गशीर्ष मास को जप, तप, यज्ञ, दान और कीर्तन का श्रेष्ठतम समय बताया गया है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह महीना मन, वचन और कर्म को पवित्र बनाकर व्यक्ति को परमात्मा के निकट ले जाने वाला माना जाता है। इसलिए इस पूरे महीने लोग श्रद्धा और भक्ति के साथ साधना कर कल्याण की कामना करते हैं।

कोई तय फार्मूला नहीं कास्ट चुनने का : रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह ने अब तक के अपने करियर में कई तरह की भूमिकाएं अदा की हैं। हाल ही में उसने रूपहले पर्दे पर भूमिकाएं चुनने के अपने तरीके के बारे में खुल कर बात की। इस वर्ष ' मेरे हसबैंड की बीवी' के बाद उसकी दूसरी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' रिलीज हो चुकी है। उसने बताया कि वह किसी फिल्म के लिए हां कहते समय खुद को किसी तय पैटर्न या फॉर्मूले में नहीं बांधती, बल्कि ऐसी कहानियों की तलाश करती है, जो अलग-अलग स्तरों पर उसके साथ जुड़ती हों ।

अपनी भूमिकाएं चुनने के तरीके के बारे में ने कहा कि वह किसी एक तरह रकुल के सिनेमा के पीछे नहीं, बल्कि अपने विकास के पीछे भागती है । उसने कहा, कोई फॉर्मूला नहीं है। कभी निर्देशक, कभी पटकथा, तो कभी कहानी की बस एक पंक्ति ही मुझे प्रभावित करती है ।

उसने आगे कहा, कहानी ही लोगों के दिलों में बस जाती है, और यही वह चीज है, जिससे मुझे प्रभावित होने की जरूरत है। अमिताभ बच्चन और तब्बू जैसे अभिनय की लंबी पारी खेलना चाहती हूं।

रकुल ने एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय तक प्रासंगिक बने रहने की अपनी इच्छा के बारे में भी खुलकर बात की और कहा कि वह अमिताभ बच्चन और तब्बू से प्रेरित है T फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए रकुल ने कहा, 'जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा, तो मैं बस एक हीरोइन बनना चाहती थी और बड़े पर्दे पर छा जाना चाहती थी। मैंने शुरुआत की, तो लोग यह कहते थे कि सिनेमा में एक लड़की का जीवन 5 से 6 साल काही होता है, लेकिन अब चीजें बदल रही हैं। जब तक आप अच्छे दिखते हैं और अच्छा काम करते हैं, उम्र बस एक संख्या है। मैं लंबी उम्र का लक्ष्य रखना चाहती हूं और मैं अमिताभ बच्चन सर या तब्बू मैम जैसी बनना चाहती हूं।

बेहद विनम्र इंसान हैं माधवन

रकुल इस समय अजय देवगन के साथ रोमांटिक - कॉमेडी 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आ रही है । यह फिल्म 2019 में आई सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी 'दे दे प्यार दे' की सीक्वेल है । फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। फिल्म में इस बार आर. माधवन ने रकुल के पिता का किरदार निभाया है । रकुल ने उसके साथ काम करने के अपने अनुभव को सांझा किया है । रकुल ने कहा, "मैं हमेशा से उनकी फैन रही हूं। उनकी बेटी की भूमिका निभाना बहुत खास था । हमने सैट पर कई बार दिलचस्प बातचीत की और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वह बेहतरीन अभिनेता होने के साथ-साथ बेहद विनम्र इंसान हैं।

उसने आगे कहा, जब आपका को- एक्टर इतना मजबूत परफॉर्मर हो, तो आपका अपना अभिनय भी बेहतर होता है। उनसे मैंने सीखा कि सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े रहना कितना जरूरी है ।

फिल्म में अजय एक बार फिर आशीष मेहरा के किरदार में और आयशा खुराना की भूमिका में रकुल दिखाई दे रही है । कहानी वहीं से शुरू होती है, जहां पिछली फिल्म खत्म हुई थी। इस भाग में आशीष, आयशा के परिवार को अपने रिश्ते के लिए राजी करने की कोशिश करता है, जिसके चलते उनके बीच कई मजेदार, इमोशनल और अजीबोगरीब हालात पैदा होते हैं

धोखे से मिली सीख : 'श्वेता तिवारी

। अपने करियर की शुरुआत श्वेता तिवारी ने छोटे पर्दे से की और 'कसौटी जिंदगी की' में प्रेरणा का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाई । अभिनय में उसने खुद को साबित किया, लेकिन निजी जिंदगी में उसको कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा । श्वेता ने 1998 में अभिनेता राजा चौधरी से शादी की। इस शादी से उसे बेटी पलक तिवारी हुई, जो अब अभिनय जगत में कदम रख चुकी है लेकिन 2007 में श्वेता और राजा का रिश्ता टूट गया और दोनों ने तलाक ले लिया । श्वेता ने राजा पर घरेलू हिंसा और मारपीट के गंभीर आरोप लगाए ।

इसके बाद श्वेता ने अभिनेता अभिनव कोहली से शादी की। शादी से पहले तीन साल तक दोनों डेटिंग कर चुके थे । इस रिश्ते से उनका बेटा रेयांश कोहली हुआ । हालांकि, धीरे-धीरे दोनों के रिश्ते में खटास बढ़ गई और 2019 में श्वेता ने अभिनव पर भी घरेलू हिंसा के आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसी साल दोनों का तलाक हो गया ।

एक इंटरव्यू में श्वेता ने खुलासा किया

तिवारी' कि उसे अपने पार्टनरों से कई बार धोखे मिले। उसने कहा, पहली बार जब आपको कोई धोखा देता है, तो यह बहुत बुरा लगता है। आप रोते हैं, बुरा महसूस करते हैं लेकिन धीरे-धीरे मैंने यह सीख लिया कि इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दूंगी। अब मुझे अगर कोई दुख देता है तो मैं बहु ही सिम्पली उससे डिटैच हो जाती हूं।

श्वेता के करियर की सबसे बड़ी पहचान धारावाहिक 'कसौटी जिंदगी की' रहा, जिसमें सशक्त और मजबूत महिला किरदार से वह घर-घर में पहचानी जाने लगी । अन्य धारावाहिकों के साथ ही रियलिटी शो 'बिग बॉस' में जीत के जरिए उसने अपनी लोकप्रियता को और बढ़ाया। इसके अलावा उसने हिन्दी, नेपाली, भोजपुरी, कन्नड़, मराठी, उर्दू, फिल्मों में भी काम किया है।

न्यूडिटी से फर्क नहीं पड़ता : जेनिफर लॉरेंस

जेनिफर लॉरेंस पर इस तरह के सीन्स करने में कोई है। उसने कहा, मुझे न्यूडिटी फिल्म ' डाई माय लव' को लेकर सुर्खियों में है। जैनिफर ने हाल ही में इंटरव्यू के दौरान इस फिल्म में अपने बोल्ड सीन्स पर खुल कर से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इसे लेकर सैंसिटिव नहीं हूं। मैं चाहती थी कि लिन्न रामसे को क्रिएटिविटी के लिए पूरी आजादी मिले । उसने अपना एक्सीरियंस शेयर करते हुए आगे बताया कि ऐसी स्थिति में अ उसके लिए कोई डर नहीं बचा और बात की। इस फिल्म में उसने एक न्यूड सीन भी दिया है।

इस पर भी उसने रिएक्ट करते हुए अपनी बात रखी। यह एक अमरीकी ब्लैक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन लिन्ने रामसे ने किया है। उसने फिल्म में काम करने और खुद के सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया कि वह अपने किसी भी प्रोजैक्ट में न्यूड सीन्स देने से नहीं डरती। उसने कहा कि उसे सैट उसकी प्रैग्नेंसी ने इसको काफी हद तक दूर कर दिया। इतना ही नहीं, जब उससे मेकअप करके अपने शरीर को टच - अप देने के बारे में पूछा गया तो उसने सीधे मना कर दिया।

सीन शूट होने के बाद टीम ने पूछा कि क्या वह अपनी दिख रही चर्बी को एडिट करवा कर हटवाना चाहती है, जिस पर उसने न में जवाब दिया था।

जैनिफर ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के समय वह प्रेग्नेंट थी, जिससे उसे अक्सर थकान महसूस होती थी । उसने कहा कि पिछली फिल्म 'नो हार्ड फीलिंग्स' की शूटिंग से पहले वह अपने खान-पान को लेकर ज्यादा सजग थी और खुद को फिट रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट्स से परहेज व नियमित रूप से व्यायाम करती थी ।

मुश्किल में एसएस राजामौली! भगवान हनुमान पर बयानबाजी करना पड़ा भारी; संस्था ने दर्ज कराया केस

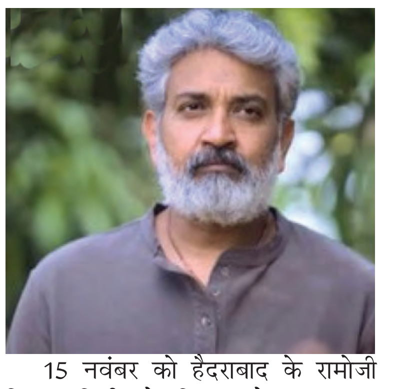

15 नवंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में फिल्म मेकर एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' का ग्लोबट्रॉटर इवेंट हुआ। इस इवेंट में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। इसलिए इस इवेंट में देरी हुई। इस बात को लेकर राजामौली परेशान हो गए और उन्होंने भगवान हनुमान को लेकर बयानबाजी की। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। अब उनके खिलाफ राष्ट्रीय वानर सेना की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

राजामौली ने भगवान हनुमान को लेकर की बयानबाजी

ग्लोबट्रॉटर इवेंट में राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' का ट्रेलर लॉन्च किया जाना था। तकनीकी खराबी के चलते इवेंट में देर हो रही थी। इससे वह परेशान हुए और इसे उन्होंने भगवान हनुमान से जोड़ दिया। उन्होंने कहा 'यह मेरे लिए एक भावुक पल है। मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता। लेकिन मेरे पिताजी आए और कहा कि भगवान हनुमान सब संभाल लेंगे। क्या वह ऐसे ही संभालते हैं। यह सोचकर मुझे गुस्सा आ रहा है।' उन्होंने आगे कहा 'जब मेरे पिता ने हनुमान के बारे में बात की और सफलता के लिए उनके आशीर्वाद पर निर्भर रहने को कहा तो मुझे बहुत गुस्सा आया।'

राजामौली पर दर्ज हुआ केस

राजामौली के इस बयान के बाद उनकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। इसके बाद अब, 'राष्ट्रीय वानर सेना' के सदस्यों ने भगवान हनुमान पर उनकी टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका इल्जाम है कि राजामौली के बयान से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। राजामौली ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है।

फिल्म के बारे में

ख्याल रहे कि राजामौली फिल्म 'वाराणसी' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

दीपिका से लेकर प्रीति जिंटा तक, पहली ही फिल्म से इंडस्ट्री पर छाईं ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो डेब्यू फिल्म से ही इंडस्ट्री पर छा गईं। इनमें से कई ऐसी एक्ट्रेसेस भी हैं जो फिल्मी दुनिया के बैकग्राउंड से नहीं आती हैं हालांकि उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई है। इन लोगों ने साबित किया कि अच्छे अभिनय और मेहनत से कामयाबी मिलती है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' (2007) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनके भाव और अभिनय ने लोगों को अपना दीवाना बना दिया था। फिल्म में वह ग्लैमरस और मासूम दिखीं। इस फिल्म के बाद से उन्होंने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दीं।

प्रीति जिंटा

1998 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल से' से प्रीति जिंटा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की कहानी के हिसाब से उन्होंने जो अभिनय किया वह अपने आप में मिसाल है। इस फिल्म के बाद प्रीति जिंटा, शाहरुख खान के साथ 'वीर जारा' और 'कल हो ना हो' में नजर आईं।

भूमिका चावला

भूमिका चावला उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं जो रातों-रात स्टार बन गईं। वह साल 2003 में फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान

खान के साथ नजर आई थीं। फिल्म में उनके अभिनय और भाव ने दर्शकों को मदहोश कर दिया। पहली फिल्म से उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी कि वह एक अनुभवी अभिनेत्री के तौर पर जानी जाने लगीं।

ग्रेसी सिंह

आमिर खान की चर्चित फिल्म 'लगान' (2001) से ग्रेसी सिंह ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने बहुत ही सधी हुई अदाकारी की। इसमें उनके पारंपरिक लुक और उनकी मुस्कान की दर्शकों ने खूब तारीफ की। उन्होंने साबित किया कि अच्छी अदाकारी करने वाले को दर्शक पहचान लेते हैं।

अनुष्का शर्मा

शाहरुख खान की फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' (2008) से अनुष्का शर्मा ने बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों को अपना कायल बना लिया। वह किसी भी फिल्मी परिवार से नहीं आती हैं लेकिन बॉलीवुड में उन्होंने अपने अभिनय के बल अपनी जगह बनाई।

हुमा कुरैशी ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर कसा तंज, बोलीं- आधे से ज्यादा लोगों को ठीक से हिंदी नहीं आती

हुमा कुरैशी ने फिल्मों के बाद वेब सीरीज की दुनिया में भी अलग जगह अपने लिए बना ली है। हाल ही में एक्ट्रेस की सीरीज 'महारानी' रिलीज हुई। इस सीरीज के लिए उन्होंने बिहारी भाषा सीखी। अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए काफी मेहनत की। लेकिन हुमा का मानना है कि बॉलीवुड की स्थिति अलग है। हिंदी सिनेमा से जुड़े होने के बाद भी कई लोगों को बॉलीवुड में हिंदी नहीं आती है। इस बात से हुमा काफी दुखी हैं।

इंग्लिश में दी जाती है स्क्रिप्ट

हाल ही में हुमा कुरैशी ने कहा, 'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री होने के बावजूद आधे से ज्यादा लोग ठीक से हिंदी नहीं जानते हैं। सेट पर बातचीत भी इंग्लिश में होती है। यहां तक कि हमारी स्क्रिप्ट भी इंग्लिश में ही छपती है।

मेरा सवाल है कि आप फिल्में किसके लिए बना रहे हैं? आप इन्हें हिंदी बोलने वाले दर्शकों के लिए बना रहे हैं। तो कम से कम हिंदी तो बोलिए।'

जल्द ही कोई भी भाषा सीख जाती हैं हुमा कुरैशी

पिछले दिनों हुमार कुरैशी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में बताया था कि वह कोई भी भाषा जल्दी सीख जाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर मैं किसी के साथ रोज आधा या एक घंटा बिताऊं, तो उनकी तरह बोलना शुरू कर सकती हूं।'

लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में हुमा

कुछ दिन पहले हुमा कुरैशी को सिंगर हिमेश रेशमिया के म्यूजिक कॉन्सर्ट में देख गया। इस कॉन्सर्ट में वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह के साथ देखा गया। रचित ने हुमा के गले में हाथ डाला हुआ था, यही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। लेकिन अब तक अपने रिश्ते को लेकर हुमा कुरैशी ने कोई बयान नहीं दिया। अपने रिलेशनशिप को पब्लिकली कंफर्म नहीं किया है।

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपने कई नए प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच आज श्रद्धा ने अपनी कुछ बेहतरीन तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इसके साथ ही श्रद्धा ने अपने माथे के तिल को लेकर एक खास सवाल किया है।

श्रद्धा का पोस्ट

श्रद्धा कपूर ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी तीन तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में श्रद्धा ब्लू रंग की ऑफ शोल्डर ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस नए लुक को श्रद्धा ने गोल्ड ज्वेलरी से इनहैंस किया है। इन तस्वीरों के साथ श्रद्धा ने कैप्शन में लिखा, 'ये फोटोशॉप वाले माथे का तिल क्यों निकाल देते हैं।'

श्रद्धा की पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स

श्रद्धा के इस खास लुक के साथ फैंस ने उनके सवाल का रिप्लाई किया है। एक फैन ने लिखा, 'क्या खूब लगती हो', एक और फैन ने लिखा, 'क्योंकि आपको नजर नहीं लग सकती', एक और फैन ने लिखा, 'इतनी सुंदरता हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।' वहीं श्रद्धा के कई फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल और फायर इमोजी बना रहे हैं।

श्रद्धा कपूर का वर्कफ्रंट

श्रद्धा को आखिरी बार फिल्म 'स्त्री 2' में देखा गया था। श्रद्धा की अगली फिल्म हॉलीवुड की 'जूटोपिया 2' है, जिसके लिए उन्होंने हिंदी में आवाज दी है। इसके अलावा, वह 'स्त्री 3' के लिए भी काम कर रही हैं, जिसकी रिलीज 2027 में होनी है।

गुड़ को डाइट में शामिल करने के स्वादिष्ट तरीके

ठंड में रोजाना गुड़ जरूर खाना चाहिए। जिन लोगों को मीठा खाने की क्रेविंग होती है उनके लिए गुड़ बेस्ट स्वीट का ऑप्शन है। वैसे तो खाने के बाद गुड़ खाना बहुत अच्छा माना जाता है। इससे मुंह भी मीठा हो जाता है और खाना भी जल्दी पच जाता है। अगर आपको ऐसे ही गुड़ खाना पसंद नहीं तो आज हम आपको 5 तरीके बता रहे हैं। आप 1 चम्मच देसी घी मिला दें। आप चाहें तो गुड़ को 1 चम्मच घी डालकर कड़ाही में पिघलाकर भी मूंगफली मिला सकते हैं। इसका स्वाद चिक्की से भी अच्छा लगेगा और इसे खाने से सर्दियों में आपको भरपूर फायदा मिलेगा।

तिल और गुड़- गुड़ को तिल के साथ खाना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। आप मूंगफली की तरह ही हैं और जब भूख लगे गुड़ चना खा सकते हैं। इससे शरीर को तुरंत एनर्जी और भरपूर पोषण मिलेगा।

गुड़ और घी- खाने के बाद अगर कुछ मीठा खाने का मन होता है तो आप गुड़ को हल्दा गर्म करके उसमें घी मिलाकर खा सकते हैं। घी गुड़ से आप रोटी भी खा सकते हैं। इस तरह गुड़ खाने से शरीर को भरपूर फायदा मिलता है।

इस तरह अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर सकते हैं। इससे न सिर्फ गुड़ का स्वाद बढ़ जाएगा बल्कि आपकी सेहत तो भी कई फायदे मिलेंगे।

गुड़ खाने के 5 सबसे अच्छे तरीके

गुड़ और मूंगफली- ऐसे ही सिर्फ गुड़ खाना पसंद नहीं आता तो आप थोड़ी मूंगफली को सूखा भून लें। अब मूंगफली का छिलका हटा दे और एक बाउल में गुड़ को किसी भारी चीज से दबाते हुए कुचल लें। अब गुड़ और मूंगफली को मिक्स कर लें। टेस्ट बढ़ाने के लिए इसमें तिल को भी हल्का रोस्ट कर लें। अब तिल को थोड़ा ग्राइंड कर लें या ऐसे ही गुड़ में मिला लें। गुड़ को कड़ाही में डालकर नरम कर लें या फिर कूटकर उसे मुलायम कर लें। अब गुड़ और तिल को अच्छी तरह मिक्स कर लें और 1 चम्मच देसी घी मिला दें।

गुड़ और चना- सर्दियों में गुड़ चना खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। गुड़ और चना को ऐसे ही साथ साथ खा सकते हैं। आप चाहें तो चना भी मूंगफली की तरह ही गुड़ में मिलाकर रख सकते

गुड़ का मलीदा- किसी दिन कोई सब्जी बनाने का मन नहीं है तो आप गुड़ का मलीदा बनाकर खा सकते हैं। इसके लिए गेहूं, बाजरा या मक्का किसी भी आटे की रोटी बनाकर अच्छी तरह से मसल लें। रोटी को मिक्सी में डालकर भी बारीक पीस सकते हैं लेकिन हाथ से बारीक करने में रोटी मुलायम रहती है अब गुड़ को बारीक टुकड़ों में तोड़कर रोटी के साथ मिक्स करते जाएं। एकदम बारीक कर लें और फिर घी डालकर इसे खाएं। आपका पेट भी आसानी से भर जाएगा और खाने में मजा भी आएगा।

कभी नहीं रिश्ते में आएगी खटास पति-पत्नी गांठ बांध लें ये बातें

खुलकर बातचीत

चुप रहकर समस्याएं नहीं सुलझती हैं। इसलिए पती-पत्नी को खुलकर अपनी बातें रखनी चाहिए। कई बार मन में बातों को रखने से गलतफहमियां बढ़ती हैं जो रिश्ते को खत्म कर सकती है। ऐसे में रात को सोने से पहले 10 मिनट जरूर बात करें।

सम्मान

सम्मान किसी भी रिश्ते का जड़ होता है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में एक-दूसरे का सम्मान न हो तो रिश्ते टूट जाते हैं। इसलिए एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, भावनाओं, काम का सम्मान करना चाहिए।

गुस्से पर कंट्रोल

गुस्सा प्यार का दुश्मन होता है। गुस्से से रिश्ते बिगड़ते हैं। ऐसे में जब भी गुस्से में कपल्स एक-दूसरे से बहस हो तो तुरंत प्रतिक्रिया न दें। आप अपनी बातों को पार्टनर का गुस्सा शांत होने के बाद रखें।

धन्यवाद और सॉरी है जरूरी

किसी भी रिश्ते में धन्यवाद और सॉरी बेहद जरूरी है। पति-पत्नी को एक-दूसरे को सॉरी, धन्यवाद बोलना चाहिए। इससे रिश्ते में कभी दरार नहीं आएगी।

एक-दूसरे को समय दें

रिश्ते में एक-दूसरे समय देना बेहद जरूरी है। अक्सर देखने को मिलता है कि कपल्स एक-दूसरे को टाइम देने की जगह फोन में ज्यादा समय बिताते हैं। इसलिए ऐसा करने से बचें। दिन भर कितना भी व्यस्त रहें, लेकिन समय निकालकर अपने पार्टनर के साथ 20 मिनट जरूर बैठें।

छोटी छोटी खुशियां

रिश्ते बड़े नहीं बल्कि छोटी छोटी खुशियों से चलते हैं। जैसे साथ चाय पीना, साथ वॉक करना, डेट पर जाना। ये सारी चीजें पार्टनर को एक-दूसरे के करीब लाती है।

सर्दियों में बीमारियां रहेंगी दूर बस घर पर बनाकर खाएं खट्टी-मीठी आंवला लौंजी

आंवला एक सुपरफूड है जिसका सेवन सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे पहुंचा सकता है। सर्दियों में बाजार में आंवले खूब बिकते हैं। इनसे लोग अलग अलग तरह की डिशेज भी बनाते हैं। कोई आंवला की चटनी खाना पसंद करता है, तो कोई मुरब्बा, तो किसी को आंवले का अचार पसंद आता है। लेकिन क्या

आपने कभी आंवले की लौंजी खाई है। ये स्वादिष्ट होने के साथ साथ सेहत का भी खजाना माना जाता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है जिससे वायरल इंफेक्शन का खतरा कम रहता है। ऐसे में अगर आप घर पर स्वादिष्ट आंवले की लौंजी बनाना चाहते हैं तो यहां से आसान सी रेसिपी नोट कर लें।

सामग्री

आंवला – 250 ग्राम
शक्कर – 1 कप (स्वाद अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं)
अदरक – 1 इंच का टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
लौंग – 4-5
इलायची – 2-3
दालचीनी – 1 इंच का टुकड़ा
काली मिर्च – 4-5 दाने (पिसी हुई)
हल्दी – ½ चम्मच
नमक – स्वाद अनुसार
पानी – 1 कप
घी या तेल – 1-2 चम्मच

बनाने की विधि

आंवला तैयार करें

सबसे पहले आंवला को अच्छे से धोकर उसके बीज निकालकर छोटे टुकड़ों में काट लें। आंवला के छोटे टुकड़े बना लें ताकि वह आसानी से पक जाएं।

आंवला उबालें

एक पैन में पानी डालकर उसमें आंवला के टुकड़े डालें और उबालें। आंवला को तब तक उबालें जब तक वह नरम न हो जाएं।

गर्म मसाले तैयार करें

एक कढ़ाई में घी या तेल गरम करें। उसमें लौंग, इलायची, दालचीनी डालकर तड़कने दें।

अदरक और हल्दी डालें

अब उसमें कद्दूकस किया हुआ अदरक डालें और हल्का सा भून लें। फिर उसमें हल्दी और काली मिर्च डालकर अच्छे से मिला लें। उबले हुए आंवला के टुकड़े डालकर उन्हें मसाले के साथ अच्छे से मिला लें। फिर शक्कर और नमक डालें। शक्कर घुलने तक पकाएं। अब एक कप पानी डालकर इसे मध्यम आंच पर पकने दें। 10-15 मिनट तक पकाने के बाद लौंजी गाढ़ी हो जाएगी और स्वाद में भी बढ़िया आ जाएगी। जब लौंजी गाढ़ी हो जाए, तो आंवला लौंजी तैयार है। आप इसे गरम-गरम या ठंडा करके सर्व कर सकते हैं।

बचपन को मोबाइल फोन से रखें दूर वर्ना लग जाएगी लत

पढ़ाई, गेम, सोशल मीडिया और वीडियो की दुनिया ने बच्चों को मोबाइल स्क्रीन से बांध दिया है। कई घरों में हालात ऐसे हैं कि बच्चा सुबह आंख खुलते ही मोबाइल ढूंढता है और रात को उसी के साथ सोता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आदत अब बचपन की सबसे बड़ी दुश्मन बनती जा रही है जिसके लिए बच्चे को बचपन से मोबाइल से दूर रखना जरूरी है नहीं तो यह आगे चलकर भयावह और आक्रामक लत का रूप ले लेगी।

डॉ. के अनुसार, मोबाइल की लत बच्चों के व्यवहार, सोच और मानसिक विकास पर गंभीर असर डाल रही है। अब ऐसे बच्चे सामने आ रहे हैं जो फोन न मिलने पर बेचैन हो जाते हैं, गुस्सा करते हैं या खुद में सिमटने लगते हैं। कुछ बच्चे परिवार से दूरी बनाकर डिजिटल दुनिया में खो जाते हैं। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में हो रहे बदलाव को समझना जरूरी है। अगर बच्चा हर वक्त मोबाइल के साथ रहता है, फोन छीनने पर चिड़चिड़ा हो जाता है, पढ़ाई में मन नहीं लगता या स्कूल का प्रदर्शन गिरने लगता है तो ये शुरुआती संकेत हैं।

सिर्फ रोकना नहीं, समझाना जरूरी

नागरिक अस्पताल से मनोरोग विभाग से काउंसलर संतोश ने बताया कि बच्चों से मोबाइल छीन लेना या उन्हें डांटना स्थिति को और खराब कर सकता है। सही तरीका यह है कि धीरे-धीरे मोबाइल के उपयोग का समय घटाया जाए और उनका ध्यान दूसरी गतिविधियों की ओर मोड़ा जाए। अगर बच्चे को खेलने, सीखने या परिवार से जुड़ने के अवसर मिलेंगे तो वह डिजिटल दुनिया से खुद-ब-खुद दूरी बनाने लगेगा। जब बच्चा किसी सकारात्मक कार्य में व्यस्त रहेगा तो उसे मोबाइल की कमी महसूस नहीं होगी।

माता-पिता खुद बनें उदाहरण

डॉ. का कहना है कि बच्चे वही करते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते देखते हैं। अगर माता-पिता खुद हर वक्त मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, तो बच्चों से बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसलिए सबसे पहले बड़ों को खुद डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। परिवार में दिन का एक समय ऐसा तय करें जब सभी सदस्य मोबाइल से दूर रहें और एक-दूसरे से बात करें। इससे न केवल पारिवारिक जुड़ाव बढ़ेगा बल्कि बच्चे में आत्मीयता और भावनात्मक संतुलन भी बनेगा।

मोबाइल की लत के लक्षण

रात को देर तक वीडियो देखना, गेम में समय का पता न चलना, परिवार या दोस्तों से बातचीत कम करना और फोन न मिलने पर बेचैनी महसूस होना भी मोबाइल निर्भरता के लक्षण हैं।

मोबाइल की लत से नुकसान

ध्यान की कमी, नींद की समस्या, आंखों में तनाव, अवसाद और आत्म मुग्धता, आत्मविश्वास में कमी।

सोशल मीडिया पर छाया नया रिलेशनशिप ट्रेंड, क्या है बर्ड थ्योरी और क्यों कपल्स अपना रहे

रिश्तों की दुनिया में हर दिन कोई न कोई नया ट्रेंड जन्म लेता है। कभी बेर मिनिमम थ्योरी, कभी ग्रीन फ्लैग चेक और अब छाया है बर्ड थ्योरी ।

इंस्टाग्राम पर लाखों लोग इस ट्रेंड पर वीडियो बना रहे हैं और कह रहे हैं, "अगर आपका पार्टनर आपको बर्ड थ्योरी जैसा ट्रीट करता है, तो समझिए रिश्ता सही दिशा में है।" लेकिन आखिर क्या है ये बर्ड थ्योरी जो आज रिलेशनशिप की पहचान बन चुकी है?

क्या है बर्ड थ्योरी?

बर्ड थ्योरी की शुरुआत सोशल मीडिया क्रिएटर Allison Piwowarski के एक वीडियो से हुई। उन्होंने कहा, "अगर आपका पार्टनर किसी छोटे से पक्षी को देखकर एक्साइटेड हो जाता है, और वो खुशी आपसे शेयर करता है, तो वो आपको और इस रिश्ते को भी उतनी ही इमोशनल इंपॉर्टेंस देता है।

यानी बर्ड थ्योरी का मतलब है, जब कोई व्यक्ति अपनी छोटी-

छोटी खुशियों को आपके साथ साझा करता है, तो वह असल में रिश्ते को जीवंत रखता है। यह थ्योरी बताती है कि रिश्ता तभी मजबूत होता है, जब पार्टनर्स एक-दूसरे के रोज़मर्रा के अनुभवों में दिलचस्पी लें।

बर्ड थ्योरी रिश्ते में क्यों है जरूरी?

आज की व्यस्त जिंदगी में कपल्स अक्सर एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। बर्ड थ्योरी इस दूरी को कम करने का एक सिंपल लेकिन असरदार तरीका बताती है। अगर आपका पार्टनर किसी छोटी चीज जैसे कि उड़ते पक्षी, सुंदर आसमान या नए गाने को देखकर मुस्कान के साथ आपके पास आता है, तो वो न सिर्फ उस पल को साझा कर रहा है बल्कि आपके साथ अपने इमोशनल स्पेस को भी बांट रहा है। ये थ्योरी इस बात पर जोर देती है कि रिश्ते में ध्यान देना ही प्यार की असली भाषा है।

बर्ड थ्योरी अपनाने के फायदे

भावनात्मक जुड़ाव बढ़ता है

जब आप छोटी-छोटी चीज़ों में एक-दूसरे की रुचि लेते हैं, तो इमोशनल बंधन मजबूत होता है।

बेहतर संचार

इस थ्योरी से बातचीत का सिलसिला बढ़ता है, जिससे रिश्ता खुला और ईमानदार बनता है।

रिश्ते में नई ऊर्जा

यह थ्योरी रिश्ते को बोरिंग होने से बचाती है और रोमांस को फिर से जीवित करती है।

एक-दूसरे की परवाह दिखती है इसमें पार्टनर महसूस करता है कि उसकी भावनाएं मायने रखती हैं। ये थ्योरी दिखाती है कि लोगों को अपने पार्टनर की कितनी परवाह है।

मानसिक शांति और सकारात्मकता

रिश्ते में छोटी खुशियों पर ध्यान देने से तनाव कम होता है और खुशी बढ़ती है।

बर्ड थ्योरी के नुकसान या सीमाएं

हर थ्योरी की तरह, इसके भी कुछ सीमाएं हैं, जैसे

हर व्यक्ति भावनात्मक नहीं होता। कुछ लोग छोटी-छोटी बातों को शेयर नहीं करते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो कम प्यार करते हैं।

इसमें उम्मीद बढ़ सरती है। अगर एक पार्टनर हर बात शेयर करता है और दूसरा नहीं, तो असंतुलन या तुलना की भावना आ सकती है।

सच बनाम सामाजिक व्यवहार यानी कई बार लोग सोशल मीडिया के लिए दिखावा करते हैं, जबकि असल जीवन में कनेक्शन कम होता है।

आंखों की रोशनी छीन रही मोबाइल स्क्रीन 40 फीसदी बच्चों की आंखें कमजोर

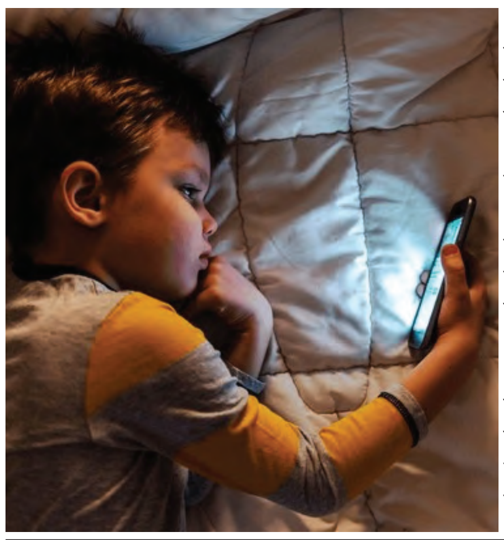

7000 बच्चों की नेत्र रोग संबंधी जांच में करीब ढ़ाई हजार बच्चों की आंखों में बीमारी सामने आई है। जांच में 40 फीसदी बच्चों की आंखें कमजोर मिली हैं। चिकित्सकों ने इसे चिंता का विषय बताया है। चिकित्सकों ने कहा कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों की आंखें खराब हो रही हैं जिससे निकट दृष्टि दोष, आंखों में सूखापन, खिंचाव और धुंधलेपन जैसी समस्याएं हो रही हैं। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ता है और पलकें कम झपकाए जाने के कारण आंखों में सूखापन हो रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की स्कूल हेल्थ टीम ने स्कूलों में पांच दिवसीय जांच शिविर का आयोजन किया था। टीम ने कई स्कूलों में बच्चों की आंखों को जांचा। वहीं आंखें कमजोर पाए जाने पर टीम के सदस्यों की ओर से 2300 बच्चों को चश्मे बांटे गए। टीम ने 12 हजार बच्चों की काउंसलिंग का लक्ष्य रखा था और 2200 बच्चों को चश्मे वितरित करने का लक्ष्य था।

बच्चों की जांच के लिए टीमें गठित

डॉ. करुणा ढींगरा ने बताया कि प्रदेशभर के जिला अस्पतालों में शून्य से पांच साल तक के बच्चों की जांच के लिए टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें गांव में जाकर आंगनबाड़ी केंद्र और स्कूल आदि से डाटा जुटाकर जिला अस्पताल में बने डीआईसी सेंटर में जन्मजात रोगों की जांच के लिए बच्चों को भेजती हैं। उसके बाद बच्चों को ऑपरेशन आदि के लिए पीजीआई चंडीगढ़ व अन्य अस्पतालों में भेजा जाता है।

बच्चे देर तक जागते हैं? इन टिप्स से सुधारें उनकी सोने की आदत

अगर आपका बच्चा भी अक्सर आपके साथ देर रात तक जागता है, तो ये उसकी सेहत और पढ़ाई दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है। बच्चों की अच्छी नींद उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन कई बार इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, टीवी, मोबाइल या आदतों की वजह से बच्चे देर तक जागते रहते हैं। इसके चलते उनका ध्यान स्कूल और पढ़ाई पर कम हो सकता है और उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

ऐसे में बचपन से ही उनके लिए सही समय पर सोने की आदत डालना महत्वपूर्ण है। तो अगर आप भी अपने बच्चे की आदत को बदलना चाहते हैं तो कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप अपने बच्चे की नींद की आदत में सुधार ला सकते हैं और उसे रात में समय पर सोने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस खबर में हम आपको बताएंगे कुछ प्रभावी उपाय जो बच्चों को जल्दी और अच्छी नींद लेने में मदद करेंगे।

सोने से पहले बनाएं रूटीन

बच्चों को नियमित सोने की

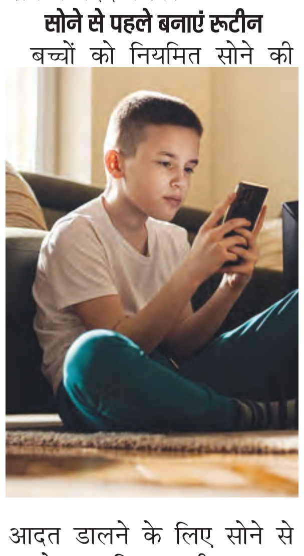

आदत डालने के लिए सोने से पहले एक स्थिर रूटीन बनाना बेहद जरूरी है। इसमें हल्की किताबें पढ़ना, कहानी सुनना या कुछ मिनट आराम करना शामिल हो सकता है। रूटीन से बच्चा मानसिक और शारीरिक रूप से रिलैक्स होता है और उसके शरीर को संकेत मिलता है कि अब सोने का समय है।

आरामदायक वातावरण बनाएं

बच्चे के कमरे का माहौल नींद के लिए आरामदायक होना चाहिए। कमरे का तापमान न ज्यादा ठंडा हो और न ज्यादा गर्म। रोशनी हल्की हो और शोर-शराबे से दूर हो। इसके साथ-साथ आरामदायक चादर, तकिया और कंबल भी मदद करते हैं। एक शांत और कंफर्टेबल वातावरण में बच्चा जल्दी सोता है और अच्छी

गुणवत्ता की नींद ले पाता है।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का समय कम करें

सोने से कम से कम 1 घंटे पहले मोबाइल, टीवी, टैबलेट और गेमिंग जैसी डिवाइस बंद कर दें। स्क्रीन की नीली रोशनी मस्तिष्क में मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है, जो नींद लाने में मदद करता है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को सीमित करने से बच्चा जल्दी थकता है और प्राकृतिक तरीके से नींद में जाता है।

दिनभर एक्टिव रखें

दिन में बच्चों को पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और खेल-कूद में व्यस्त रखें। इससे उनका शरीर थक जाता है और रात में नींद जल्दी आती है। बाहरी खेल, योग, दौड़-भाग या हल्की एक्सरसाइज बच्चों को ऊर्जा खर्च करने में मदद करती है। सक्रिय दिनचर्या से न सिर्फ नींद आती है बल्कि बच्चा मानसिक रूप से भी शांत रहता है।

चीन दबाकर बैठा है सारा माल अमेरिका का होने वाला है बुरा हाल

रह गई केवल कुछ महीने की सप्लाई

नई दिल्ली,18 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्तियों अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। रेयर अर्थ की ग्लोबल सप्लाई चेन पर चीन का दबदबा है और इसे स्ट्रैटजिक हथियार के रूप में यूज कर रहा है। अमेरिका चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहा है।

हाल में चीन ने अमेरिका को रेयर अर्थ की सप्लाई बहाल की है लेकिन वह अब भी कुछ दुर्लभ धातुओं का एक्सपोर्ट नहीं कर रहा है। इनमें यट्रियम भी शामिल है। चीन ने कई महीनों से अमेरिका के लिए इसकी सप्लाई रोक लगा रखी है। यट्रियम का यूज हाई टेंपरेचर सेमीकंडक्टर, जेट इंजन, एडवांस्ड कोटिंग, मिसाइल सिस्टम्स, लेजर और स्पेशलाइज्ड सिरैमिक्स बनाने में होता है। चीन ने अप्रैल से इसका एक्सपोर्ट 30 फीसदी कम कर दिया है। अप्रैल से पहले अमेरिका इसका 93 फीसदी आयात चीन से करता था जबकि बाकी 7 फीसदी हिस्सा चाइनीज प्रोसेस्ड मटीरियल्स से आता था। चीन से एक्सपोर्ट बंद होने के कारण अमेरिका में इसकी सप्लाई काफी कम हो गई है। एक ट्रेडर के मुताबिक देश में इसका भंडार 200 टन से घटकर केवल 5 टन रह गया है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि यह कुछ महीनों में ही निपट जाएगा।

चीन की क्षमता

जानकारों का कहना है कि यट्रियम अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी पाया जाता है। लेकिन अधिकांश देशों के पास इसे प्रोसेस करने की क्षमता नहीं है। रेयर अर्थ को रिफाइन करना बहुत मुश्किल काम है और चीन ने अपनी क्षमता विकसित करने में कई दशक खपाए हैं। यट्रियम को रिफाइन करने के कई तरीके हैं। लेकिन इनमें से ज्यादा पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं।

'भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द मिलेगी अच्छी खबर'

गोयल बोले- किसानों और मछुआरों के हित प्राथमिकता

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संकेत दिया कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जल्द सकारात्मक घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि जैसे ही समझौता न्यायसंगत, संतुलित और दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी होगा, आपको अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की भी रक्षा करेगा। गोयल न इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में कहा कि व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के हितों को देखना होगा। भारत और अमेरिका मार्च से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

विदेशी निवेश को बढ़ाने पर दिया जोर

इस बीच गोयल ने कहा कि वह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा के लिए हितधारकों के साथ बैठक कर रहे हैं। इसके लिए प्रक्रियाओं को तेज, सुचारू और अधिक कुशल बनाया जाएगा।

निवेश से देश को होंगे कई फायदें

मंत्री ने कहा कि निवेश से रोजगार सृजन होगा, नई प्रौद्योगिकियां आएंगी, अनुसंधान एवं विकास व नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इससे रक्षा विनिर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा, घरेलू मुद्रा को अधिक स्थिरता मिलेगी जिससे मुद्रास्फीति को और कम करने में मदद मिलेगी।

आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने का दिया सुझाव

गोयल ने कहा कि हमें नीतिगत निश्चितता और स्थिर मुद्रा व सम्पूर्ण निवेश पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में निवेशकों में विश्वास देखने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने उद्योग को अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने व एक ही क्षेत्र पर निर्भरता कम करने का भी सुझाव दिया।

गिरावट के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 278 अंक टूटा, निफ्टी 26000 के नीचे

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच आईटी, धातु और पूंजीगत सामान कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से छह दिन से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया। भारतीय बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक या 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,673.02 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 392.59 अंक या 0.46 प्रतिशत गिरकर 84,558.36 अंक पर आ गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.40 अंक या 0.40 प्रतिशत गिरकर 25,910.05 पर आ गया।

शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा के अनुरूप मंगलवार को सीमित दायरे में कारोबार के दौरान रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की गिरावट के साथ 88.61 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इटरनल, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर लाभ में रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हाल में आई तेजी के बाद निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली से घरेलू शेयर बाजार में गिरावट आई। यह गिरावट कमजोर वैश्विक धारणा को दर्शाती है। दिसंबर में अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई है, जिससे धारणा प्रभावित हुई है। मजबूत डॉलर के बीच आईटी, धातु और रियल्टी शेयरों में गिरावट आई है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक तेजी से नीचे बंद हुए। यूरोपीय बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.40 प्रतिशत गिरकर 63.94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 442.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 1,465.86 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को लगातार छठे दिन तेजी के साथ सेंसेक्स 388.17 अंक या 0.46 प्रतिशत चढ़कर 84,950.95 पर बंद हुआ। निफ्टी 103.40 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 26,013.45 पर बंद हुआ।

नेस्ले, गोदरेज, इमामी... बड़े उलटफेर की तैयारी में मुकेश अंबानी

आधी कीमत पर माल बेचेगी रिलायंस

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का पेट फूड्स यानी पालतू जानवरों के खाने का बाजार तेजी से बढ़ रहा है।

अब इस मार्केट में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स भी उतरने की तैयारी में है। रिलायंस अपने पेट फूड्स को बाजार में मौजूद बड़े नामों जैसे नेस्ले, मार्स, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और इमामी की तुलना में आधे दाम पर बेचने की योजना बना रही है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रिलायंस ने अपने वितरकों और व्यापारिक साझेदारों को बताया है कि वे अपने ब्रांड वैगीज़ को मौजूदा कंपनियों के मुकाबले 20-50% सस्ता बेचेगी। यह वैसी ही रणनीति है जैसी रिलायंस ने कोला बाजार में अपनाई थी। एक अधिकारी ने बताया कि ये पेट फूड्स सामान्य दुकानों और छोटे शहरों में भी आसानी से उपलब्ध होंगे। इस बारे में आरसीपीएल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। रिलायंस सॉफ्ट ड्रिंक्स, जूस, एनर्जी ड्रिंक्स, पानी और रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों को मौजूदा कंपनियों के मुकाबले 20-40% कम दाम पर बेच रही है। इस वजह से कई कंपनियां अपने ग्राहकों के लिए खास ऑफर ला रही हैं, अपने डीलरों को ज्यादा मार्जिन दे रही हैं या फिर छोटे और सस्ते पैक बाजार में उतार रही हैं। हालांकि रिलायंस का कोई भी ब्रांड अभी तक पूरे देश में नहीं फैला है।

60 करोड़ ग्राहकों पर नजर

रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डायरेक्टर टी. कृष्णकुमार ने जून में एक इंटरव्यू में कहा था कि कंपनी मार्च 2027 तक अपने कंज्यूमर पोर्टफोलियो को पूरे देश में उपलब्ध कराना चाहती है। कृष्णकुमार कोका-कोला के प्रमुख रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि आरसीपीएल की रणनीति 60 करोड़ आम ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने की है। कंपनी परचून की दुकानों के साथ मिलकर काम कर रही है और उन्हें आज के हिसाब से मार्जिन दे रही है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का पेट केयर बाजार 2028 तक दोगुना होकर 7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो अभी 3.5 अरब डॉलर है। साल 2019 में जहां भारत में पेट्स की संख्या 2.6 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह बढ़कर 3.2 करोड़ हो गई । पेट-केयर कैटेगरी में बड़े ब्रांड्स में पेडिग्री, पुरीना, सुपरटेल्स और रॉयल कैनिन शामिल हैं।

दूसरी तिमाही में जीडीपी दर 7.5% के आसपास रहने की उम्मीद, एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

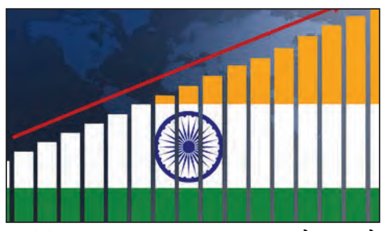

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। एसबीआई ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार निवेश गतिविधियों में तेजी, ग्रामीण खपत में सुधार और जीएसटी सुधार के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा।

सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में तेजी के साथ संरचनात्मक सुधारों से मिल रहा बल

रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में तेजी के साथ-साथ संरचनात्मक सुधारों से भी विकास को बल मिल रहा है। इससे मांग की स्थिति मजबूत हुई है। जीएसटी सुधार का असर देखने को मिल रहा है।

इन क्षेत्रों में दिखी उल्लेखनीय तेजी

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि कृषि, उद्योग और सेवाओं के संकेतकों में उल्लेखनीय तेजी देखी गई है। उपभोग और मांग में वृद्धि दर्शाने वाले प्रमुख संकेतकों की हिस्सेदारी दूसरी तिमाही में बढ़कर 83 प्रतिशत हो गई। वहीं पहली तिमाही में यह 70 प्रतिशत थी, जो आर्थिक गतिविधियों में व्यापक सुधार का संकेत है।

सकल जीएसटी संग्रह में वृद्धि की उम्मीद

राजकोषीय मोर्चे पर, रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर 2025 के लिए सकल घरेलू जीएसटी संग्रह (अक्तूबर 2025 रिटर्न से संबंधित) लगभग 1.49 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। यह साल-दर-साल 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आयात पर संग्रहित आईजीएसटी और उपकर से प्राप्त 51,000 करोड़ रुपये को शामिल करते हुए, नवंबर माह के लिए कुल जीएसटी प्राप्तियां 2.0 लाख करोड़ रुपये को पार कर सकती हैं।

बैंक ने इसका श्रेय त्योहारी सीजन की चरम मांग, कम जीएसटी दरों और बेहतर अनुपालन को दिया है। साथ ही कहा कि अधिकांश राज्यों में सकारात्मक लाभ होने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के बाद सितंबर और अक्तूबर 2025 के त्योहारी महीनों के दौरान खपत में भारी वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके शुरुआती संकेत क्रेडिट और डेबिट कार्ड से खर्च करने के पैटर्न के विश्लेषण से सामने आए हैं। क्रेडिट कार्ड के उपयोग में, ऑटो, किराना स्टोर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्निशिंग और यात्रा जैसी श्रेणियों में, विशेष रूप से ई-कॉमर्स क्षेत्र में, मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

चीन का 9-9-6 भारत के लिए क्या वाकई जरूरी...कौन सी कड़वी गोली खिलाना चाहते हैं नारायण मूर्ति?

नई दिल्ली,18 नवंबर (एजेंसियां)। इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर 72 घंटे के वर्क वीक का सुझाव देकर हलचल मचा दी है। उन्होंने चीन के '9-9-6 रूल' का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले जिंदगी है। फिर वर्क-लाइफ बैलेंस की चिंता करनी चाहिए। मूर्ति का मानना है कि कड़ी मेहनत के बिना कोई भी व्यक्ति, समुदाय या देश आगे नहीं बढ़ सकता।

उन्होंने बताया कि कैटामरन के कर्मचारियों ने चीन के टियर 1, 2 और 3 शहरों का दौरा किया। वहां के '9-9-6 रूल' को समझा। इसका मतलब है सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन काम करना यानी कुल 72 घंटे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी उदाहरण दिया, जो हफ्ते में 100 घंटे काम करते हैं। मूर्ति ने कहा कि यह युवाओं के लिए कड़ी मेहनत और स्मार्ट वर्क का उदाहरण है ताकि वे कम भाग्यशाली लोगों के लिए अवसर पैदा कर सकें। मूर्ति के इस बयान पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। ज्यादातर लोगों ने उनकी बात की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारतीय पहले से ही खराब बुनियादी ढांचे और जीवन यापन की ऊंची लागत से परेशान हैं। एक यूजर ने कहा, 'बढ़िया विचार है सर, लेकिन पहले चीन जैसी सैलरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रहने का खर्च दीजिए। फिर बात करेंगे।' दूसरे यूजर ने कहा, 'भारत को 72 घंटे के वर्क वीक की नहीं, बल्कि किराए, किराने का सामान, स्कूल फीस और पेट्रोल के बराबर सैलरी की जरूरत है। लोग पहले से ही बहुत दबाव में हैं। आप ऐसे लोगों से प्रगति नहीं निचोड़ सकते जो पहले से ही निचोड़े हुए हैं।'

एक अन्य यूजर ने कहा, 'सर, हम पहले से ही सुबह 9 से रात 9, यानी 12 घंटे ट्रैफिक में बिता रहे हैं।' कुछ अन्य यूजर्स ने चीन के 9-9-6 कल्चर को बर्नआउट का रास्ता बताया। अनुभवी उद्योगपति से समझदारी भरे सुझाव देने का आग्रह किया। एक यूजर ने यूरोप का उदाहरण देते हुए कहा, 'यूरोप में एक कहावत है, 10, 5, 5। इसका मतलब है सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक, हफ्ते में 5 दिन काम। वे वॉक पर जाते हैं, ट्रेकिंग करते हैं, दोस्तों से मिलते हैं और जीवन का 'आनंद' लेते हैं। कृपया भारत का सही दिशा में मार्गदर्शन करें, अंकल। हम 'जीना' चाहते हैं!!' एक और यूजर ने कहा, 'चीन के 9-9-6 को कॉपी करने से राष्ट्र नहीं बनता, इससे बर्नआउट बनता है। प्रोडक्टिविटी उचित वेतन और स्मार्ट सिस्टम से आती है, न कि लोगों से 72 घंटे हफ्ते में निचुड़ने से।'मौजूदा संदर्भ में यह समझना जरूरी है कि चीन का 9-9-6 रूल क्या है। दरअसल, यह नियम सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन काम करने का है। यह कुल मिलाकर 72 घंटे का वर्क वीक बनाता है। इस तरह का वर्क कल्चर चीन की कुछ टेक कंपनियों में आम था।

लेकिन, चीन की सरकार ने इसे गैरकानूनी घोषित कर दिया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इससे कर्मचारियों में बड़े पैमाने पर बर्नआउट, खराब वर्क-लाइफ बैलेंस और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही थीं। कई आलोचकों ने इस सिस्टम को 'आधुनिक गुलामी' कहा है। यह चीन के श्रम कानून का उल्लंघन है। इसके विरोध में कुछ कर्मचारियों ने 'लाइंग फ्लैट' आंदोलन शुरू किया, जो कम महत्वाकांक्षी जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

भारत का पहला इलेक्ट्रिक-एयर-टैक्सी हब आंध्र प्रदेश में बनेगा

2 साल में पहली ड्रोन टैक्सी शुरू होगी, सरला एविएशन 1300 करोड़ निवेश करेगी

अनंतपुर,18 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला गीगास्केल इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी हब आंध्र प्रदेश में बनेगा। इसके लिए आंध्र प्रदेश सरकार ने सरला एविएशन के साथ एक एमओयू साइन किया है। राज्य में ईवीटीओएल (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट सेटअप किया जाएगा। ये स्काई फैक्ट्री नाम का प्रोजेक्ट अनंतपुर जिले में लगेगा। जहां इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी जैसे एयरक्राफ्ट बनेंगे।

कंपनी ने पहले फेज में 330 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्लान बनाया है। वहीं कंपनी 2029 तक कॉमर्शियल ऑपरेशंस शुरू कर देगी। ये कदम भारत को ग्रीन मोबिलिटी में आगे ले जाएगा। ये स्काई फैक्ट्री थिम्मासमदुरम में कल्याणदुर्ग मंडल के पास बनेगी, जो 150 एकड़ में फैली होगी। यहां प्रोडक्शन लाइन्स, आर&डी सेंटर्स, कंपोजिट लैब्स और 2 किलोमीटर का रनवे होगा। जहां डीजीसीए के सर्टिफिकेशन के साथ टेस्टिंग होगी। पहले फेज में 330 करोड़ रुपए लगेंगे और दूसरे फेज में 350 एकड़ और बढ़ाकर कुल 1300 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। फैसिलिटी में सरला के फ्लैगशिप शून्य हाइब्रिड वीटीओएल एयरक्राफ्ट के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल हार्नेस सिस्टम्स, लैंडिंग गियर और एडवांस्ड कंपोजिट स्ट्रक्चर्स बनेंगे। पूरी तरह चलने पर ये हब सालाना 1000 नेक्स्ट-जेन एयरक्राफ्ट प्रोड्यूस कर सकेगा। ये मॉडल कैलिफोर्निया और म्यूनिख के ग्लोबल हब्स पर बेस्ड है, जो इंटीग्रेटेड ईवीटीओएल क्लस्टर बनेगा। आंध्र प्रदेश एयरपोर्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रोजेक्ट को फास्ट-ट्रैक करेगी।सरला एविएशन 2023 में कर्नाटक में शुरू हुई कंपनी है, जिसके फाउंडर्स ग्लोबल ईवीटीओएल इंडस्ट्री के वेटरन्स हैं। प्राइवेट इक्विटी फंड एक्सेल ने इसे बैंकिंग दी है। कंपनी सिक्स-सीटर इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सी डिजाइन कर रही है, जो भारत के बड़े शहरों में कम्यूट टाइम कम करेगी। ईवीटीओएल का मतलब है इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग एयरक्राफ्ट, जो बैटरी से चलते हैं। ये वर्टिकल उड़ान, उतरना और होवरिंग कर सकते हैं, जो ट्रेडिशनल प्लेन्स से अलग हैं।

भारत में ये टेक्नोलॉजी नई है, लेकिन ग्रीन मोबिलिटी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। सरला का टारगेट 2029 तक कॉमर्शियल फ्लाइट्स शुरू करना है और ये हब इंडिजिनस डेवलपमेंट को बूस्ट देगा। दुनिया में ईवीटीओएल मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और भारत इसमें ग्लोबल प्लेयर बन सकता है।

सोना 1.21 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया

3 कारोबारी दिनों में दाम 5188 रु. गिरे; चांदी 3,083 गिरकर 1.52 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 18 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,558 रुपए गिरकर 1,21,366 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,22,924 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।वहीं 3 कारोबारी दिनों में सोना 5,188 रुपए सस्ता हो चुका था।

बीते गुरुवार यानी 13 नवंबर को सोना 1,26,554 रुपए पर था। सोने के दाम में शुक्रवार और सोमवार को भी गिरावट रही थी। वहीं शनिवार और रविवार को बाजार बंद था। चांदी 3,083 रुपए गिरकर 1,51,850 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,54,933 प्रति किलोग्राम थी। वहीं 3 कारोबारी दिनों में चांदी का दाम 10,880 रुपए कम हो चुका है।

बीते गुरुवार को ये 1,62,730 रुपए पर थी।आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 45,204 और चांदी 65,833 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 45,204 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,21,366 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 65,833 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,51,850 रुपए प्रति किलो हो गई है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्-2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
सूर्योदय 06-25
सूर्यास्त. 17-36
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष बुधवार 19 Nov
तिथि - चतुर्दशी 09-44 तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - स्वाति 07-59 तक उप विशाखा
योग - सौभाग्य 09-00 तक शोभन
करण - शकुनि 09-44 तक उप चतुष्पाद

गृह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य - वृश्चिक में	वृश्चिक... 06-13 बजे
चंद्र - तुला में	धनु...... 08-27 बजे
मंगल- वृश्चिक में	मकर... 10-34 बजे
बुध - वृश्चिक में	कुंभ..... 12-33 बजे
गुरु कर्क में	मीन.... 14-02 बजे
शुक्र - तुला में	मेष...... 15-38 बजे
शनि मीन में	वृष.... 17-23 बजे
राहु कुंभ में	मिथुन.. 19-22 बजे
केतु सिंह में	कर्क... 21-38 बजे
	सिंह--- 23-48 बजे
	कन्या-- 01-54 बजे
	तुला---- 04-04 बजे

पितृकार्ये अमावस्या

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-01 से 13_26 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-25 - 07-49	शुभ	उत्पात	17-36 - 19-14	अशुभ
अमृत	07-49 - 09-13	शुभ	शुभ.	19-14 - 20-50	शुभ
काल	09-13 - 10-37	अशुभ	अमृत	20-50 - 22-26	शुभ
शुभ	10-37 - 12-01	शुभ	चंचल	22-26 - 00-02	शुभ
रोग	12-01 - 13-26	अशुभ	रोग	00-02 - 01-38	अशुभ
उत्पात	13-26 - 14-50	अशुभ	काल	01-38 - 03-13	अशुभ
चंचल	14-50 - 16-14	शुभ	लाभ	03-13 - 04-49	शुभ
लाभ	16-14 - 17-36	शुभ	उत्पात	04-49 - 06-25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

लालू के कुनबे में कितनी दौलत ?

तेजस्वी से चार गुना अमीर हैं रोहिणी, तेज प्रताप संपत्ति के मामले में सबसे पीछे

पटना, 18 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बिहार चुनाव के नतीजों में राजद को बड़ी हार का समना करना पड़ा। पार्टी की राजद के बाद लालू यादव के परिवार की कलह भी खुलकर सामने आ गई। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने परिवार पर आरोप लगाते हुए एक पोस्ट किया। रोहिणी ने लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं। रोहिणी ने अपने पोस्ट में कहा कि उनके ऊपर आरोप लगाया गया कि उन्होंने करोड़ों रूपए लिए , टिकट लिया तब अपनी किडनी पिता को दी।

लालू के कुनबे में मची इस सियासी रार में राजनीति और रिश्तों के साथ संपत्ति तक की बात हो रही है। लालू के नौ बच्चों में किसके पास कितनी संपत्ति है? खुद लालू और राबड़ी कितनी संपत्ति के मालिक हैं? परिवार से बेदखल किए गए तेज प्रताप संपत्ति के मामले में अपने भाई और बहनों के मुकाबले कहां हैं? तेजस्वी और रोहिणी के पास कितनी संपत्ति है?

सबसे पहले बात पूरे विवाद का केंद्र बने तेजस्वी की कुल संपत्ति

लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव दो बार बिहार के उप-मुख्यमंत्री रह चुके हैं। राजनीति में आने से पहले तेजस्वी क्रिकेट खेलते थे। वह इस बार बिहार विधानसभा में राघोपुर से एक बार फिर जीते हैं। चुनाव आयोग को बताई गई जानकारी के अनुसार तेजस्वी के पास कुल नौ करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। इसमें 7,12,87,812 रुपये की चल संपत्ति और 1,88,50,000 रुपये की अचल संपत्ति है।

तेज प्रताप यादव की संपत्ति छोटे भाई की एक तिहाई से भी नहीं

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। 2025 के बिहार चुनाव में परिवार और पार्टी से अलग होने के बाद उन्होंने खुद का दल जनशक्ति जनता दल बनाया। इसी पार्टी के टिकट पर महुआ सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। तेज प्रताप ने अपने चुनावी हलफनामे में जो जानकारी दी है उसके अनुसार उनकी कुल संपत्ति 2,88,13,543 रुपये की है। इसमें 91,65,628 रुपये की चल और 1,96,47,914 रुपये की अचल संपत्ति है।

पाटलीपुत्र की सांसद मीसा भाइयों से ज्यादा अमीर

लालू और राबड़ी देवी के बच्चों में सबसे बड़ी मीसा भारती हैं। मीसा की शादी 1999 में

सॉफ्टवेयर इंजीनियर शैलेश कुमार से हुई है। शैलेश अब खुद की कंपनी चलाते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में मीसा पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से जीतीं थीं। इससे पहले वो पार्टी की राज्यसभा सांसद भी रहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में दिए हलफनामे में मीसा ने अपनी कुल संपत्ति 10,26,19,562 रुपये बताई है।

इसमें 6,38,99,562 रुपये की चल और 3,87,20,000 रुपये की अचल संपत्ति है। इस संपत्ति में 1,79,00,000 की अचल और 1,46,48,026 की चल संपत्ति खुद मीसा के नाम पर है। बाकी संपत्ति उनके पति और बच्चों के नाम पर है।

रोहिणी आचार्य लालू-राबड़ी की दूसरी बेटी हैं। रोहिणी को 2024 के लोकसभा चुनाव में सारण से चुनाव लड़ाया गया था, हालांकि वे यहां से हार गई थीं। रोहिणी आचार्य 2022 में अपने पिता लालू यादव को किडनी देकर चर्चा में आई थीं। रोहिणी की शादी 2002 में राव समरेश सिंह के साथ हुई है। समरेश कंप्यूटर इंजीनियर हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार रोहिणी के पास कुल 36,62,40,901 संपत्ति है। रोहिणी के पास 10,85,90,718 रुपये की चल और 25,76,50,000 रुपये की अचल संपत्ति है। इस संपत्ति में 12,82,50,000 रुपये की अचल और 5,08,21,352 रुपये की चल संपत्ति खुद रोहिणी के नाम पर है। बाकी संपत्ति उनके पति और बच्चों के नाम पर है।

राजलक्ष्मी यादव के पति सपा विधायक

लालू यादव-राबड़ी की सबसे छोटी बेटी राजलक्ष्मी यादव हैं। राजलक्ष्मी की शादी समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के पोते तेज प्रताप यादव से हुई है। तेज प्रताप भी सक्रिय राजनीति में हैं। सांसद रह चुके तेज प्रताप इस वक्त मैनपुरी जिले की करहल सीट से विधायक हैं। राजलक्ष्मी यादव ने खुद कभी चुनाव नहीं लड़ा है, लेकिन उनके पति ने 2024 के विधानसभा उपचुनाव में करहल सीट से जीत हासिल की थी। यह सीट सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सासंद बनने के बाद छोड़ी थी। तब चुनाव आयोग को दिए गए ब्योरे के अनुसार तेजप्रताप के पास कुल 12,67,72,000 रुपये की संपत्ति है। इसमें 6,22,87,000 की चल संपत्ति और 6,44,85,000 की अचल संपत्ति है। इस संपत्ति में 1,15,15,000 की चल और 75,00,000 रुपये की अचल संपत्ति लालू यादव की बेटी राजलक्ष्मी के नाम पर है। बाकी संपत्ति तेजप्रताप के नाम पर है।

अनुष्का यादव हैं पूर्व विधायक की पत्नी

लालू-राबड़ी की छठवीं बेटी धन्नु उर्फ अनुष्का यादव हैं। अनुष्का की शादी हरियाणा सरकार में मंत्री रहे अजय सिंह यादव के बेटे चिरंजीव राव के साथ हुई है।

चिरंजीव का परिवार अभी भी हरियाणा में सक्रिय राजनीति में है। 2019 में रेवाड़ी सीट से जीते थे। 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी चिरंजीव रेवाड़ी सीट से लड़े, हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2024 के विधानसभा चुनाव में दिए हलफनामे के मुताबिक उनके पास 29,07,01,990 रुपये की संपत्ति है। इसमें 3,15,59,750 चल और 25,91,42,238 रुपये की अचल संपत्ति है। इसमें 1,14,91,250 रुपये की अचल और 32,92,466 रुपये की चल संपत्ति अनुष्का के नाम पर है। बाकी संपत्ति उनके पति चिरंजीवी और उनके बच्चों के नाम पर है। अनुष्का के नाम पर पटना के दानापुर में 1,14,91,250 रुपये का एक प्लॉट है।

लालू की सबसे अमीर बेटी हैं रागिनी यादव

लालू-राबड़ी की चौथी बेटी रागिनी यादव हैं। रागिनी की शादी 2012 में समाजवादी पार्टी के नेता जितेंद्र यादव के बेटे राहुल यादव से हुई है। राहुल ने 2017 और 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा है। हालांकि दोनों बार उन्हें सिकंदराबाद सीट से हार का सामना करना पड़ा है।

2022 के विधानसभा चुनाव में दिए हलफनामे के मुताबिक राहुल के पास कुल 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। इसमें 1,55,02,500 रुपये की चल और 99,08,00,000 रुपये की अचल संपत्ति है। इस संपत्ति में 1,20,00,000 रुपये की अचल और 48,30,500 रुपये की चल संपत्ति रागिनी के नाम पर है। बाकी संपत्ति उनके पति राहुल के नाम पर है। अपने चुनावी हलफनामे में राहुल ने बताया है कि उनकी पत्नी रागिनी के नाम पर बिहार के पटना और फुलवारी शरीफ में खेती की जमीनें हैं।

राबड़ी के नाम पर लालू यादव से ज्यादा संपत्ति

लालू यादव ने 2009 में अपनी संपत्ति का ब्योरा चुनाव आयोग को दिया था। उस समय उनके पास तीन करोड़ के आसपास संपत्ति थी।

उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने 2024 एमएलसी बनने के दौरान चुनाव आयोग को अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया था। इसमें उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 20 करोड़ से ज्यादा बताई। राबड़ी के द्वारा दी गई जानकारी में राबड़ी के पास लालू यादव से कई गुना ज्यादा संपत्ति है।

लालू के नामपर करीब ढाई करोड़ की संपत्ति है। वहीं, राबड़ी के नाम पर करीब 18 करोड़ रुपये की संपत्ति है। लालू राबड़ी की दो बेटियों हेमा और चंदा सियासत में सक्रिय नहीं हैं।

दोनों के पतियों ने भी चुनावी सियासत में किस्मत नहीं आजमाई है, इस वजह से उनके हलफनामे मौजूद नहीं हैं।

एसआईआर वर्किंग में छत्तीसगढ़ 12 राज्यों में 10वें नंबर पर

अब तक 97% फार्म वितरित, डिजिटलाइज हुए 6 .61%, गोवा की परफार्मेंस सबसे अच्छी

रायपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया जारी है। भारत निर्वाचन आयोग इस एसआईआर प्रक्रिया की हर दिन मॉनिटरिंग कर रहा है और अधीनस्थों को जरुरी निर्देश जारी कर रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया वर्किंग की रैंकिंग भी कर रहे है। जिसके आधार पर छत्तीसगढ़ 10वें नंबर पर है। सबसे ज्यादा अच्छा परफार्मेंस करने वाले राज्यों में गोवा पहले नंबर पर है।

चुनाव आयोग ने 17 नवंबर की दोपहर तीन बजे तक की स्थिति जारी की है। गणना पत्रक वितरण और डिजिटलाइज की रिपोर्ट के अनुसार देश के 12 राज्यों में कराई जा रही एसआईआर की कार्रवाई में छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर

पर है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ 7 लाख 36 हजार 241 मुद्रित गणना फॉर्म है। इनमें से 97.67 प्रतिशत फॉर्म का वितरण हो चुका है। इनमें से 14 लाख 2 हजार 544 यानि 6.61 प्रतिशत डिजिटलाइज हो चुके है। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 12 राज्यों के 50 करोड़ 97 लाख 84 हजार 423 वोटर्स में से 50 करोड़ 11 लाख 75 हजार 907 मतदाताओं को गणना पत्रक बांटे जा चुके हैं।

इनमें से चार करोड़ 42 लाख 64 हजार 69 मतदाताओं की गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जो कुल मतदाता संख्या का 8.68 प्रतिशत है। सभी 12 राज्यों में गणना पत्रक वितरण का प्रतिशत 98.32 है।

चुनाव आयोग के आदेश पर प्रदेश के सभी जिलों में गणना पत्रक बांटे जाने का काम बीएलओ कर रहे हैं। बीएलओ जो गणना पत्रक बांट रहे हैं, उसमें तय फार्मेट में चुनाव आयोग मतदाताओं का वेरिफिकेशन करा रहा है। इसमें 2003 में हुई एसआईआर के आधार पर वर्तमान मतदाता के माता-पिता, परिजनों, रिश्तेदारों की मतदाता सूची संख्या के आधार पर वेरिफिकेशन किया जा रहा है।

इस रिपोर्ट के आधार पर शिफ्ट हुए, मृत हो चुके मतदाताओं की पहचान कर मतदाता सूची को फाइनल किया जाएगा।

जमशेदपुर के बिरसानगर लूट कांड का खुलासा

पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को पकड़ा, 1.23 लाख रुपए नगद बरामद

जमशेदपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने बिरसानगर थाना क्षेत्र में 10 नवंबर को विश्वकर्मा इंजीनियरिंग के कैशियर से हुई लूट का खुलासा कर दिया है। इस मामले में मास्टरमाइंड अजीत बेहरा और बाबू सरदार उर्फ नेपु सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 1.23 लाख रुपए नगद, एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक स्कूटी और लूट के पैसों से खरीदा गया एक मोबाइल फोन बरामद किया है। सिटी एसपी कुमार शिवशीष ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी।

उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ में 2 दिन शीतलहर चलेगी

रायपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों तक उत्तर और मध्य क्षेत्र में शीतलहर जारी रहने का अनुमान है। इसके बाद तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम की स्थिति के कारण सुकमा और दंतेवाड़ा में मलेरिया फैलने की आशंका जताई गई है।

सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के एक-दो पॉकेट में भी शीतलहर चल सकती है। इसके अलावा कोरिया, राजनांदगांव, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित कुल 13 जिलों में मौसम विभाग ने शीतलहर यानी कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के असर से प्रदेश में कड़ाके की ठंड महसूस हो रही है। बलौदाबाजार, पेंड्रा और अंबिकापुर में लोग सुबह और

शाम अलाव का सहारा ले रहे हैं। हालांकि, सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त अलाव न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मैदानी क्षेत्रों में दुर्ग इस समय सबसे ठंडा बना हुआ है, जहां रात का तापमान 10.2°C रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 7 डिग्री कम है। रायपुर में भी नवंबर महीने में नौ साल में दूसरी बार रात का तापमान 13°C तक गिरा। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 29.8°C दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.5°C अंबिकापुर में दर्ज किया गया। नवंबर में पिछले 10 सालों में यह पहली बार है जब अंबिकापुर का तापमान इतना कम हुआ है। साल 2024 में अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 7.3°C दर्ज किया गया था, जबकि इस माह का अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.2°C साल 1970 में रिकॉर्ड किया गया था।

नए विधानसभा में 14 दिसंबर से शीतकालीन सत्र

रायपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का आज एक दिन का विशेष सत्र पुराने विधानसभा भवन में आयोजित किया गया। जहां 25 सालों की संसदीय यात्रा पर चर्चा की गई। इस दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्य सदन में मौजूद रहे।

बता दें कि पुराने विधानसभा भवन में आज की चर्चा आखिरी थी। इसके बाद नए विधानसभा भवन में 14 दिसंबर से शीतकालीन सत्र की शुरुआत होगी। 17 दिसंबर तक 4 दिन यह सत्र चलेगा। सत्र के पहले दिन विकसित भारत 2047 पर परिचर्चा होगी।

बीजेपी के सीनियर विधायक अजय चंद्राकर ने आज चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने डॉ रमन सिंह के कार्यकाल को मुख्यमंत्री के रूप में स्वर्णिम युग बताया। चंद्राकर ने सदन में मौजूद पूर्व सीएम भूपेश बघेल से कहा कि आपके मन में छत्तीसगढ़ के लिए कुछ करने की आग थी।

आपने योजनाओं को बजट, संसदीय स्वीकृति नहीं दी। आपकी अच्छी योजनाएं भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। बदनामी आपके हिस्से आई पर आप में आग जरूर है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मीडिया से चर्चा में बताया कि अब से नियमित शीतकालीन सत्र दिसंबर में नवा रायपुर के नए विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा।

विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य विधानसभा की 25 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा करना था। सत्र के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के दो दर्जन से अधिक विधायकों ने अपने अनुभव, संसदीय स्मृतियां और विधानसभा से जुड़े प्रसंग साझा किया।

सत्र को संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है।

नए भवन में शिफ्ट करने का रखा गया प्रस्ताव

इस दौरान स्पीकर रमन सिंह द्वारा विधानसभा के कार्य संचालन को नए भवन में शिफ्ट करने का प्रस्ताव रखा गया। नए भवन में शीत सत्र आयोजित करने के औपचारिक निर्णय पर भी चर्चा की गई।

सत्र के दौरान मौजूदा विधानसभा के सभी विधायकों का एक समूह फोटो भी लिया गया। जिसे विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीकात्मक दस्तावेज माना जाएगा।

मालगाड़ी के कंटेनर पर चढ़ा युवक, मची अफरातफरी

हाईटेंशन तार के नीचे दौड़ने लगा, बिजली काट रेलकर्मियों ने बचाई जान

धनबाद, 18 नवंबर (एजेंसियां)। एक युवक धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी मालगाड़ी के कंटेनर के ऊपर चढ़ गया। वह हाई टेंशन ओवरहेड तार के नीचे दौड़ने-भागने लगा। अफरातफरी मच गई। पता चलने पर रेलकर्मियों ने सबसे पहले ओवरहेड तार की बिजली कटवा दी।

फिर जीआरपी और आरपीएफ ने एक घंटे की मशक्कत के बाद सीढ़ी लगाकर युवक को नीचे उतारा। इस दौरान उसने जवानों व रेलकर्मियों के साथ हाथापाई भी की। इससे उनके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। जांच में पता चला कि युवक विक्षिप्त है।

छात्र की संदिग्ध मौत, जिम्मेदारों पर होगी एफआईआर

एसएसपी बोले- सुरक्षा में लापरवाही बरती, प्रबंधन ने कहा- कैंपस में लगाएंगे सीसीटीवी कैमरा

बिलासपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के तालाब में 23 अक्टूबर को एक छात्र की लाश मिली थी। जिसके बाद से विश्वविद्यालय के सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे।

इस मामले में एसएसपी रजनेश सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि छात्र अर्सलान अंसारी की मौत सुरक्षा में लापरवाही से हुई है। लिहाजा, मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

इस घटना के विरोध में 17 नवंबर को एनएसयूआई ने बड़ा प्रदर्शन किया। एनएसयूआई ने छात्र विरोधी नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही की बात कही। इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने कैंपस की सुरक्षा के

लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित छात्रों की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

बिलासपुर में गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के तालाब में 23 अक्टूबर को छात्र अर्सलान अंसारी की लाश मिली थी। वह B.Sc फिजिक्स थर्ड ईयर का स्टूडेंट था। बिहार के छपरा जिले के कादीपुर गांव का रहने वाला था।

जानकारी के मुताबिक, अर्सलान अंसारी 21 अक्टूबर से लापता था। 23 अक्टूबर को अर्सलान के पिता अर्शद अयूब बिहार से बिलासपुर पहुंचे और कपड़ों के आधार पर बेटे की पहचान की। उन्होंने अपने बेटे की मौत के लिए यूनिवर्सिटी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया था।

दरअसल, 17 नवंबर को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। छात्र संगठन ने यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ हो रहे अन्याय का मुद्दा उठाते हुए निलंबित छात्र सुदीप शास्त्री को फिर से एडमिशन देने की मांग की।

वहीं, अर्सलान अंसारी की संदिग्ध मृत्यु पर गंभीर सवाल उठाए गए। संगठन ने आरोप लगाया कि कैंपस के तालाब में शव मिलने के बाद भी अब तक कोई ठोस जांच नहीं हुई। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग रखी।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली युवक की जान

गिरिडीह, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह के नगर थाना क्षेत्र स्थित नेताजी चौक के पास देर रात हुए सड़क हादसे में अलकापुरी निवासी 28 वर्षीय रोहित सिंह राठौर की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक से घर लौट रहे रोहित को एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह पास से गुजर रहे एक लोडेड ट्रक के नीचे समा गए और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रोहित रात में झंडा मैदान में क्रिकेट मैच देखकर लौट रहा था। इससे पहले उन्होंने कोडरमा सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव को देवघर एयरपोर्ट छोड़ा था। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि मोड़ पर बाइक सबसे पहले सफेद रंग के ट्रेलर से टकराती है और इसके बाद पीछे से आ रहे भारी ट्रक की चपेट में आने से रोहित ट्रक के पहियों में फंस जाता है। हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। गुस्साए लोगों ने सड़क पर रोहित का शव रखकर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने नीचे दबे दूसरे ट्रक को पीछा कर पकड़ भी लिया। उनकी मांग थी कि ट्रेलर चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाए और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए।

एक X पोस्ट से झारखंड की राजनीति में हलचल

रांची, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक के सोमवार को किए गए एक छोटे से पोस्ट ने झारखंड की राजनीति में हलचल बढ़ा दी। उन्होंने लिखा - अब नया बम झारखंड में, हेमंत अब जीवंत होंगे। कुछ ही घंटों में यह वाक्य सोशल मीडिया पर बहस का केंद्र बन गया। यूजर्स लगातार इसका मतलब पूछते रहे, लेकिन आलोक ने कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि यह संकेत है- बिहार चुनाव के बाद देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस से दूरी बनाएंगे। उनके मुताबिक बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और यूपी के क्षेत्रीय दल समझने लगे हैं कि कांग्रेस के साथ रहने से उनका वोट बैंक कमजोर होता है। इसी वजह से आगामी दिनों में सबसे बड़ा बदलाव झारखंड में देखने को मिलेगा। झामुमो कांग्रेस से अलग होने की ओर बढ़ेगा। अजय आलोक की टिप्पणी पर झामुमो ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हेमंत जीवंत हैं, भाजपा का अंत निश्चित है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा है कि झामुमो महागठबंधन से अलग होकर सरकार चलाने के विकल्प पर विचार कर रहा है।

हालांकि तीनों दल इसे अफवाह बताते रहे हैं, लेकिन बिहार चुनाव में झामुमो को एक भी सीट न मिलने पर नाराजगी खुलकर सामने आ चुकी है। चुनाव प्रचार के बीच झामुमो के वरिष्ठ नेता और मंत्री सुदिव्य कुमार ने भी बयान दिया था कि पार्टी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करेगी। चुनाव के बाद भी उन्होंने यही बात दोहराई थी। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि हेमंत सोरेन पूरी तरह सक्रिय हैं और इसी वजह से भाजपा राज्यों में लगातार जमीन खो रही है। उनके मुताबिक एक अकेला मुख्यमंत्री कई नेताओं पर भारी पड़ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा झारखंड को अस्थिर करने की राजनीति कर रही है, जबकि जनता विकास और सम्मान की राजनीति चाहती है।

उत्पाद विभाग की टीम पर हमला

अवैध शराब को लेकर छापेमारी करने गई थी टीम, पुलिसकर्मियों से मारपीट, वर्दी फाड़ी गई

कोडरमा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के तिलैया डैम ओपी क्षेत्र अंतर्गत कांटी गांव में अवैध शराब के धंधे पर रोक लगाने के लिए उत्पाद विभाग की टीम बीती रात छापेमारी करने पहुंची। टीम ने गांव में अवैध शराब बेचने वाले दो आरोपियों को हिरासत में लिया।

इनमें बड़की धमराय निवासी अनिल महतो और धनुकी महतो हैं। कार्रवाई के बाद टीम दोनों आरोपियों को लेकर कोडरमा लौट रही थी। इसी दौरान अंधेरा होने की वजह से टीम बरही थाना क्षेत्र के तिलैया बस्ती के आसपास रास्ता भटक गई।

उत्पाद विभाग के एसआई शिवसागर कुमार ने बताया कि टीम के रास्ता भटकते ही स्थानीय ग्रामीणों ने अचानक अफवाह फैला दी कि गांव में चोर घुस आया है और बच्चा चोरी कर भाग रहा है। इस झूठे हल्ले का मकसद केवल गिरफ्तार किए गए दोनों शराब कारोबारियों को छुड़ाना था। अफवाह फैलते ही आसपास के गुड़ियों विजैया और तिलैया बस्ती के ग्रामीण बड़ी संख्या में जमा हो गए। टीम के वाहनों को चारों ओर से घेर लिया। बताया गया कि जैसे ही टीम ने मौके से निकलने की कोशिश की तो ग्रामीणों ने वाहनों पर पथराव करना शुरू कर दिया। कुछ ही मिनटों में स्थिति बेकाबू हो गई। भीड़ ने सबसे पहले हिरासत में लिए गए अनिल महतो और धनुकी महतो को छुड़ा लिया। इसके बाद गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए और वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने कई पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और उनकी वर्दी तक फाड़ डाली। मुश्किल हालात के बीच उत्पाद विभाग की टीम किसी तरह जान बचाकर मौके से निकलने में सफल रही।

लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से इंडिया लाया जा रहा

बाबा सिद्दीकी और मूसेवाला मर्डर में वांटेड सलमान के घर फायरिंग का आरोप

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। उसके 19 नवंबर को भारत पहुंचने की उम्मीद है। अनमोल पर एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी और पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर का आरोप है। अनमोल का नाम एक्टर सलमान खान के घर पर फायरिंग केस में भी सामने आया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर अनमोल के डिपोर्टेशन की जानकारी दी। इसमें लिखा है- यह ईमेल आपको सूचित करने के लिए है कि अनमोल बिश्नोई को फेडरल गवर्मेंट ने अमेरिका से निकाल दिया है। अपराधी को 18 नवंबर 2025 को डिपोर्ट किया जाएगा।

अनमोल को पिछले साल नवंबर में अमेरिकी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उस पर अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने का आरोप है। अनमोल को भारत की खुफिया जांच एजेंसी एनआईए ने भी अनमोल पर 10 लाख का इनाम रखा है।

12 अक्टूबर 2024 को रात साढ़े 9 बजे मुंबई के बांद्रा के खेर वाड़ी सिग्नल पर महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। मर्डर की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हरीश कुमार, कैथल (हरियाणा) के गुरमैल बलजीत सिंह, बहराइच (उत्तर प्रदेश) के धर्मराज कश्यप और पुणे (महाराष्ट्र) के रहने वाले प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया था। आरोपियों से पूछताछ में जालंधर के रहने वाले जीशान अख्तर का नाम सामने आया था।

ताइवान को लेकर चीन-जापान के बीच भारी तनाव

जापानी पीएम बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंगे, चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे

बीजिंग/टोक्यो, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा।

चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे

बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से

बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी सीसीटीवी ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीन और जापान के बीच बढ़ते तनाव का सबसे बड़ा असर अब हवाई यात्राओं पर दिख रहा है। बीजिंग की ओर से नागरिकों को जापान न जाने की सलाह देने के बाद चीन से जापान की करीब 5 लाख फ्लाइट टिकटें रद्द हो गई हैं। यह संख्या कुल बुकिंग्स का लगभग 32% है। एविएशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रविवार को टिकट कैंसिलेशन की संख्या नई बुकिंग्स से 27 गुना ज्यादा थी। 2020 में कोविड की शुरुआत के बाद पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में टिकटें रद्द हुई हैं।

सबसे ज्यादा कैंसिलेशन शंघाई-टोक्यो और शंघाई-ओसाका रूट पर हुए हैं। एयरलाइंस का अनुमान है कि रिफंड की वजह से अरबों युआन का नुकसान हो सकता है, क्योंकि लगभग 70% टिकटें राउंड-ट्रिप थीं। चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा।

चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है।

साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है। जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर चाकू लेकर दौड़ा युवक

टैक्सी ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की सीआईएसएफ जवानों ने गिराकर चाकू छीना

बेंगलुरु, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक युवक ने टैक्सी ड्राइवर पर चाकू से हमले की कोशिश की है।

घटना रविवार देर रात टर्मिनल-1 के इंट्रेंस की है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

सीसीटीवी में आरोपी युवक सोहेल अहमद तेजी से टैक्सी चालक की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा है और हमले की कोशिश करता है। इस दौरान वहां मौजूद लोग घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे।

मौके पर मौजूद सीआईएसएफ के एएसआई सुनील कुमार और उनकी टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने दौड़कर हमलावर को जमीन पर गिराया और चाकू छीनकर उसे काबू में कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया है।

उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आरोपी का टैक्सी ड्राइवरों से झगड़ा हुआ था

पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी का टैक्सी ड्राइवरों से किसी बात पर झगड़ा हो गया था। इसी गुस्से में उसने लंबा चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की।

हालांकि पुलिस यह भी देख रही है कि क्या यह सिर्फ झगड़े की बात थी या इसके पीछे कोई और वजह छिपी है।

चाकू लेकर कैसे पहुंचा, इसकी जांच जारी

वहीं, पुलिस यह भी पता कर रही है कि आरोपी इतना बड़ा चाकू एयरपोर्ट के पास लेकर कैसे पहुंच गया, उसने चाकू कहां से खरीदा, वहां क्यों लेकर आया और उसकी असल मंशा क्या थी।

इसके लिए पुलिस अब उसके पिछले रिकॉर्ड, काम-काज और हाल के दिनों में उसकी हरकतों की जांच कर रही है।

विवादित समुद्री हिस्से में रसद पहुंचा रही थी फिलीपींस की सेना

मनीला, 18 नवंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस की सशस्त्र सेना ने शुक्रवार को 'सेकंड थॉमस शोल' पर सामान और नौसेना के नए कर्मियों को पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि चीन तटरक्षक और अन्य जहाजों की मौजूदगी के बावजूद यह आपूर्ति बिना किसी अप्रिय घटना के सफलतापूर्वक पूरी हुई। ये चीनी जहाज वर्षों से इस उथले समुद्री इलाके के आसपास तैनात रहते हैं।

हालांकि, अधिकारियों ने अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने मामले की संवेदनशीलता के कारण नाम न बताने की शर्त पर बात की। वहीं, चीन की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है। लेकिन वह पहले भी इस इलाके पर दावा कर चुका है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है। चीन कई बार फिलीपींस को चेतावनी दे चुका है कि वह इस इलाके पर फंसे अपने युद्धपोत बीआरपी सिएरा माद्रे को हटा ले। एक अधिकारी ने बताया कि चीनी तटरक्षक ने इस विवादित इलाके के आसपास संचार जाम किया, जब फिलीपींस की टीम सिएरा माद्रे पर सामान पहुंचा रही थी। ऐसा लगता है कि चीन यह कदम इसलिए उठा रहा है, ताकि अमेरिका और दूसरे देशों के ड्रोन निगरानी न कर सकें, जिन्होंने दक्षिण चीन सागर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद का वादा किया है। फिलीपींस की सेना पिछले साल से अब तक बिना किसी टकराव के 12 बार ऐसे आपूर्ति मिशन कर चुकी है। यह भी संभव हुआ, क्योंकि चीन और फिलीपींस ने जुलाई 2024 में एक अस्थायी गैर-आक्रामक समझौता किया था ताकि इलाके में नई झड़पों को रोका जा सके। हालांकि, अगस्त में चीन ने इस हिस्से पर और अधिक तटरक्षक और संदिग्ध मिलिशिया जहाज भेजे, जिनमें कुछ पर भारी मशीनगनें थीं और साथ में एक हेलिकॉप्टर और एक मानवरहित निगरानी ड्रोन भी था।

सऊदी को एफ-35 देने पर अमेरिकी एजेंसियां चिंतित

चीन को मिल सकती है एडवांस तकनीक, क्राउन प्रिंस के दौरे पर 48 फाइटर जेट की डील संभव

वॉशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर ली है, लेकिन अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां इस फैसले से चिंतित हैं। उनका कहना है कि अगर यह सौदा हुआ तो चीन को इन विमानों की एडवांस तकनीक तक पहुंच मिल सकती है।

सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के अमेरिका दौरे के पर 48 एफ-35 विमानों की डील हो सकती है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वे सऊदी को यह विमान बेचेंगे, क्योंकि वह अमेरिका का मजबूत सहयोगी है। लेकिन पेंटागन के कई अधिकारी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मान रहे हैं।

सऊदी अरब और चीन के बीच पहले से डिफेंस पार्टनरशिप है। पेंटागन के तहत आने वाली डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआइए) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी को एफ-35 मिलने पर चीन उसके जरिए अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक तक पहुंच बना सकता है।

एफ-35 दुनिया का सबसे उन्नत स्टेल्थ फाइटर जेट है। इसकी तकनीक लीक होना अमेरिकी सैन्य बढ़त को कमजोर कर सकता है।

चीन से तकनीक की चोरी का डर क्यों?

चीन लंबे समय से अमेरिकी सैन्य तकनीक की जासूसी कर उसकी नकल करता रहा है।

एक्सपर्ट्स कहना है कि अगर सऊदी और चीन संयुक्त सैन्य प्रोजेक्ट या अभ्यास करते हैं, तो चीन को इन विमानों की रडार-एवॉयडेंस, सॉफ्टवेयर सिस्टम, और सेंसर तकनीक का अध्ययन करने का अवसर मिल सकता है। यही तकनीक चीन के अपने स्टेल्थ फाइटर जे-20 को और मजबूत कर सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि यह सौदा अमेरिका के लिए लंबी अवधि का सुरक्षा जोखिम होगा। वे आशंका जता रहे हैं कि सऊदी के साथ चीन की नजदीकियों को देखते हुए तकनीक की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल होगा।

मिडिल ईस्ट में एफ-35 सिर्फ इजराइल के पास है। अगर चीन को तकनीक का एक्सेस मिलता है तो वह इजराइल की सैन्य बढ़त को भी चुनौती देने वाली नई क्षमताएं बना सकता है।

एफ-35 5वीं जेनरेशन का फाइटर जेट

एफ-35 अमेरिका का 5वीं जेनरेशन का लड़ाकू विमान है। इसे लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने डेवलप किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना में शामिल है। ये पेंटागन के इतिहास का सबसे महंगा विमान है।

ऑस्ट्रेलिया में 368 अरब डॉलर के परमाणु पनडुब्बी सौदे में जासूसी से हड़कंप

कैनबरा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर हड़कंप मच गया है। दावा किया गया है कि इस सौदे में जासूसी का साया है। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑस्ट्रेलिया ने एयूकेयूएस मंच के तहत आठ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण को लेकर समझौता किया है। ऑस्ट्रेलिया का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के दो स्तंभ हैं। पहले स्तंभ के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से 3-5 वर्जीनिया-क्लास की एसएसएन पनडुब्बी खरीदना है और स्तंभ-II के तहत ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम को संयुक्त रूप से एक नई एसएसएन-एयूकेयूएस पनडुब्बी को डेवलप करना है। इसमें अमेरिका अपनी टेक्नोलॉजी देगा और इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2040 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की नौसेना को पनडुब्बियों की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

हालांकि करीब 4 साल पहले ही पनडुब्बियों के डेवलपमेंट के लिए तीनों देशों के बीच 368 अरब डॉलर का समझौता हुआ था, लेकिन अभी तक इसमें कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस साल जून में इस कॉन्ट्रैक्ट की औपचारिक समीक्षा शुरू करने के भी आदेश दिए थे।

लेकिन बाद में डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर महीने में समझौते को हरी झंडी दे दी और ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया कि उन्हें परमाणु पनडुब्बी मिल जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप से हरी झंडी मिलने के कुछ ही हफ्तों बाद ऑस्ट्रेलिया में इस सौदे को लेकर नई चिंता का जिक्र किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इन पनडुब्बियों को लेकर जासूसी की बात की जा रही है।

पुतिन की भारत यात्रा से पहले दोस्त रूस ने दिया बड़ा संकेत

पूरा होगा नौसेना का बहुत पुराना काम

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने की शुरुआत में ही भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के सिलसिले में भारत आने वाले हैं। रूस को लेकर भारत के इस समय अमेरिका समेत उसके पश्चिमी सहयोगियों के साथ जो कूटनीतिक रिश्ते हैं, उसको देखते हुए पुतिन की इस यात्रा पर दुनिया भर की नजरें लगी हुई हैं। लेकिन, लगता है कि भारत और रूस की मित्रता की नींव इतनी गहरी हो चुकी है कि दोनों अपने सामरिक, रक्षा और आर्थिक संबंधों में इनकी वजह से किसी भी तरह से दबाव में आने वाले नहीं हैं। इसी कड़ी में ऐसी जानकारी है कि आने वाले दिनों में दोनों मुल्कों के बीच रूसी सबमरीन एमआरएलसी को लेकर बड़ी घोषणा होने वाली है।

पनडुब्बियों के लिए हो सकती है बड़ी डील

रक्षा सूत्रों ने एनबीटी ऑनलाइन को बताया है कि भारत और रूस इस साल के अंत तक रूसी

सबमरीन एमआरएलसी को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और इसके बारे में बहुत जल्द ही बड़ी घोषणा होने वाली है। दिसंबर की शुरुआत में व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा को देखते हुए इस डील को लेकर संभावनाएं बहुत बढ़ गई हैं और हो सकता है कि इसी दौरान इस डील के बारे में औपचारिक घोषणा कर दी जाए। बता दें कि हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड लंबे समय से रूसी शिपबिल्डिंग कंपनी के साथ रूसी ईकेएम क्लास सबमरीन के लिए मीडियम रिफिट एंड लाइफ सर्टिफिकेशन के लिए चर्चा कर रहा है। इस करार के होने के बाद 25 साल पुरानी पनडुब्बियों की मरम्मत के बाद उसकी उम्र करीब 10 वर्ष बढ़ जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड को मिनी रत्न स्टेट सर्टिफिकेट दिया है। रक्षा मंत्री से यह सर्टिफिकेट एचएसएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कमोडोर गिरिदीप सिंह ने प्राप्त किया है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित डीपीएसयू भवन में रक्षा क्षेत्र की 16 सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की एनुअल परफॉर्मेंस रिव्यू के मौके पर आयोजित किया गया था।

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने साल 2025 को 'सुधारों का साल' घोषित किया और आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत अनुसंधान एवं एंड विकास, स्वदेशीकरण और रक्षा निर्यात पर फोकस रखने पर जोर दिया।

बता दें कि हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने जहाज निर्माण के क्षेत्र में इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, आत्म निर्भरता के दम पर भारत की समुद्री और रक्षा निर्माण की क्षमता को बहुत ही ज्यादा मजबूती दिलाई है। आज की तारीख में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक बनाने में फ्रंट रनर है। स्लिपवे एक्सटेंशन का काम 26 तारीख की शुरुआत में पूरा होने की संभावना है।

इसके साथ ही एचएसएल एक समय पर दो एलपीडी निर्माण की स्थिति में होगा।

तेजस्वी यादव चुनाव जीते नहीं, उन्हें जिताया गया है

उदित राज बोले बिहार इलेक्शन फिक्स था

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता उदित राज ने बिहार चुनाव नतीजों को लेकर एक बड़ा आरोप लगाया है। उदित राज ने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव चुनाव जीते नहीं हैं, बल्कि उन्हें जिताया गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बिहार में वोट काउंटिंग के दिन तेजस्वी यादव शाम तक पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्हें जानबूझकर जिताया गया ताकि शोर-शराबा न हो।

बिहार चुनाव पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, 'साफतौर पर ये मैंडेट मैनपुलेटेड है। अनफेयर है। रिजल्ट अनएक्सपेक्टेड है। निष्पक्ष चुनाव नहीं हुआ है। अखिलेश यादव जहां तक कह रहे हैं कि ये तो लूट नहीं, बल्कि डकैती है। बिहार में वोटों की डकैती की गई की है।' उदित राज

ने कहा, 'जैसे तेजस्वी यादव को इन्होंने (चुनाव आयोग-बीजेपी) जीता दिया। मैं कहूंगा वो जीते नहीं हैं।

इन्होंने जीता दिया है। मतगणना के दिन शाम तक तेजस्वी यादव पीछे चल रहे थे। अब इन्होंने सोचा कि जस्टिफाई करने के लिए चुनाव फेयर हुआ है या चुनाव हुआ भी तो जीता दिया वरना तेजस्वी यादव को भी हरा देते। ये किसी को भी हरा देंगे।'

बीजेपी संविधान बदलने की तैयारी में हैः कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी 2029 में संविधान बदल देगी। उदित राज ने कहा कि, '2027 में संभव है कि वन नेशन वन इलेक्शन लागू कर दें और या तो 2029 में जिस तरह से डकैती बिहार में किया है, उस तरह से करके 400 पार अब ले लेंगे। अब इनको नया तरीका आ गया है। कई चीजें एसआईआर में हैं, कुछ चीजें ईवीएम में हैं और ये संविधान को बदल देंगे। मैं गारंटी से कह रहा हूं कि ये संविधान को खत्म करने जा रहे हैं।

उदित राज ने कहा, 'बात बहुत आगे तक जा चुकी है। तेजस्वी यादव खुद नहीं जीते हैं, उन्हें बीजेपी ने जीता दिया, चुनाव आयोग ने जीता दिया जिससे कुछ लोग ज्यादा शोरशराबा न करें। बिहार चुनाव पहले से फिक्स था। अब आगे से जो चुनाव होंगे वो पहले से फिक्स होंगे कि हमें कितनी सीट लेनी है और कितनी छोड़नी हैं। यह चीन या रूस का मॉडल है जिसे भारत में लागू किया जा रहा है।'

ड्राई-फ्रूट्स बेचने वाले साइबर-ठग, लिंक भेजकर उड़ाए रुपए

रायपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने देशभर में किसान योजना, बैंक ऑफर और आरटीओ चालान के बहाने ठगी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। इन आरोपियों में कोई ड्राई फ्रूट्स बेचता है तो कोई मोबाइल दुकान चलाता है। 18 साल का हैकर मास्टरमाइंड है। वहीं सभी आरोपी 12वीं पास है। आरोपी एपीके फाइल भेजकर ठगी करते थे।

पुलिस ने दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और उत्तरप्रदेश से कुल 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

इजराइली मंत्री बोले- फिलिस्तीनी नेताओं को चुन-चुनकर मारना चाहिए

कहा- यूएन ने फिलिस्तीन को मान्यता दी तो पीए अध्यक्ष को काल कोठरी में डाल दिया जाए

तेल अवीव, 18 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल के सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता मिलने पर वहां के बड़े अधिकारियों को चुन-चुन कर मारा (टारगेट किलिंग) जाना चाहिए। संसद में बोलते हुए ग्विर ने कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की हिम्मत करता है, तो नेतन्याहू फिलिस्तीनी अथॉरिटी के अध्यक्ष महमूद अब्बास को गिरफ्तार करें और काल कोठरी (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में डाल दिया जाए।

उन्होंने नेतन्याहू से मांग की, आपको यह घोषणा करनी होगी कि महमूद अब्बास को कोई छूट नहीं मिलेगी। अगर संयुक्त राष्ट्र इसे मान्यता देता है, तो आपको दिखाना होगा कि आप महमूद अब्बास की गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। वहीं, आज ही यूएन सुरक्षा परिषद ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के गाजा पीस प्लान प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव का मकसद गाजा में शांति बहाल करना है।

विदेश मंत्रालय ने टिप्पणियों को उकसाने वाला बताया। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से बेन-ग्विर को जवाबदेह ठहराने के लिए ठोस उपाय करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह बेन-ग्विर के बयानों के लिए इजराइल सरकार को जिम्मेदार मानता है।

मिराज 2000 लड़ाकू विमान पर ये कैसे निशान बना उड़ा रहा यूक्रेन

रूस की भारी बेइज्जती, मामला क्या है

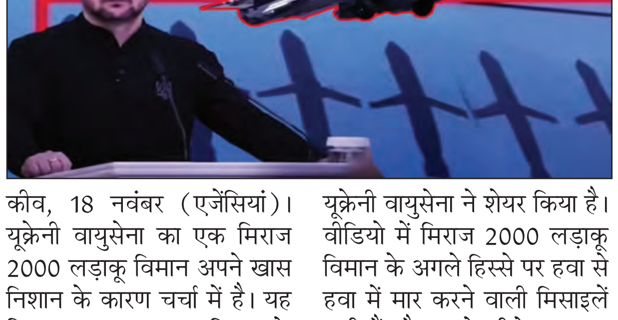

कीव, 18 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी वायुसेना का एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान अपने खास निशान के कारण चर्चा में है। यह मिराज 2000 इस खास निशान के साथ गश्त लगाते देखा गया है। इस घटना का एक वीडियो भी यूक्रेनी वायुसेना ने शेयर किया है। वीडियो में मिराज 2000 लड़ाकू विमान के अगले हिस्से पर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगी हैं और उसके नीचे छह क्रूज मिसाइलों को मार गिराने के सम्मान वाला चिह्न बना हुआ है। इसका सीधा मतलब है कि यूक्रेन का दावा है कि उसके इस मिराज 2000 विमान ने रूस की छह क्रूज मिसाइलों को हवा में मार गिराया है। यूक्रेन को ये मिराज 2000 लड़ाकू विमान फ्रांस से मिले थे। 17 नवंबर 2025 को यूक्रेनी वायुसेना ने अपने आधिकारिक X अकाउंट पर इस वीडियो को शेयर किया है। इसमें मिराज 2000 को एक एक्टिव लड़ाकू मिशन पर दिखाया गया है। इस वीडियो के कैप्शन में लिखआ है, यूक्रेनी वायु सेना का मिराज 2000 एक लड़ाकू मिशन पर उड़ान भर रहा है, फ्रांस से अच्छी खबर का इंतजार कर रहा है। इस छोटे से क्लिप में उसके हथियारों की लोडिंग और कॉकपिट के नीचे मिसाइलों के मारक चिह्नों की एक सीरीज का असामान्य रूप से स्पष्ट प्रदर्शन किया गया है। यूक्रेनी मिराज 2000 लड़ाकू विमान पर जिन क्रूज मिसाइलों के चित्र बनाए गए हैं, वे सभी रूसी मूल की हैं। इनके आकार रूसी केएच-101 और केएच-555 एयर लॉन्च क्रूज मिसाइलों से काफी मिलता-जुलता है।

रूस ने बड़े पैमाने पर इन मिसाइलों का इस्तेमाल यूक्रेन पर हमले के लिए किया है। इन मिसाइलों ने यूक्रेन के कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों और सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया है। मिराज 2000 पर बना हर एक चिह्न एक अलग मिसाइल को प्रदर्शित करता है।

बिहार चुनाव को लेकर अशोक गहलोत ने बताया 10-10 हजार रुपए का कनेक्शन

ईसी से पूछा सवाल

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस ने अंता विधानसभा जीत पर जीत हासिल कर ली, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब कांग्रेस बिहार चुनाव को लेकर बड़े सवाल खड़े कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार चुनाव को लेकर चुनाव आयोग को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि लोगों को खुलेआम वोट के लिए पैसे बांटे गए हैं, लेकिन यह सब चीज देखने के बावजूद भी चुनाव आयोग ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव पूरी तरह हाईजैक किया गया है।

महिलाओं को बांटे गए 10-10 हजार रुपए

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और उसके सहयोग दलों को पूर्ण बहुमत मिला। यहां पर कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसी के चलते गहलोत का यह बड़ा बयान सामने आया।

इसमें उन्होंने कहा कि इस चुनाव को पूरी तरह हाईजैक किया गया है। महिलाओं को 10-10 हजार रुपए बांटे गए। मतदान के दौरान भी लोगों को खुले तौर पर पैसे बांटे जा रहे थे, लेकिन चुनाव आयोग यह सब देखकर मौन बना रहा, जो आयोग पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने शासनकाल की याद दिलाते हुए अपनी उपलब्धियां गिनाई।

उन्होंने भजनलाल सरकार को जमकर घेरते हुए कहा कि इस सरकार के काल में कोई भी एक नहीं योजना शुरू नहीं हुई, बल्कि हमारी कल्याणकारी योजनाएं थी, उनको या तो बंद कर दिया गया, या कमजोर कर दिया गया। जबकि हमारे शासनकाल की योजनाओं को पूरे देश ने माना है। इसकी सब जगह चर्चा रही। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी में राष्ट्रीय अध्यक्ष 2 साल से नहीं बन पा रहा है। जबकि कांग्रेस पूरी तरह एक जुट है और एनडीए का डटकर मुकाबला करेगी।

चुनाव में चाहिए टिकट तो करना पड़ेगा इन बातों को फॉलो, सचिन पायलट ने बताई नई गाइडलाइन!

टोंक, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज और टोंक विधायक सचिन पायलट टोंक में एक दिन के दौरे पर रहे। यहां उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा, तो आगामी पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव को लेकर अपने कार्यकर्ताओं को बड़ी नसीहत भी दे डाली। उन्होंने कहा कि साफा पहनाने, फोटो खींचाने और मेरे आगे पीछे घूमने से उन्हें टिकट नहीं मिलने वाला हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि जो पार्टी के लिए संगठनात्मक रूप से काम करेगा, उसे ही पार्टी टिकट देगी, बाकि कुछ होने वाला नहीं है।

पायलट ने कहा- मेवा खाना हैं, तो यह काम करो

सचिन पायलट ने टोंक में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए साफ कर दिया है कि अब पार्टी हित में काम किए बगैर, उसे कोई लाभ नहीं मिलेगा। अब नेताओं के साथ फोटो खींचवाने का कोई फायदा नहीं हैं। वह समय बीत चुका है। पार्टी के लिए सुनियोजित तरीके से संगठन की मंशा के अनुरूप जो काम करेगा, उसे ही पार्टी मेवा खिलाएगी, उसे ही आगामी पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव में टिकट मिलेगा। इसलिए मेरे आगे पीछे घूमने, फोटो खिंचवाने और साफा पहनाने से कुछ नहीं होने वाला है। पायलट ने कहा कि यदि टिकट चाहिए, तो गली-गली मोहल्ले में पार्टी के लिए काम करना होगा, तब ही कुछ बात बनने वाली है।

बिहार के चुनाव पर भी पायलट ने उठाए बड़े सवाल

देश में हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा के चुनाव में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने पूर्ण बहुमत हासिल किया। अब इस चुनाव परिणाम को लेकर कांग्रेस लगातार बड़े सवाल उठा रही है। इस बीच टोंक में सचिन पायलट ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार चुनाव पर बड़े प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहा कि चुनाव से पहले ही लाखों मतदाताओं का नाम गायब कर दिया गया। पायलट ने मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर आशंका जताई है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपनी साख बनाए रखना बेहद जरूरी है। पायलट का यह निशाना चुनाव आयोग की तरफ किया गया है। इससे पहले पायलट के टोंक पहुंचने पर कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

नागौर के गांव में भारी तनाव: आधी रात को लगाई महाराजा सूरजमल की मूर्ति, 5 थानों की पुलिस और आरएसी जाब्ता तैनात

नागौर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर के श्री बालाजी थाना क्षेत्र के जोधियासी गांव में महाराजा सूरजमल की मूर्ति लगाने को लेकर विवाद गहराने से हालात तनावपूर्ण हो गए। सोमवार देर रात अचानक मूर्ति स्थापित करने की कोशिश के बाद गांव में माहौल बिगड़ गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। फिलहाल, गांव में भारी पुलिस बल के साथ आरएसी की तीन कंपनियां तैनात हैं और अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

घटना रात करीब एक बजे की है, जब कुछ लोग बिना किसी प्रशासनिक स्वीकृति के गांव के प्रमुख चौराहे पर मूर्ति लगाने पहुंचे। बताया गया कि ग्राम पंचायत या जिला प्रशासन से इस संबंध में कोई अनुमति नहीं ली गई थी। सुबह लगभग 5 से 6 बजे जब ग्रामीणों को मूर्ति स्थापना की जानकारी लगी तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह धार्मिक भावना नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित कदम है।

पहले भी हो चुका है विवाद

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब इस स्थान पर मूर्ति लगाने का प्रयास हुआ हो। इससे पहले भी इसी स्थान पर कुछ समूहों ने मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की थी, लेकिन विरोध के चलते प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा था। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के इस सार्वजनिक स्थल पर किसी भी तरह की संरचना खड़ी करने से पहले आधिकारिक अनुमति लेना आवश्यक होता है।

पुलिस व प्रशासन की मौजूदगी

तनाव की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। हालात बिगड़ते देख जोधियासी गांव में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भेजा गया। वर्तमान में तीन कंपनी आरएसी के साथ पांच थानों की पुलिस तैनात कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गांव में डेरा डाले हुए हैं और दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। मूर्ति स्थल के पास ग्रामीणों का धरना भी जारी है।

नागौर एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया, मूर्तियों की स्थापना के लिए जिला प्रशासन को पहले ही प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन अनुमति आए बिना ही एक पक्ष ने मूर्ति लगा दी। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस सतर्क है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। प्रशासन के निर्देशों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। पुलिस की मौजूदगी से हालात काबू में हैं, लेकिन ग्रामीणों का विरोध जारी है। मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने के लिए अधिकारियों की लगातार बैठकें चल रही हैं।

गढ़ पैलेस के पास चली गोलियां *तीन राउंड फायर*

बदमाश हो रहे बेखौफ

कोटा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा शहर के गढ़ पैलेस के पास चाय की थी पर खड़े एक युवक पर बदमाशों ने फायरिंग की। युवक आरिफ हुसैन उर्फ चाटू ने भाग कर कार के पीछे छुपकर जान बचाई। युवक आरिफ के मुताबिक बदमाश बुलेट और एक्टिवा गाड़ी से आए थे। बदमाशों ने आते ही हमला किया, तो जान बचाने के लिए वह करीब 200 से 300 मीटर दूर चम्बल रिवर फ्रंट की तरफ भागा। रिवर फ्रंट के पास एक कार के पीछे छुपकर जान बचाई । आरिफ हुसैन ने बदमाशों के ऊपर पत्थर भी फेंके। बदमाशों ने एक के बाद एक तीन से चार राउंड फायर किये जो कार में लगे। कार में लगी एक गोली उछलकर आरिफ हुसैन के जैकेट पर आकर टकराई और जैकेट में ही अटका रह गई।

नवंबर महीने में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी, 15 सालों बाद 0° सी पर पहुंचा तापमान, जमने लगी बर्फ

आईएमडी ने 5 जिलों में दिया येलो अलर्ट

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम पारे में लगातार गिरावट आ रही है। प्रदेश में नवंबर महीने में ही सर्दी रेकॉर्ड तोड़ रही है। माउंट आबू में न्यूनतम तापमान शून्य पर आ गया। सवेरे खुले मैदानों में बर्फ की सफेद चादर बिछी देखी गई। सोलर प्लेटों, वाहनों की छतों, खेतों, पेड़-पौधों आदि पर भी बर्फ की परत जम गई। यहां सीजन का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया।

फतेहपुर में पारा 4.9 डिग्री पहुंचा

वहीं दूसरी ओर कुल 17 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। इनमें फतेहपुर में 4.9, सीकर में 5.5, नागौर में 5.6 और लूणकरणसर में 5.8 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने मंगलवार को अजमेर, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, टोंक जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है।

15 सालों बाद न्यूनतम तापमान नवंबर में 0°सी

बीते 15 सालों बाद न्यूनतम तापमान नवंबर महीने में शून्य पर आया है। पर्यटन स्थल माउंट आबू में आमतौर पर दिसम्बर महीने में ही न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु पर पहुंचता है। एक दिसंबर 2022 को न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु पर दर्ज किया गया था।

खुले मैदानों में बिछी बर्फ की चादर

इस सीजन में पहली बार पारा शून्य डिग्री पर आने से सवेरे खुले मैदानों में बर्फ की सफेद चादर बिछी नजर आई। सोलर प्लेटों, वाहनों की छतों, खेतों व पेड़-पौधों पर भी बर्फ की परत जम गई। दिन में आसमान के साफ रहने से धूप सेंकने के लिए लोग अपने घरों की छतों, सड़कों के किनारों पर खड़े नजर आए।

गत 15 वर्षों में 17 नवंबर को इतना रहा न्यूनतम तापमान

गत वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो इससे पहले 2022 में 1 दिसंबर को न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु पर दर्ज किया था। जबकि नवंबर माह में तापमान 4 डिग्री से नीचे नहीं गया।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर जताई कड़ी नाराजगी

कहा-बीस लाख लोग प्रभावित

जोधपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में जोजरी, लूणी और बांडी नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर हुई सुनवाई में राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि उद्योगों से फैल रहे प्रदूषण पर नियंत्रण में राज्य की स्थिति बेहद दयनीय है, जिसकी वजह से जोधपुर, पाली और बालोतरा क्षेत्र के लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हो रहे हैं। न्यायाधीश विक्रम नाथ व न्यायाधीश संदीप मेहता की खंडपीठ में राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश की। खंडपीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लेते हुए मामला 21 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया और कहा कि संकट की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों से भी अधिक सख्त निर्देश देने पड़ सकते हैं। खंडपीठ ने कहा कि नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट सीधे छोड़ा जा रहा है और अधिकांश सीईटीपी को बायपास कर दिया गया है।

लगातार बिगड़ती जा रही है स्थिति

कोर्ट ने पूछा कि जब स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, तो ऐसे में शहरी निकायों और रीको को एनजीटी की ओर से लगाए गए दंड से राहत कैसे दी जा सकती है। शर्मा ने कोर्ट से अनुरोध किया कि एनजीटी की ओर से लगाए गए दो करोड़ रुपए के पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति दंड और प्रतिकूल टिप्पणियों पर फिलहाल रोक लगाई जाए, ताकि राज्य अनुपालना की प्रगति कोर्ट के सामने प्रस्तुत कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब एनजीटी के सभी सकारात्मक परिचालन निर्देशों को लागू करने का निर्णय लिया है और प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अब केवल कागजी आश्वासन नहीं

खंडपीठ ने राज्य के इस रुख को देखते हुए कहा कि अब केवल कागजी आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाली कार्रवाई जरूरी है। कोर्ट अब 21 नवंबर को इस जनहित याचिका पर विस्तृत आदेश जारी करेगा। सुनवाई के दौरान संकेत दिए गए कि कोर्ट कड़े दिशा-निर्देश जारी कर सकता है।

आईएएस-आईपीएस के बीच घमासान!

सुधांश पंत और भास्कर ए. सावंत को अब कोर्ट ले जाएंगे पंकज चौधरी

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित आईपीएस पंकज चौधरी एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। उन्होंने सीनियर आईएएस सुधांश पंत और भास्कर ए. सावंत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दरअसल पंकज चौधरी को एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में जाना था। ट्रेनिंग को स्पॉन्सर करने वाली संस्था की ओर से निमंत्रण मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय ने फाइल भेजकर गृह विभाग से अनुमति मांगी। आईपीएस पंकज चौधरी को ट्रेनिंग पर जाने की अनुमति वाली यह फाइल दो महीने तक टेबल पर पड़ी रही। इस फाइल पर कोई निर्णय नहीं लिए जाने पर आईपीएस पंकज चौधरी ने अब सीनियर आईएएस सुधांश पंत और भास्कर ए. सावंत के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है।

जेल की हवा खा चुके IAS को क्यों भेजा ट्रेनिंग पर

वर्ष 2009 बैच के आईपीएस पंकज चौधरी ने राज्य के मुख्य सचिव रहे सीनियर आईएएस सुधांश पंत और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के खिलाफ कोर्ट में याचिका पेश की है। चौधरी ने आरोप लगाया कि पंत और सावंत ने गलत मंशा के चलते पुलिस मुख्यालय की ओर से भेजी गई फाइल को रोका। दो महीने से फाइल गृह विभाग में थी लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया। चौधरी का कहना है कि इन्हीं दोनों आईएएस अफसरों ने एक भ्रष्ट आईएएस को ट्रेनिंग पर भेजने की सिफारिश की जो भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुका था और लंबे समय तक सस्पेंड रहा। उन्होंने कहा कि फाइल पर कोई फैसला नहीं लेना नियम विरुद्ध है।

ट्रेनिंग पर कोलकाता जाना था पंकज चौधरी को

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आईआईएम का एक ट्रेनिंग प्रोग्राम 17 से 21 नवंबर तक हो रहा है। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को स्पॉन्सर करने वाली संस्था बीपीआरडी नई दिल्ली की ओर से आईपीएस पंकज चौधरी को नामित किया था। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने का न्योता मिलने पर आईपीएस पंकज चौधरी ने कहा कि किसी भी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने के लिए राज्य सरकार की अनुमति जरूरी होती है। ऐसे में पुलिस मुख्यालय की ओर से दो महीने पहले गृह विभाग को फाइल भेजी गई थी। 13 और 14 नवंबर को भी इस संबंध में रिमाइंडर भेजा गया लेकिन फाइल पर कोई फैसला नहीं हुआ और 17 नवंबर से ट्रेनिंग प्रारंभ हो गई।

भ्रष्टाचार में जेल गए आईएएस को भेजा था ट्रेनिंग पर

राज्य सरकार ने इसी वर्ष आईएएस अनिल अग्रवाल को एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने के लिए मसूरी जाने की अनुमति दी थी। करीब एक महीने तक आईएएस अनिल अग्रवाल मसूरी में आयोजित ट्रेनिंग में शामिल हुए। यह वही अनिल अग्रवाल हैं जो वर्ष 2016 में जेल गए थे। एनआरएचएम (आईईसी) रिश्वत केस में एसीबी ने आईएएस अनिल अग्रवाल को 17 मई 2016 को गिरफ्तार किया था। अगस्त 2016 में वे जमानत पर छूटे। हालांकि बाद में कार्मिक विभाग ने एसीबी को आईएएस अनिल कुमार अग्रवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस चलाने की मंजूरी देने से इंकार कर दिया था।

पड़ोसी ने रास्ता बंद किया, बुखार में तड़पते मासूम को नहीं ले जा पाए अस्पताल, हुई मौत

बाड़मेर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार को बाड़मेर जिले में दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 9 साल के मासूम की मौत के बाद परिजन आक्रोश में उसका शव लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाइश देकर शव को मोर्चरी भिजवाया। परिजनों का आरोप है कि बुखार से पीड़ित बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए उन्होंने गाड़ी बुलवाई, लेकिन पड़ोसियों द्वारा रास्ता बंद करने के कारण समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सके, जिससे बच्चे की मौत हो गई।

गरल गांव निवासी 9 वर्षीय कपिल उर्फ कमलेश पुत्र डूंगराराम को तेज बुखार था। परिजनों ने गाड़ी वाले को फोन कर घर बुलाया लेकिन उनका घर मुख्य सड़क से लगभग 2 किलोमीटर दूर होने और बीच का रास्ता बंद होने की वजह से गाड़ी काफी देर तक नहीं पहुंच सकी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने कई बार पड़ोसियों से रास्ता खोलने की गुहार लगाई लेकिन उन्होंने जाली लगाकर रास्ता बंद रखा।

गाड़ी देर से आने और रास्ता न खुलने पर आखिर परिजनों ने मासूम को गोद में उठाकर पैदल ही सड़क तक लाने का फैसला किया। काफी मशक्कत के बाद वे बच्चे को सड़क तक लाए और अस्पताल पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि अगर समय पर अस्पताल पहुंच जाते तो शायद बच्चे की जान बच सकती थी।

कोर्ट का बड़ा फैसला

एक ही परिवार के 7 सदस्यों को उम्रकैद, रास्ता रोककर भंवरनाथ को दी थी खौफनाक मौत

बीकानेर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बम्बलू गांव में 11 साल पहले हुए भंवरनाथ हत्याकांड में अदालत ने बड़ा निर्णय सुनाते हुए एक ही परिवार के सात आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी दोषियों पर 22-22 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। राशि अदा नहीं करने पर प्रत्येक को छह महीने अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। बता दें कि घटना 27 मई 2014 की है। जामसर निवासी अन्नानाथ ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई भंवरनाथ चाचा के घर जा रहा था। इसी दौरान पिकअप में सवार मोहननाथ, हेमनाथ, धन्ना नाथ, शंकरनाथ, बाधु, सीता और सरोज ने उसका रास्ता रोककर उस पर सामूहिक हमला कर दिया।

अज्ञात युवक ने बाजार में ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर 12 दुकानों और कार को किया राख, मचा हड़कंप

भीलवाड़ा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के आसींद कस्बे में बुधवार अलसुबह एक सनसनीखेज आगजनी की घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। मुख्य बाजार स्थित बड़ा मंदिर चौराहे पर देर रात करीब 3 बजे एक अज्ञात युवक ने सुनसान बाजार का फायदा उठाते हुए कई दुकानों पर ज्वलनशील तरल पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी। इस पूरी वारदात का घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया, जिसमें संदिग्ध युवक हाथ में कैन लिए दुकानों के शटर और आसपास तरल पदार्थ फैलाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। कुछ ही क्षणों बाद आग इतनी तेजी से भड़की कि कुछ मिनटों में ही उसने विकराल रूप धारण कर लिया। सबसे पहले आग पूर्व पालिका अध्यक्ष भंवरलाल चैरडिया के कॉम्प्लेक्स के नीचे स्थित दुकानों में लगी, जो देखते ही देखते पास की साड़ी दुकान, टेलर शॉप, गारमेंट्स शोरूम और अन्य दुकानों तक फैल गई। कुल मिलाकर लगभग 12 दुकानों को इस आग ने अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता इतनी भयावह थी कि कॉम्प्लेक्स के पास खड़ी एक इलेक्ट्रॉनिक कार भी पूरी तरह जलकर राख हो गई। अचानक लगी आग से आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और बाजार में अफरा-तफरी मच गई। व्यापारियों के अनुसार, सबसे ज्यादा नुकसान दरबार गारमेंट्स को हुआ है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, यहां करीब 50 से 60 लाख रुपये का माल जलकर नष्ट हो गया।

भीलवाड़ा में अवैध वनों की कटाई घोटाला उजागर

वनकर्मियों की भूमिका पर एसीबी की जांच

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा और आसिंद रेंज में अवैध वनों की कटाई का बड़ा मामला सामने आया है। करीब 200 बीघा वनभूमि को पूरी तरह उजाड़ दिया गया, जहां अब सिर्फ पेड़ों के ठूंठ और मलबा बचा है। इस बड़े पैमाने पर हुई तबाही से वन विभाग में हड़कंप मच गया है और पूरे प्रकरण की गंभीर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक आरोप हैं कि वन कर्मियों की मिलीभगत से कोयला माफिया ने अंग्रेजी बबूल सहित कई प्रजातियों के पेड़ काटकर अवैध कोयला निर्माण किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि माफिया कई दिनों तक बेखौफ लकड़ी की कटाई और परिवहन करता रहा। शिकायतों के बाद वन विभाग ने आंतरिक जांच शुरू करते हुए एसीबी से आधिकारिक जांच की मांग की है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर कटाई बिना अंदरूनी सहयोग के संभव नहीं थी। वन विभाग के कार्यवाहक प्रमुख पी.के. उपाध्याय ने कहा- पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मुख्य वन संरक्षक (मुख्यालय) इस मामले की विस्तृत जांच करेंगे।

शाहपुरा उपखंड के बोरदा बावड़िया आरक्षित वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई और लगभग 500 क्विंटल लकड़ी की चोरी को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते तीन दिनों से अज्ञात लोगों ने जेसीबी मशीनें चलाकर बड़े पैमाने पर पेड़ उखाड़े और लकड़ी उठा ले गए। ग्रामीणों ने एसडीओ सुनील मीणा को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि वे पिछले 40 वर्षों से इस वन क्षेत्र की रक्षा कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह घटना पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचाती है और दशकों की सामुदायिक मेहनत पर पानी फेर देती है। उनका दावा है कि यह चोरी वन कर्मचारियों की लापरवाही के बिना संभव नहीं थी। सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल जाजू ने वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की और लगभग 2 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध लकड़ी चोरी की आशंका जताई।

एक करोड़ महिलाओं के लिए एक करोड़ साड़ियां : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने इंदिराम्मा साड़ियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने एक करोड़ महिलाओं को एक करोड़ साड़ियां उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मंगलवार को इंदिराम्मा साड़ियों के संबंध में मंत्री सीतक्का सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक पात्र महिला को एक इंदिराम्मा साड़ी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बुधवार को इंदिरा गांधी जयंती के अवसर पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इंदिराम्मा साड़ियों का वितरण शुरू करेंगे। ये साड़ियां पूरी तरह से सिरसिला के हथकरघा कारीगरों द्वारा बनाई जा रही हैं। उत्पादन में देरी को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्पादन के अनुसार दो चरणों में साड़ियों का वितरण करने के निर्देश दिए। पहले चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में साड़ियों का वितरण करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इंदिरा गांधी जयंती से 9 दिसंबर, तेलंगाना मातृ दिवस तक ग्रामीण क्षेत्रों में साड़ियों के वितरण की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। दूसरे चरण में, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को इंदिराम्मा साड़ियों का वितरण 1 मार्च से 8 मार्च, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तक पूरा किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसी भी परिस्थिति में साड़ियों की गुणवत्ता से समझौता न करें और महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण साड़ियां उपलब्ध कराएं।

उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे इंदिराम्मा साड़ियों के वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें और वितरण प्रक्रिया की निरंतर निगरानी करें। बुधवार को दोपहर 12 बजे इंदिरा गांधी जयंती के अवसर पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी नेकलेस रोड स्थित इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद इंदिराम्मा साड़ियों के वितरण की औपचारिक शुरूआत करेंगे। बाद में, मुख्यमंत्री सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं से आमने-सामने बात करेंगी। राज्य के मंत्रियों, विधायकों और एमएलसी को उपलब्ध कलेक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए कहा गया है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कल पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर इंदिराम्मा साड़ियों का वितरण शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे नेकलेस रोड पर इंदिराम्मा साड़ियों का वितरण शुरू करेंगे। साड़ियों के उत्पादन में देरी को देखते हुए, उत्पादन के अनुसार साड़ियों का वितरण दो चरणों में करने का निर्णय लिया गया है।

सर्वाधिक साइबर मामलों के निपटारे और धन वापसी के साथ हैदराबाद शीर्ष पर

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक विशेष लोक अदालत में, हैदराबाद शहर ने 11,226 मामलों के साथ सबसे अधिक मामलों के निपटारे के साथ एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की और सभी आयुक्तालयों में शीर्ष स्थान हासिल किया। उल्लेखनीय रूप से, साइबर अपराध पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस), हैदराबाद शहर और क्षेत्रीय साइबर प्रकोष्ठ (जेडसीसी) ने 709 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा करके तीनों आयुक्तालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिनकी कुल धन वापसी राशि 5,77,78,601.23 रुपए थी, जो सभी साइबर अपराध इकाइयों और राज्य में सबसे अधिक है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध हैदराबाद शहर,एम. श्रीनिवासुलु ने बताया कि आयोजित विशेष लोक अदालत के दौरान, साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने 40 मामलों का निपटारा/समझौता किया और पीड़ितों को 1,98,04,148 रुपये की वापसी में मदद की। इसके अतिरिक्त, लोक अदालत से पहले की अवधि के दौरान, साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने 275 मामलों में पीड़ितों को 3,07,91,283 सफलतापूर्वक वापस किए। इस बीच, जोनल साइबर सेल (जेडसीसी) ने 394 मामलों में 71,83,170 रुपये वापस किए। ये उपलब्धियां सामूहिक रूप से शहर भर में साइबर अपराध इकाइयों की मजबूत परिचालन क्षमता और सेवा प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

यह उत्कृष्ट प्रदर्शन सीसीपीएस और जेडसीसी के समर्पित और समन्वित प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने वित्तीय संस्थानों, बैंकों और तकनीकी सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय में धोखाधड़ी वाले लेनदेन का पता लगाने और सुरक्षित धन वापसी के लिए सभी क्षेत्रों में अथक प्रयास किया है। 5,77,78,601.23 रुपये की कुल वापसी राशि साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को समय पर राहत प्रदान करने में हैदराबाद सिटी पुलिस के त्वरित, सक्रिय और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।

प्रशिक्षण की कर्मचारी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका : पुलिस महानिदेशक

19,488 कर्मियों को चरणों में प्रशिक्षित किया जाएगा

हैदराबाद नगर पुलिस कौशल विकास का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने हैदराबाद नगर पुलिस के लिए "ओका गोप्पा मरपुनाकु इदे श्रीकरम" (यह एक महान परिवर्तन की शुरूआत है) नामक एक बड़े पैमाने पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीजीपी ने मंगलवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के साथ टीजीआईसीसीसी सभागार, बंजारा हिल्स, रोड नंबर 12, हैदराबाद में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन में भाग लिया। इस अवसर पर, उन्होंने प्रशिक्षण सामग्री की प्रतियों का अनावरण किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों के कौशल को बढ़ाना और जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है। हैदराबाद कमिश्नरेट क्षेत्राधिकार में कुल 19,488 कर्मियों को चरणों में प्रशिक्षित किया जाएगा। हैदराबाद सिटी पुलिस के इतिहास में यह पहली बार है कि सभी कर्मचारियों के लिए इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। क्षेत्र स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए 178 विशेष प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। इस समूह में 74 एसीपी, 98 निरीक्षक/आरक्षित निरीक्षक और 6 उप-निरीक्षक शामिल हैं। इन सभी के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया था। ये प्रशिक्षक, बदले में, अपने-अपने प्रभागों के कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे। इस अवसर पर डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने पुलिसिंग की बदलती प्रकृति के अनुरूप सभी को खुद को पुनः प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एक कर्मचारी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इसके माध्यम से कई नई चीजें सीखी जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि पहले की तुलना में जन जागरूकता बढ़ी है, और पुलिस के व्यवहार में भी तदनुसार बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण पुलिस व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत करने में सहायक होगा। उन्होंने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार की इस उत्कृष्ट योजना और सभी कर्मियों के लिए 'ओका गोप्पा मरपुनाकु इदे श्रीकरम' नाम से कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए सराहना की। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि किसी भी संगठन और उसके कर्मचारियों के विकास के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल कौशल को बढ़ाएगा बल्कि सभी को एक मंच पर लाने में भी मदद करेगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम एक महीने की तैयारी के बाद अच्छी योजना के साथ शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण प्रत्येक व्यक्ति को एक कुशल और ज़िम्मेदार पुलिस अधिकारी बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एम. श्रीनिवास, संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) परिमाला हाना नूतन, डीसीपी (मुख्यालय) रक्षिता कृष्णमूर्ति, डीसीपी (एसबी) के. अपूर्वा राव, डीसीपी (डीडी) श्रीमती श्वेता, डीसीपी दक्षिण क्षेत्र श्रीमती स्नेहा मेहरा, डीसीपी पूर्वी क्षेत्र बी. बालास्वामी, प्रशिक्षण संकाय जी. युगंधर, ए. मल्लेश, नलिनी और सभी जोनल डीसीपी उपस्थित थे।

टीटीडी वैकुंठ द्वार दर्शन के दौरान 'आम भक्तों' को प्राथमिकता देगा

तिरुमला, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के बोर्ड ने मंगलवार को आगामी 30 दिसंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 तक होने वाले वैकुंठ द्वार दर्शन के दौरान 182 घंटों के दर्शन समय में से 164 घंटे आवंटित करके 'आम भक्तों' को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। अन्नमय्या भवन में बी.आर. नायुडू की अध्यक्षता में टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड की एक आपात बैठक में, बोर्ड ने आगामी वैकुंठ द्वार दर्शन से संबंधित प्रमुख निर्णयों को मंजूरी दी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के निर्देशों के अनुरूप, बोर्ड ने वैकुंठ द्वार दर्शन के दौरान 'आम भक्तों' को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। अन्य प्रमुख निर्णयों में कोई ऑफ़लाइन टोकन जारी नहीं किए जाएँगे। पहले तीन दिन (30, 31 दिसंबर और 1 जनवरी) 50 रुपये का कोई शुल्क नहीं, 300 विशेष प्रवेश या श्रीवाणी दर्शन, केवल ई-डीआईपी टोकन वाले तीर्थयात्रियों को ही अनुमति दी जाएगी।

एससीसीएल राजीव गांधी सिविल सेवा अभय हस्तम के दूसरे चरण की तैयारी में

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल सेवा साक्षात्कार के लिए चयनित तेलंगाना के उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने मंगलवार को कहा कि सिविल सेवा साक्षात्कार के लिए चयनित सभी पात्र उम्मीदवार प्रतिष्ठित राजीव गांधी सिविल सेवा अभय हस्तम योजना के तहत 1 लाख की वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उम्मीदवार पहले मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं और उन्हें 1 लाख की सहायता मिल चुकी है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

नशा समाज में एक कीड़े की तरह : संगीता

मादक पदार्थों और ड्रग्स की रोकथाम आवश्यक

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले की राजस्व अधिकारी संगीता से अधिकारियों को मादक पदार्थों और ड्रग्स की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने की सलाह दी। मंगलवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में नशा मुक्त भारत अभियान के दौरान जिला राजस्व अधिकारी संगीता ने मिशन परिवर्तन ने सामूहिक शपथ दिलाई, "मैं नशे के खिलाफ चल रही लड़ाई में सक्रिय भागीदार बनूंगी, मैं नशा मुक्त जीवन शैली का पालन करूंगी, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए काम करूंगी कि कोई भी नशे का शिकार न हो, मैं संबंधित अधिकारियों को ड्रग्स बेचने, खरीदने और तस्करी करने वाले लोगों के बारे में सूचित करूंगी और मैं नशा मुक्त समाज प्राप्त करने के तेलंगाना सरकार के संकल्प में भागीदार बनूंगी।" इस अवसर पर बोलते हुए, डीआरओ ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया सहित सभी उपलब्ध अवसरों का उपयोग लोगों में नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा समाज में एक कीड़ा की तरह है और इसे पूरी तरह से समाप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार, पुलिस विभाग, युवाओं और समाज के सभी वर्गों से नशा मुक्त समाज के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों और अभिभावकों को जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी आम लोगों और छात्रों को नशा मुक्त समाज को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और अपने आस-पास, कॉलेजों और स्कूलों में नशीली दवाओं के सेवन पर नज़र रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनजाने में नशे की लत लगने से युवाओं का सुनहरा भविष्य नष्ट हो रहा है और नशा युवाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट कर रहा है। उन्होंने युवाओं को नशे के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाने, नशीली दवाओं के सेवन से दूर रहने और अवैध नशीली दवाओं की आपूर्ति और उपयोग के बारे में किसी भी जानकारी की तुरंत पुलिस को सूचना देने की सलाह दी। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी श्रीलता, डीपीओ सुरेश मोहन, ईडी एससी निगम पद्मावती, पीडी वेंकट नारायण, संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों आदि ने भाग लिया।

संविधान में राजभाषा का प्रस्ताव और दक्षिण भारतीयों का योगदान

विषय पर व्याख्यान संपन्न

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में हिंदी माह के समापन समारोह में डॉ. गोपाल शर्मा,

प्रोफेसर भाषा विज्ञान, अरबा मिंच विश्व विद्यालय इथियोपिया, अफ्रीका द्वारा संविधान में राजभाषा का प्रस्ताव और दक्षिण भारतीयों का योगदान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एस वी एस नारायण मूर्ति ने की जबकि डॉ. गोपाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दी। अवसर पर निदेशक (वित्त) के. मधुबाला, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.एस वी एस नारायण मूर्ति ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अस्मिता और एकता का प्रतीक है। उन्होंने उल्लेख किया कि संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिए जाने के महत्व को हमें सतत याद रखना चाहिए। सीएमडी ने बताया कि आज हिंदी वैश्विक स्तर पर प्रमुख भाषाओं में शुमार है और डिजिटल युग ने इसकी पहुंच को और विस्तृत किया है। सीएमडी ने संकल्प व्यक्त किया कि प्रशासनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को और गति दी जाएगी, ताकि यह न केवल परंपरा की भाषा, बल्कि भविष्य की प्रगति की आधारशिला भी बने।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा ने बताया कि हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और भाषाई संतुलन का परिणाम था। उन्होंने संविधान का प्रारूप तैयार करने में दक्षिण भारतीय बेनगल नरसिम्हा राव का स्मरण करते हुए कहा कि दक्षिण भारतीय विद्वानों ने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और भाषाई विविधता का सम्मान सुनिश्चित किया।

डॉ. शर्मा ने मोटूरि सत्यानारायण की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित की, जो भाषा समिति के प्रथम अध्यक्ष थे। इसके अलावा एन. गोपालस्वामी आयंगर, टी.ए. रामलिंगम चेट्टियार, टी.टी. कृष्णमाचारी जैसे अन्य दक्षिण भारतीय विद्वानों ने हिंदी के समर्थन, संतुलित नीति और व्यावहारिक दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने में योगदान दिया।

के. मधुबाला, निदेशक (वित्त) और पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) द्वारा आयोजित हिंदी टंकण, वाक्, शब्दावली-टिप्पण-टिप्पण, निबंध, अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से एक भारत-श्रेष्ठ भारत, गायन तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

चैकिंग के नाम पर पुलिस से परेशान हो रहे वाहन चालक

आसिफाबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद क्षेत्र में पुलिस द्वारा लगातार की जा रही वाहन चैकिंग के कारण वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। वाहन चालकों की शिकायत है कि पुलिस कभी और कहीं चैकिंग शुरू देती है। आए दिन नगर चैकिंग के नाम पर पुलिसकर्मियों को बैठा देखा जा सकता है। मंगलवार को भी नगर में इस प्रकार का नजारा देखा गया।

नगर में कुछ दिनों से पुलिस द्वारा असमय वाहनों की चैकिंग की जा रही है। ऐसा भी नहीं है कि पुलिस का उद्देश्य वास्तव में वाहनों की जांच करना हो, बल्कि वाहन चालकों से विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए यह सारी चैकिंग की जाती है। थाने में पदस्थ एक एसआई एवं उनके कुछ साथी वाहन चालकों पर लपककर रौब झाड़ते है। बाद में वाहन चालक पुलिस से समझौता करके ही बमुश्किल छूट पाता है। लोगों ने आरोप लगाया कि कानून सिर्फ लोगों के लिए है पुलिस वालों के लिए नहीं है। कई बार तो पुलिस कर्मचारी तीन सवारी के साथ वाहन चलाते हुए और मोबाइल से बात करते हुए चलते हैं।

वाहन के दस्तावेज की फोटो कापी को मान्य न कर असली दस्तावेजों की मांग इनके द्वारा की जाती है। वहीं एक पुलिसकर्मी पहले आकर वाहन की चाबी निकाल लेता है। जबकि नियमानुसार कोई पुलिसकर्मी वाहन की चाबी नहीं निकाल सकता। तथा मूल दस्तावेज की आड़ में वाहन चालकों को परेशान नहीं कर सकता। परन्तु बावजूद इसके पुलिस की इस चैकिंग का खेल बदस्तूर जारी है।

100 थैलेसीमिया और सिकलसेल रोगियों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

आसिफाबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 100 थैलेसीमिया और सिकलसेल रोगियों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय में जनवाणी कार्यक्रम के तहत कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक थैलेसीमिया रोगी को विकलांगता पेंशन दी जाए। सामान्य अस्पताल को सलाइन से धोया गया रक्त दिया जाए और आरोग्यश्री के माध्यम से उपचार प्रदान किया जाए। प्रत्येक थैलेसीमिया और सिकलसेल रोगी को पेंशन दी जाए, नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जाएं और विकलांगता विधेयक 2016 के अनुसार विकलांगता प्रमाण पत्र दिए जाएं। 6 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को निजी सरकारी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाए और 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए।

आसिफाबाद सामान्य अस्पताल के ब्लड बैंक से अनुरोध किया गया कि कंपोनेंट लाइसेंस प्राप्त किया जाए और रक्तदान किया जाए। सिकलसेल रोगियों को यूरिया पूरक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं और प्रत्येक रोगी को नियमित रूप से दी जाएं। 7-8 मई को थैलेसीमिया दिवस और 19 जून को विश्व सिकलसेल दिवस मनाया जाए। सेमिनार आयोजित किए जाएं। जिले की प्रत्येक गर्भवती महिला की एचबीए2 थैलेसीमिया सिकलसेल जांच और परामर्श किया जाए। 11 मांगों के साथ एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर, कलेक्टर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। थैलेसीमिया कल्याण समाज के जिला नेता रत्नम तिरुपति, बापूराव, जादी श्रीवाणी दयाकर, स्वाति और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

तेलंगाना से हर महीने 6,000 लोग करते हैं उमराह यात्रा

रमजान में बढ़ती मांग, पैकेज 80 हजार से 1.30 लाख रुपये तक

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना से हर महीने लगभग 6,000 मुस्लिम श्रद्धालु उमराह यात्रा पर जाते हैं और रमजान के महीने में यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। शहर की करीब एक दर्जन प्रतिष्ठित ट्रैवल एजेंसियां अलग-अलग उमराह पैकेज उपलब्ध कराती हैं, जिनकी कीमत 14 दिन की यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति 80,000 रुपये से 1.30 लाख रुपये तक होती है।

हज और उमराह ग्रुप ऑर्गनाइज़र्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद अब्दुल रज़ाक समद ने बताया कि रबी-उल-अव्वल और रमजान के दौरान मांग बढ़ने से कीमतें भी ऊंची रहती हैं। पैकेज का खर्च यात्रा और रहने की व्यवस्था पर भी निर्भर करता है। पहले उमराह यात्रा ज्यादातर बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन अब परिवार भी बच्चों समेत जाना पसंद कर रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1454

सूचना संख्या सी/सी/565/एटीवीएम/2025, दि.17-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा दो वर्ष की अवधि हेतु अधोलिखित 19 (उन्नीस) स्थानों पर आटोमेटिक टिकेट वेन्डींग मशीन (एटीवीएम) व फैसिलिटेटर्स की भर्ती हेतु मुहरबंद आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों एवं सामान्य जनता के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र क्रमशः अनुलग्नक-2 एवं अनुलग्नक -3 है। इस मामले में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों को प्राधान्यता दी जायेगी।

इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारीगण/सामान्य जनता द्वारा अपने मुहरबंद आवेदनों को निर्धारित प्रपत्र में श्रेणी- नुसार निम्न अनुसूची के अनुरूप प्रस्तुत करना होगा।

श्रेणी या कैटगिरीज:	स्थान (19)	प्रस्तुति-खोलने की तिथि:
एनएसजी-1,2 व 3	एससी, एचवायबी, सीएचजेड, एलपीआय, बीएमटी, केएमटी (6)	11-12-2025 (गुरुवार)
अन्य श्रेणी	एमएबीडी, आरडीएम, एसकेजेडआर, डीकेजे, केडीएम, एमडीआर, जेएमकेटी, सीटी, एचटीसीवाय, सीडीएनआर, बीटीएनआर, एचएफजेड, बीआऱबीडी(13)	12-12-2025 (शुक्रवार)

टिप्पणी: आवेदनों को केवल निर्धारित तिथियों पर नामित स्टेशनों के लिए ही प्रस्तुत करना चाहिए। तत्संबंधित आवेदनों को नामित स्थानों/निर्धारित तिथियों के पहले या बाद में प्रस्तुत करने पर उसे सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होता है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा। अधिक जानकारी हेतु आवेदकगण किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन प्रपत्र, अर्हता मानदंड सहित स्थाननुसार एटीवीएम की संख्या तथा फैसिलीटेटर्स की भर्ती हेतु रिक्ति स्थिति का विवरण एवं अन्य जानकारी को वेबसाइट:www.scr.indianrail-ways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

तत्संबंधित आवेदनों को निर्धारित तिथि पर समय 15.00 बजे के पहले, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन, कंपाउण्ड सिकंदराबाद (अनुराग क्रेचे के बाजू), सिकंदराबाद पर रखे हुए मुहरबंद निविदा पेटी में डालना चाहिए। निर्धारित तिथि के समय 15.00 बजे के बाद प्राप्त आवेदनों पर न विचार किया जायेगा न स्वीकार किया जायेगा। आवेदनों को वही तत्संबंधित तिथि के समय 15.30 बजे खोला जायेगा।

A1849 — वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

ग्रैंड विजिटर डे का आयोजन

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग एच2एच 9 नवरत्न (सिकंदराबाद चैप्टर) और एच2एच 10 कुबेर (हाई टेक सिटी चैप्टर) ने सभी सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए ग्रैंड विजिटर डे का आयोजन किया। यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

यह बैठक बेगमपेट के होटल प्लाजा में आयोजित की गई थी और इस बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। नवरत्न चैप्टर के अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति और डॉ. अर्चना दफ्तरदार, सुन्नम श्रीकांत, चंदन श्रीधर जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह कार्यक्रम एच2एच 10 कुबेर के सहयोग से किया गया था, जिसके अध्यक्ष अपूर्व मुरारका भी अपनी टीम के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। बैठक अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में हुई। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

युवा नशे की बजाय लक्ष्यों को प्राथमिकता दें : अदलुरी

मंत्री ने मेडिकल छात्रों को संबोधित किया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवाओं से 'नशे से दूर रहने और सार्थक जीवन लक्ष्यों के साथ जुड़े रहने' का आह्वान करते हुए, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विकलांग एवं ट्रांसजेंडर कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना को मादक पदार्थों की गिरफ्त से मुक्त करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। वह मंगलवार को गांधी मेडिकल कॉलेज सभागार में विकलांग, वरिष्ठ नागरिक एवं ट्रांसजेंडर कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि नशे की लत अक्सर एक आकस्मिक लत के रूप में शुरू होती है, लेकिन अंततः एक विनाशकारी आदत बन जाती है जो पूरे जीवन को बर्बाद कर सकती है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, माता-पिता अपने सपने और उम्मीदें अपने बच्चों में लगाते हैं। युवाओं के लिए यह जरूरी है कि वे ऐसी आदतों का शिकार होने से पहले अपने परिवार और अपने भविष्य के बारे में सोचें। लक्ष्मण कुमार ने कहा कि सरकार युवाओं को हानिकारक व्यसनों से बचाते हुए उन्हें शिक्षा, करियर निर्माण और व्यक्तित्व विकास की ओर अग्रसर करना अपनी सर्वोच्च ज़िम्मेदारी मानती है। उन्होंने आगे कहा कि नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे को देखते हुए, राज्य ने इस समस्या से जड़ से निपटने के लिए गहन, युद्धस्तर पर उपाय शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि इस मजबूत नशा-विरोधी ढांचे का एक प्रमुख घटक ईगल स्पेशल यूनिट है, जिसे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा शुरू किया गया था, जो राज्य भर में नशीली दवाओं की आपूर्ति नेटवर्क को ध्वस्त करने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरी है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं, और इस बात पर जोर दिया है कि आज के युवाओं की सुरक्षा तेलंगाना के भविष्य की सुरक्षा के समान है। उन्होंने कहा, नशा-मुक्ति केवल एक व्यक्तिगत बुराई नहीं है, यह एक भीषण आग है जो पूरे परिवार को तबाह कर सकती है। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, राज्य ने एनएमबीए समितियों का गठन किया है और स्कूलों और कॉलेजों में नशा-विरोधी क्लब बनाए हैं। मंत्री ने कहा, अब तक 15,891 शैक्षणिक संस्थानों में 7,018 कार्यक्रमों के माध्यम से 1.45 करोड़ लोगों में जागरूकता पैदा की गई है, जो देश के सबसे बड़े नशा-जागरूकता अभियानों में से एक है। बाद में, लक्ष्मण कुमार ने मेडिकल छात्रों को नशा मुक्ति सामूहिक शपथ 2025 दिलाई और नशा उन्मूलन गतिविधियों में कार्यरत स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नुक्कड़ नाटकों ने दर्शकों की सराहना बटोरी और मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों का प्रभावी ढंग से संदेश दिया।

पूर्व तट रेलवे

01) सूचना सं. WDS/29/Repair of Diesel Cab AC/2025-26

कार्य का नाम : अनुबंध के माध्यम से खुली निविदा के आधार पर HHP डीजल इंजनों के चालक कैब के लिए एयर कंडीशनिंग उपकरणों की मरम्मत (अनुबंध अवधि एक वर्ष) कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 1,19,83,136.00, EMD: ₹ 2,09,900.00, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने (01 वर्ष)।

02) सूचना सं. WDS/29/Forklift/2025-27/R

कार्य का नाम : डीजल लोको शेड, विशाखापट्नम में दो वर्ष की अवधि के लिए ऑपरेटर और ईंधन के साथ 3 टन डीजल चालित फोर्कलिफ्ट की भर्ती (मात्रा : 3 फोर्कलिफ्ट X 730 दिन = 2190 वाहन दिन)।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 54,27,214.20, निविदा दस्तावेज की लागत: ₹ 5,900.00, EMD: ₹ 1,08,600.00, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 महीने (02 वर्ष)।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक - 15.12.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु).

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर (डीजल), विशाखापट्नम

PR-800/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नीतीश रेड्डी की दूसरे टेस्ट से पहले टीम में वापसी

कोलकाता टेस्ट से पहले हुए थे रिलीज; कप्तान गिल की फिटनेस पर संशय

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में वापस बुला लिया गया है। दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा।

रेड्डी को दो मैचों की टेस्ट सीरीज का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन कोलकाता में हुए पहले टेस्ट से ठीक पहले उन्हें रिलीज कर दिया गया और भारत-ए की साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ सीरीज के लिए भेज दिया गया था। BCCI पहले ही साफ कर चुका था कि वे दूसरे टेस्ट से स्क्वॉड में जुड़ेंगे, लेकिन अब उन्हें निर्धारित समय से पहले बुला लिया गया है।

पहले टेस्ट में भारत हारा, मैच ढाई दिन में ही खत्म

पहला टेस्ट ईडन गार्डन्स में खेला गया था, जो ढाई दिन में ही खत्म हो गया। भारत को इस मैच में 30 रन से हार झेलनी पड़ी। 14 नवंबर से शुरू हुआ मुकाबला 16 नवंबर की दोपहर में ही समाप्त हो गया, जबकि इसे 18 नवंबर तक खेला जाना था।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 और दूसरी पारी में 153 रन बनाए।

जवाब में भारत ने पहली पारी में 189 रन और दूसरी पारी में केवल 93 रन बनाए।

रेड्डी ने साउथ ए के खिलाफ पहले मुकाबले में 37 रन बनाए थे

राजकोट में पहले भारत-ए मैच में रेड्डी ने 37 रन बनाए और गेंदबाजी में 1/18 का स्पैल डाला। दूसरे मैच में उन्हें बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मौका नहीं मिला। अब स्क्वाड में वापसी के कारण वे 19 नवंबर को होने वाला तीसरा भारत-ए मैच नहीं खेल पाएंगे।

गिल की फिटनेस पर संशय, रेड्डी हो सकते हैं महत्वपूर्ण विकल्प

कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की चोट से उबरने में देरी हो रही है और उनका दूसरे टेस्ट में खेलना अभी भी संशय में है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को एक अतिरिक्त बल्लेबाजी कवर की जरूरत पड़ सकती है।

भारत के पास देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन जैसे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन दोनों लेफ्ट-हैंडर हैं और टीम में पहले से ही कई लेफ्ट-हैंडर बल्लेबाज मौजूद हैं। इससे मैच-अप में समस्या आ सकती है।

ऐसे में नितीश रेड्डी टीम को बेहतर संतुलन दे सकते हैं। वे नीचे के क्रम में बैटिंग करके लेफ्ट-राइट संयोजन बनाए रखने में मदद करेंगे।

गुवाहाटी में पहला टेस्ट, भारत को वापसी की उम्मीद

कोलकाता टेस्ट ढाई दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब सबकी निगाहें गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट पर होंगी, जो इस मैदान का पहला टेस्ट मैच होगा।

भारतीय टीम चाहेगी कि यहां जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ले।

हितेश ने पूर्व विश्व चैंपियन ओकाजावा को हराया

विश्व कप फाइनल्स में भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा

ग्रेटर नोएडा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। युवा हितेश गुलिया ने अपने कैरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दो बार के विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता और एशियाई खेलों के चैम्पियन जापान के सेवोन ओकाजावा को हरा दिया और इसके साथ ही विश्व कप फाइनल्स में दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा ।

हितेश ने 70 किलो वर्ग में 3-2 से मिली जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली । जदुमणि सिंह (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सुमित कुंडू (75 किलो) और नवीन कुमार (90 किलो) भी अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीत गए। भारत के अब 20 पदक पक्के हो गए हैं चूंकि नौ मुक्केबाजों ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीत लिये जबकि 11 मुक्केबाज अभियान की शुरूआत ही सेमीफाइनल या फाइनल से कर रहे हैं।

सेना के बर्तवाल ने विश्व मुक्केबाजी कप के स्वर्ण पदक विजेता कजाखस्तान के अल्तिनबेक नूरसुल्तान को 5-0 से हराया । सुमित ने दक्षिण कोरिया के किम हियोन ताए को 75 किलो वर्ग के क्वार्टर फाइनल में 5 . 0 से मात दी । वहीं स्ट्रांजा 2024 पदक विजेता नवीन ने कजाखस्तान के बेकत तंगातार को हराया ।

विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 7 जनवरी से होगी

मुंबई में लीग मैच, बड़ौदा में फाइनल खेला जा सकता है; 27 नवंबर को मेगा ऑक्शन

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन की शुरुआत 7 जनवरी से होगी। फाइनल 3 फरवरी को खेला जा सकता है। क्रिकबज के अनुसार, टूर्नामेंट के शुरुआती लीग मैच मुंबई के DY पाटिल स्टेडियम में खेले जा सकते हैं, जिसने हाल ही में विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल की मेजबानी की थी।

बाकी मैचों के लिए बड़ौदा को चुना गया है, जिसमें कोटांबी स्टेडियम में होने वाला फाइनल भी शामिल है। बड़ौदा में मुकाबले 16 जनवरी से शुरू हो सकते हैं, क्योंकि इसी मैदान पर 11 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड का वनडे मैच खेलना है। टूर्नामेंट का पहला मेगा ऑक्शन इसी महीने 27 नवंबर को दिल्ली में होगा।

पिछले सीजन में 4 शहरों ने की थी मेजबानी

डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन की मेजबानी 4 शहरों ने की थी। इनमें लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और बड़ौदा शामिल थे। बीसीसीआई ने अभी फ्रेंचाइजी मालिकों को आधिकारिक रूप से नहीं बताया है कि इस बार मैच किस शहर में होंगे, लेकिन अनौपचारिक बातचीत में इन्हीं वेन्यूज पर चर्चा चल रही है।

टीमों को औपचारिक जानकारी 27 नवंबर को दिल्ली में होने वाली डब्ल्यूपीएल नीलामी के दौरान दी जा सकती है। इस बार भी मेजबानी के लिए वहीं 4 शहर- लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और बड़ौदा ने दावेदारी पेश की थी। जिसमें मुंबई और बड़ौदा चुने गए हैं।

जनवरी में क्यों हो रहा डब्ल्यूपीएल

अभी तक विमेंस प्रीमियर लीग के तीनों सीजन मार्च में खेले गए हैं। पहली बार टूर्नामेंट जनवरी में कराया जाएगा। इसके पीछे दो मुख्य वजह हैं-

पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप फरवरी के पहले हफ्ते से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है, जो एक महीने चलेगा।

जनवरी को डब्ल्यूपीएल की स्थायी विंडो माना जा रहा है, ताकि लीग की तारीखें किसी अन्य टी-20 लीग या आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम से न टकराएं।

पिछले सीजन की चैंपियन मुंबई इंडियंस है,

डब्ल्यूपीएल को सबसे ज्यादा 2 बार मुंबई इंडियंस ने जीता है। टीम ने 2023 के पहले और 2025 के तीसरे सीजन में जीत हासिल की थी। 2024 के दूसरे सीजन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता था।

6 नवंबर को रिटेंशन लिस्ट जारी हुई

डब्ल्यूपीएल के अगले सीजन के लिए रिटेंशन लिस्ट 6 नवंबर को जारी हुई थी। इनमें कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई, स्मृति मंधाना को बेंगलुरु और जेमिमा रोड्रिग्ज को दिल्ली ने रिटेन किया था।

भारतीय टेस्ट टीम में असुरक्षा का माहौल : कैफ

गंभीर बल्लेबाजों पर भरोसा नहीं दिखा रहे; कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारे थे

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज इस समय डर और असुरक्षा के माहौल में खेल रहे हैं। उनका कहना है कि गौतम गंभीर की अगुवाई वाली टीम मैनेजमेंट बल्लेबाजों पर भरोसा नहीं दिखा रही है।

कैफ के मुताबिक बार-बार बदलाव होने की वजह से खिलाड़ियों को लगता है कि उनकी जगह खतरे में है। यह डर उनकी बल्लेबाजी में भी दिखता है। दरअसल एक दिन पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत पहले कोलकाता टेस्ट में ढाई ही दिनों में 30 रन से हार गया था।

खिलाड़ियों में भरोसा नहीं- कैफ

कैफ ने कहा- जब खिलाड़ी अपनी जगह को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं और ऊपर से ऐसी टर्निंग पिच मिलती है, तो अच्छा खेल पाना मुश्किल होता है। गंभीर के कार्यकाल में टेस्ट टीम में कई बदलाव हुए इन्हें नीचे दिए गए पॉइंटर्स से समझते हैं-

गंभीर के कोच बनने के बाद भारत के दो सीनियर प्लेयर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 में पहले टेस्ट में खराब परफॉर्मेंस की वजह से केएल राहुल को दूसरे टेस्ट से बहार कर दिया गया था।

गंभीर की कोचिंग में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 63 की औसत से रन बनाने वाले सरफराज खान को भी नहीं चुना गया। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक भी लगाया था। इसके बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ले जाया गया लेकिन एक भी मैच में मौका नहीं दिया गया।

ऐसा है कुछ साई सुदर्शन के साथ हाल ही में हुआ। उन्होंने अपनी आखिरी टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 87 रन बनाए थे, लेकिन उन्हें अगला टेस्ट ही नहीं खेलने दिया गया।

टीम के कॉम्बिनेशन पर भी सवाल

कैफ ने टीम के कॉम्बिनेशन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, भारत इस टेस्ट में अजीब कॉम्बिनेशन के साथ उतरा। टीम ने वॉशिंगटन सुंदर को नंबर-3 पर भेजा। साथ ही 6 गेंदबाज रखे, जिनमें 4 स्पिनर थे। उनके मुताबिक ऋषभ पंत के साथ ध्रुव जुरेल को खिलाना भी सही नहीं था। इन बदलावों से बल्लेबाजी और भी कमजोर दिखी।

ईडन गार्डन्स की पिच ने भी काम खराब किया

कैफ ने कहा, पिच पर शुरुआत से ही उछाल और टर्न था। दोनों में से कोई भी टीम 200 रन नहीं बना पाई। भारत ने खुद स्पिनिंग पिच मांगी थी, लेकिन वही उलटा पड़ गया। 124 के टारगेट का पीछा करते हुए, यशस्वी और केएल राहुल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद साइमन हार्मर और केशव महाराज ने मैच पलट दिया।

वीरेंद्र सहवाग के बेटे का धमाका, आर्यवीर सहवाग ने 99 रन बनाकर दिलाई जीत

सूरत, 18 नवंबर (एजेंसियां)। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग एक बार फिर सुर्खियों में हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कमाल की बैटिंग कर अपनी टीम को जीत दिलाई है. कूच बेहार ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेल रहे आर्यवीर सहवाग ने बिहार के गेंदबाजों को रिमांड पर लिया और मैच में कुल 99 रन बनाकर टीम को 8 विकेट से जीत दिलाई. आर्यवीर सहवाग के अलावा तेज गेंदबाज लक्ष्मण ने कहर बरपाती हुई गेंदबाजी करते हुए कुल 11 विकेट चटकाए. इस खिलाड़ी ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 विकेट उड़ाए.

छा गया वीरेंद्र सहवाग का बेटा

पालम के एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में दिल्ली की शुरुआत खराब रही. आराध्य चावला महज 4 रन बनाकर आउट हो गए. तन्मय चौधरी भी खाता नहीं खोल सके लेकिन इसके बाद आर्यवीर सहवाग ने कप्तान प्रणव पंत के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की. दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े. इन दोनों खिलाड़ियों ने चौकों की बरसात कर दी हालांकि आर्यवीर और पंत दोनों शतक नहीं लगा पाए. आर्यवीर 72 रन बनाकर आउट हुए और प्रणव पंत को 89 रन पर पवेलियन लौटना पड़ा.दिल्ली की टीम पहली पारी में 278 रन ही बना सकी.

बिहार 125 पर ढेर

दिल्ली की टीम ने रन कम बनाए लेकिन बिहार की टीम तो और खराब खेली. इस टीम ने पहली पारी में 125 रन बनाए. बिहार को फॉलोऑन मिला और दूसरी पारी में ये टीम 205 रन बनाने में कामयाब रही. दिल्ली को महज 53 रनों का लक्ष्य मिला जिसे उसने 2 विकेट खोकर 15.2 ओवर में हासिल कर लिया. आर्यवीर ने दूसरी पारी में भी नाबाद 27 रन बनाए और वो दिल्ली को जीत दिलाकर ही लौटे. आर्यवीर ने मैच में कुल 99 रनों का योगदान दिया.

आर्यवीर सहवाग का करियर

आर्यवीर सहवाग साल 2023 से एज-ग्रुप क्रिकेट में एक्टिव हैं. क्रिकहीरोज़ के मुताबिक ये खिलाड़ी कुल 61 मैच खेल चुका है जिसमें उनके नाम 2103 रन हैं. ये खिलाड़ी पिछले साल कूच बेहार ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाकर चर्चा में आया था. आर्यवीर ने मेघालय के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाए थे. मेघालय के खिलाफ उन्होंने 297 रनों की पारी भी खेली थी. इसके अलावा वो दिल्ली प्रीमियर लीग में भी खेले, जहां उन्हें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा था.

गुरप्रीत वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड चूके

25मी. सेंटर फायर पिस्टल में सिल्वर जीता

काहिरा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज गुरप्रीत सिंह पुरुषों के 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बेहद करीबी अंतर से चूक गए। उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

इजिप्त के काहिरा में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव ने गोल्ड जीता। गुरप्रीत को इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद सिल्वर से संतोष करना पड़ा। गुरप्रीत ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा इंडिविजुअल मेडल जीता है। उन्हें 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मिला था।

गुरप्रीत ने दो दिवसीय की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रैपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए, जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर गोल्ड जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे, लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रैपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता।

भारत 13 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर

भारत तीन गोल्ड, छह सिल्वर और चार ब्रॉन्ज सहित कुल 13 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चीन पहले स्थान पर रहा। चीनी शूटर्स ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य सहित कुल 21 पदक जीते।

मैं हरमनप्रीत कौर हूं क्या, मारपीट के आरोप के बाद बांग्लादेशी कप्तान का विवादित बयान

ढाका, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना अपने खेल नहीं बल्कि अपनी हरकतों की वजह से ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं. निगार सुल्तान पर अपनी ही टीम की जूनियर खिलाड़ियों से मारपीट के आरोप लगे थे और अब बांग्लादेशी कप्तान ने हरमनप्रीत कौर पर कमेंट कर उन आरोपों का जवाब दिया है. बांग्लादेशी तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने आरोप लगाया था कि सुल्ताना ने अपनी ही टीम की खिलाड़ियों को पीटा था. आलम ने अब उन आरोपों का जवाब दिया है. आलम ने कहा, 'मैं किसी को क्यों मारूंगी. मैं अपना स्टंप्स पर क्यों मारूंगी, मैं कोई हरमनप्रीत कौर हूं क्या. मैं ऐसा क्यों करूंगी.'

निगार सुल्ताना ने और क्या कहा?

निगार सुल्ताना ने आगे कहा, 'मैं किसी से शारीरिक तौर पर क्यों उलझूंगी. आप किसी भी खिलाड़ी से पूछ सकते हैं, क्या मैंने कभी कुछ ऐसा किया है.' यहां सवाल ये है कि आखिर निगार सुल्ताना ने ऐसा क्यों कहा? आखिर क्यों उन्होंने हरमनप्रीत कौर का नाम लिया.

हरमनप्रीत कौर ने क्या किया था?

बता दें हरमनप्रीत कौर ने साल 2023 में बांग्लादेश दौरे पर कुछ ऐसा किया था जिसके बाद उनपर दो मैचों का बैन लग गया था. हरमनप्रीत कौर को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में एलबीडब्ल्यू आउट दिया गया तो वो नाराज हो गई थीं. हरमनप्रीत कौर ने स्टंप्स पर अपना बैट मार दिया था और अंपायर को गुस्से में कुछ कहा भी था. वो मैच टीम इंडिया हार गई थी और वनडे सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी. हरमनप्रीत कौर ने बांग्लादेशी फैंस को अंगूठा भी दिखाया था जिसके बाद उनपर बैन लगा था.

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

हरमनप्रीत कौर के खिलाफ भले ही बांग्लादेशी कप्तान कुछ भी कहें लेकिन अब ये खिलाड़ी इतिहास रच चुकी है. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने महिला वर्ल्ड कप जीता. पहली बार इस टूर्नामेंट को जीतने का गौरव हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में ही हासिल हुआ. फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराया था.

जर्मनी ने फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया

स्लोवाकिया को 6-0 से हराया; नीदरलैंड्स ने भी अपनी जगह पक्की की

खेल डेस्क, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जर्मनी और नीदरलैंड्स ने खेले गए यूरोपीय क्वालिफायर के अंतिम मुकाबलों में बड़ी जीत दर्ज कर 2026 फीफा ल्र्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। जर्मनी ने लीपजिग के रेड बुल एरेना में स्लोवाकिया को 6-0 से हराया। इसके साथ ही टीम लगातार 19वीं बार टूर्नामेंट में जगह बनाने में सफल रही। वहीं, एम्स्टर्डम में नीदरलैंड्स ने लिथुआनिया को 4-0 से मात दी।

लेरॉय साने ने जर्मनी के लिए दो गोल किए

जर्मनी की ओर से निक वोल्टेमाडे (18वें मिनट), सर्ज ग्नब्री (29'), लेरॉय साने (36' और 41'), रिडल बाकू (67') और असन ओउएड्रागो (79') ने गोल किए। साने ने मैच में दो गोल दागकर टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई।

नीदरलैंड्स की जीत तिजानी रेनडर्स (16'), कोडी गाक्पो (58', पेनल्टी), जावी सिमन्स (60') और डोनियेल मालेन (62') के गोलों की बदौलत आई। टीम ने शुरुआती बढ़त को पूरे मुकाबले में कायम रखा।

जर्मनी ने 4 बार खिताब जीते

ब्राजील FIFA वर्ल्ड कप की सबसे सफल टीम है। ब्राजील ने सबसे ज्याया पांच बार वर्ल्ड कप जीते हैं, उसके बाद जर्मनी और इटली का स्थान है, जिन्होंने चार-चार बार खिताब जीता है। अर्जेंटीना ने तीन खिताब जीते हैं, जबकि फ्रांस और उरुग्वे ने दो-दो बार खिताब जीते हैं। इंग्लैंड और स्पेन ने एक-एक बार यह टूर्नामेंट जीता है। नीदरलैंड की टीम अभी तक वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। वह 1974, 1978 और 2010 में उपविजेता रही थी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा मिलकर आयोजित करेंगे। इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि तीन देशों को वर्ल्ड कप की मेजबानी सौंपी गई है। 2026 का मुकाबले के लिए 16 मेजबान शहरों की घोषणा की है। इस बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी। अब तक 32 टीमें ही हिस्सा ले रही थीं।

पाकिस्तानी कप्तान के घर डिनर करके श्रीलंकाई कप्तान-बॉलर बीमार, दोनों घर लौटेंगे

इस्लामाबाद, 18 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई टीम के दो खिलाड़ी रविवार को पाकिस्तानी कप्तान शाहीन अफरीदी के घर डिनर के बाद बीमार हो गए।

इनमें कप्तान चरिथ असलंका और तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो शामिल हैं। दोनों श्रीलंका लौट रहे हैं। श्रीलंकाई बोर्ड ने बताया कि वे 18 नवंबर से शुरू होने वाली ट्राई सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे।

बोर्ड ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को सही इलाज दिया जाएगा, जिससे वह अगले टूर्नामेंट्स तक फिट हो सकें। असलंका की जगह अब दसुन शनाका कप्तान होंगे। फर्नांडो की जगह पवन रत्नायके को टी-20 टीम में शामिल किया गया है।

विवादों में रहा है श्रीलंका का पाकिस्तान दौरा

श्रीलंका का पाकिस्तान दौरा लगातार विवादों में रहा है। 12 नवंबर को इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी और आसिफ मुनीर के सुरक्षा की जिम्मेदारी ली और श्रीलंकाई बोर्ड को दौरा जारी रखने के लिए मनाया।

13 नवंबर को पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा था कि हमले के बाद जब श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने खेलने से मना किया, तो फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने श्रीलंका के शीर्ष अधिकारियों से बात की। उनके सुरक्षा आश्वासन के बाद ही श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड देर रात सीरीज खेलने के लिए राजी हुआ।

8 खिलाड़ियों ने इनकार किया था, वापसी की तैयारी भी थी

12 नवंबर को इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंकाई टीम के 8 खिलाड़ियों ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा हुआ कि श्रीलंका टीम दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौट गई है। हालांकि रातभर बातचीत के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा कि जो खिलाड़ी वापस जाना चाहते हैं, वे लौट सकते हैं और उनकी जगह नए खिलाड़ियों को भेज दिया जाएगा।

पीसीबी ने ट्राई-सीरीज का शेड्यूल बदला था

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 13 नवंबर गुरुवार को श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 ट्राई-सीरीज के शेड्यूल में बदलाव किया था।

पहले यह सीरीज आज (17 नवंबर) से शुरू होनी थी। जोकि नए कार्यक्रम के अनुसार 18 नवंबर से शुरू होगी। इसका दूसरा मैच भी एक दिन बाद 20 नवंबर को खेला जाएगा।

हैदराबाद के तेज विकास के लिए मुख्यमंत्री रेवंत ने केंद्र से मदद मांगी

सीएम ने शहरी विकास मंत्री की क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राज्य में मजबूत आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार से मूसी पुनरुद्धार, मेट्रो रेल विस्तार, गोदावरी नदी के पानी को हैदराबाद तक पहुंचाने और क्षेत्रीय रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने में सहायता की मांग की। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में मंगलवार को हैदराबाद में शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने कई बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को शुरू करके हैदराबाद शहर को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के राज्य सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। केंद्र से पूरी मदद की मांग करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि कई विकास परियोजनाएं स्वीकृति के लिए लंबित हैं।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से तत्काल अनुमति प्रदान करने और मेट्रो रेल चरण दो, मूसी परियोजना, गोदावरी जल मोड़ योजना और क्षेत्रीय रिंग रोड कार्यों के लिए भी सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने खट्टर को राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने सहित शून्य कार्बन उत्सर्जन उपायों के बारे में जानकारी दी। आने वाले वर्ष में हैदराबाद में 3,000 इलेक्ट्रिक बसें भी सेवा में शामिल की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में फ्यूचर सिटी परियोजना, नए शहर में वैश्विक निवेश और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित ड्राई पोर्ट पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हम देश के अन्य राज्यों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। हमारी प्रतिस्पर्धा सिंगापुर, टोक्यो और न्यूयॉर्क शहरों से है। इसके लिए केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। राज्य सरकार द्वारा 9 दिसंबर को तेलंगाना राइजिंग विजन डॉक्यूमेंट 2047 जारी किए जाने की बात कहते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि तेलंगाना देश की अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत का योगदान देगा, उन्होंने विकासशील भारत 2047 के अनुरूप 2047 तक देश को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में विकसित करने के प्रधानमंत्री मोदी के विजन का उल्लेख किया।

तेलंगाना ने राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में बाजी मारी, जल संरक्षण में भारत में अग्रणी

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 में तेलंगाना जल संचय-जन भागीदारी (जल संरक्षण-जन भागीदारी) श्रेणी में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाला राज्य बनकर उभरा है। केंद्र सरकार द्वारा 2024 में शुरू की गई इस राष्ट्रीय पहल के तहत 5,20,362 जल संरक्षण कार्यों को पूरा करके तेलंगाना ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों, जिलों और संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए। विभिन्न श्रेणियों में कुल 100 पुरस्कार घोषित किए गए, जिनमें 3 राज्य, 67 जिले, 6 नगर निगम, 1 शहरी स्थानीय निकाय, 2 सहयोगी मंत्रालय/विभाग, 2 उद्योग, 3 गैर सरकारी संगठन, 2 दानदाता और 14 नोडल अधिकारी शामिल हैं। यह कार्यक्रम जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी, व्यक्तियों, समुदायों और कॉर्पोरेट्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। राज्यों को पांच क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, और प्रत्येक क्षेत्र से कम से कम 10,000 कृत्रिम पुनर्भरण और भंडारण संरचनाएं पूरी करने की अपेक्षा की गई थी। इन कार्यों में छतों पर वर्षा जल संचयन, तालाबों, पोखरों और कुओं का पुनरुद्धार शामिल था। प्रदर्शन के आधार पर तीन श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए।

देश का पहला सैन्य प्रतीक चिन्ह प्रवेश द्वार तैयार

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की सैन्य विरासत और डिजिटल निर्माण तकनीक को आगे बढ़ाते हुए हैदराबाद की डीपटेक कंपनी सिम्पलीफोर्ज ने आईआईटी हैदराबाद के साथ मिलकर देश का पहला और सबसे बड़ा सैन्य प्रतीक चिन्ह प्रवेश द्वार विकसित किया है। यह गेट बाघ के चेहरे के आकार में डिजाइन किया गया है, जो भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और शक्ति का प्रतीक है। यह नई संरचना अब झांसी छावनी में स्थापित कर दी गई है।

5.7 मीटर गुणे 3.2 मीटर गुणे 5.4 मीटर के आकार वाली यह अनोखी संरचना सिम्पलीफोर्ज की रोबोटिक आर्म-आधारित 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक से तैयार की गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह बाघ-थीम वाला प्रवेश द्वार छावनी के अंदर स्थित एक इनडोर खेल क्षेत्र की ओर भी जाता है, जिससे प्रतीकात्मक और उपयोगी वास्तुकला का सुंदर मेल दिखाई देता है। इस परियोजना की संकल्पना कर्नल अखिल सिंह चरक के मार्गदर्शन में हुई और इसका डिजाइन तथा संरचनात्मक विकास आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर केवीएल सुब्रमण्यम और सिम्पलीफोर्ज ने मिलकर किया।

सरकारी खरीद व्यवस्था पर गंभीर संकट

बीआरएस ने किसानों की नाकेबंदी को दिया समर्थन

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी खरीद व्यवस्था के चरमराने से कपास और सोयाबीन किसानों पर आए गहरे संकट को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने राज्य और केंद्र सरकारों पर कड़ा प्रहार किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने मंगलवार को घोषणा की कि पार्टी 21 नवंबर को आदिलाबाद में किसान संगठनों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी राजमार्ग नाकेबंदी का पूर्ण समर्थन करेगी और किसानों से इसमें भारी संख्या में भाग लेने की अपील की।

रामाराव ने आदिलाबाद मार्केट यॉर्ड का दौरा किया, जो खरीद गतिविधि न होने के कारण वीरान पड़ा था। उन्होंने किसानों से बातचीत कर समस्याएँ सुनीं और सरकारी एजेंसियों की विफलता पर गहरी चिंता जताई। किसानों ने कहा कि चुनावों के दौरान कांग्रेस द्वारा किए गए वादों के बावजूद उन्हें न लाभकारी मूल्य मिला, न ही कोई वास्तविक समर्थन। मीडिया से बात करते हुए केटीआर ने राज्य सरकार के 'किसी संकट के न होने' वाले दावे पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि यदि स्थिति सामान्य है, तो आदिलाबाद मार्केट यार्ड क्यों बंद पड़ा है और बीआरएस नेताओं को किसानों से मिलने से क्यों रोका गया?

बीआरएस नेता ने मौजूदा खरीद व्यवस्था की कई खामियों को सामने रखा। उनके अनुसार अनिवार्य किसान कपास ऐप उन हजारों किसानों को बाहर कर रहा है जिनके पास स्मार्टफोन नहीं हैं या जिनके इलाकों में नेटवर्क कमजोर है। बेमौसम बारिश से नमी बढ़ने के बावजूद 12% नमी की कठोर सीमा लागू की जा रही है, जबकि पिछली बीआरएस सरकार ने केंद्र पर दबाव बनाकर 20-22% नमी वाले कपास की भी खरीद सुनिश्चित की थी। उन्होंने बताया कि औसतन 10-15 क्विंटल उपज होने के बावजूद प्रति एकड़ केवल 7 क्विंटल की सीमा तय कर दी गई है, जिससे किसानों की अतिरिक्त उपज बिना बिके पड़ी है। इस सीज़न में अब तक राज्यभर में एक लाख क्विंटल से भी कम कपास खरीदा गया है।

केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार जानबूझकर खरीद प्रक्रिया में देरी कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस इसलिए बुलानी पड़ी क्योंकि बीआरएस नेताओं ने प्रभावित किसानों से मिलने का कार्यक्रम तय किया था। उन्होंने अधिकारियों और निजी व्यापारियों की मिलीभगत से फसल के दाम दबाए जाने का भी आरोप लगाया। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार द्वारा शुल्क-मुक्त विदेशी कपास के आयात की अनुमति देने से बाजार सस्ते आयातित कपास से भर गया है, जिससे देशी किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

बीआरएस नेता ने हाल ही में फसल नुकसान और कर्ज के चलते आत्महत्या करने वाले किसान हदावु दीपक के परिवार को पार्टी की ओर से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति 'इतिहास में अभूतपूर्व' है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब केंद्र और राज्य सरकारों को किसानों के हित में काम करने के लिए मजबूर करने का सबसे प्रभावी तरीका व्यापक विरोध-प्रदर्शन ही है। उन्होंने कहा, बीआरएस कृषक समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात उपनगरीय कदुकुर में एक निजी स्कूल बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब केशमपेट निवासी नारायण (50) अपने रिश्तेदार डी शेखर के साथ कदुकुर से गांव लौट रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आती तेज रफ्तार स्कूल बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में नारायण की तुरंत मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे शेखर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें शमशाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सचिन सांवत हैदराबाद पहुंचे

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व सह प्रभारी तेलंगाना, सचिन सावंत का शमशाबाद हवाई अड्डे पर तेलंगाना खाद्य निगम के अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एम.ए. फहीम ने स्वागत किया। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सचिन सावंत को हाल में ही तेलंगाना कांग्रेस में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हज समिति कार्यालय में हंगामा, बस हादसे के पीड़ित परिवारों से अभद्र भाषा में बात

स्पष्टीकरण के अभाव और अधिकारियों की टिप्पणी पर परिजन नाराज

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य हज समिति कार्यालय में मंगलवार को उस समय हंगामा हो गया जब अधिकारियों ने सऊदी अरब बस अग्नि दुर्घटना के पीड़ितों के परिजनों से कथित तौर पर अभद्र भाषा में बात की। राज्य सरकार ने बस हादसे के प्रत्येक पीड़ित के दो रिश्तेदारों को सऊदी अरब भेजने का निर्णय लिया था, जिसके तहत परिवारजन बीआरएस प्रतिनिधिमंडल के साथ हज हाउस स्थित हज समिति कार्यालय पहुँचे थे। पीड़ितों के लगभग सभी परिजनों ने अपने पासपोर्ट और ज़रूरी दस्तावेज जमा करा दिए थे, लेकिन सऊदी अरब भेजे जाने की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट निर्देश न मिलने और स्थानीय अधिकारियों द्वारा नए नियम बताए जाने से परिवारों में भ्रम और चिंता पैदा हो गई। इसी को लेकर वहाँ बहस शुरू हो गई। इसी दौरान हज समिति के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद सफ़ीउल्लाह पर आरोप है कि उन्होंने गुस्से में परिजनों से अनुचित भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, जले हुए टुकड़े कु क्या देखते जाके, जिसके बाद माहौल और बिगड़ गया। स्थिति को देखते हुए टीएस हज समिति के अध्यक्ष मौलाना सैयद गुलाम अफ़ज़ल बियाबानी और अन्य पदाधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और लोगों को शांत कराया। पूर्व गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने भी अधिकारियों के रवैये पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकारी कर्मियों को शोकग्रस्त परिवारों की भावनाओं का ध्यान रखना चाहिए।

कपास किसानों की समस्याओं पर बीआरएस का सरकार को अल्टीमेटम

हरीश राव ने कहा-मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तुरंत दिल्ली जाकर केंद्र से करें बात, वरना होगा घेराव

वारंगल, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने मंगलवार को चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कपास किसानों की समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे, तो बीआरएस कार्यकर्ता हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज नहीं बिक रही है और हालात बेहद चिंताजनक हैं। मीडिया से बातचीत में हरीश राव ने मांग की कि मुख्यमंत्री तुरंत दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलें और उनसे कपास खरीद पर लगे प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो बीआरएस कार्यकर्ता और किसान मुख्यमंत्री निवास के सामने कपास के ढेर लगा देंगे।

उन्होंने कहा कि पिछली केसीआर सरकार ने किसानों के समर्थन के लिए देश में पहली बार "रायथु बंधु" योजना लागू की थी, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार कपास और पाम ऑयल पर आयात शुल्क हटाकर किसानों को नुकसान पहुँचा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र उत्तर भारत के गेहूँ और दक्षिण भारत के कपास के लिए अलग-अलग नीतियाँ अपना रहा है। मंडी में किसानों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि मुलुगु जिले के चिंताकुंटा और मंगापेट मंडलों के किसान वेंकटेश्वरलु और लक्ष्मैया अपनी मक्का उपज एनुमामुला मंडी लाए थे, जहाँ उन्हें 1,800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर मक्का बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि समर्थन मूल्य 2,400 रुपये प्रति क्विंटल था। इस तरह किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

हरीश राव ने बताया कि मार्कफेड अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार ने अभी तक मक्का किसानों के लिए कोई धनराशि जारी नहीं की है। बीआरएस ने मांग की है कि सरकार पिछले यासंगी सीजन के धान किसानों को 1,100 करोड़ रुपये का बोनस तुरंत जारी करे और चालू वर्ष के धान बोनस के लिए 1,400 करोड़ रुपये भी उपलब्ध कराए। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि फसल बीमा लागू करने का वादा करने के बावजूद दो वर्षों में किसानों के लिए बीमा सुविधा शुरू नहीं की गई, अन्यथा फसल नुकसान का मुआवज़ा मिल सकता था। वारंगल में हाल ही में आई बाढ़ का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 20,000 घर जलमग्न हुए हैं, लेकिन सरकार ने प्रत्येक परिवार को 15,000 रुपये मुआवज़ा देने का वादा करने के बाद भी दो महीने बीत जाने पर कोई राशि जारी नहीं की है।

दहेज उत्पीड़न से तंग आकर बीटेक छात्रा ने की आत्महत्या

गंगोत्री ने पति और ससुराल वालों की धमकियों से परेशान होकर उठाया कदम

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में सोमवार को एक 21 वर्षीय बीटेक छात्रा गंगोत्री ने दहेज उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। नलगोंडा ज़िले के भीमनपल्ली गाँव की रहने वाली गंगोत्री अपने परिवार के साथ मंसूराबाद में रहती थी और अब्दुल्लापुरमेट के एक निजी कॉलेज में पढ़ रही थी। इसी दौरान उसका भानु (23) से प्रेम संबंध बना और इस साल फरवरी में दोनों ने कीसरगुट्टा में चुपचाप शादी कर ली, जिसे दोनों परिवारों ने स्वीकार नहीं किया।

पुलिस के मुताबिक, गंगोत्री के पिता ने बाद में शादी को औपचारिक रूप से स्वीकार करने की कोशिश की, लेकिन भानु के परिवार ने गंगोत्री पर अब्दुल्लापुरमेट अकेले आने का दबाव डाला। वहां उसका मंगलसूत्र छीन लिया गया, उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और दहेज की मांग की गई। बाद में एक पारिवारिक बैठक में भानु के माता-पिता ने शादी स्वीकार करने के लिए 30 लाख रुपये नकद और 10 तोले सोना देने की शर्त रखी। परिवार की असमर्थता के बावजूद आरोपियों का दबाव जारी रहा। 16 नवम्बर को भानु ने गंगोत्री से झगड़ा किया और धमकी दी कि दहेज न मिलने पर वह दूसरी शादी कर लेगा। लगातार उत्पीड़न और धमकियों से परेशान गंगोत्री ने सोमवार देर शाम फांसी लगा ली। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसके पिता की शिकायत पर एलबी नगर पुलिस ने भानु, उसके माता-पिता एल्लास्वामी और जयम्मा, बहनोई भरत, बहन नंदिनी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचायत चुनावों में पार्टी आधारित आरक्षण पर उठा विवाद

पिछड़ा वर्ग संगठनों ने फैसले को बताया विश्वासघात, आंदोलन की दी चेतावनी

हैदराबाद, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग संगठनों ने ग्राम पंचायत चुनावों में कांग्रेस सरकार द्वारा पार्टी आधारित 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। संगठनों का कहना है कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से किए गए वादों से मुंह मोड़ लिया है और यह कदम पूर्ण रूप से विश्वासघात है। कांग्रेस ने चुनावों से पहले पिछड़ी जातियों को स्थानीय निकायों में वैधानिक 42 प्रतिशत आरक्षण, शिक्षा और रोजगार के अवसर देने का आश्वासन दिया था। लेकिन सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल ने पार्टी आधारित आरक्षण का विकल्प चुन लिया, जिससे भारी विरोध शुरू हो गया। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया ने कहा, इस निर्णय की कोई कानूनी वैधता ही संदिग्ध है। यदि कांग्रेस को पार्टी आधारित आरक्षण ही लागू करना था, तो इस मुद्दे को इतने लंबे समय तक लंबित क्यों रखा गया? यह खुला विश्वासघात है, और हम इसके खिलाफ लड़ेंगे।

भाजपा के एक राज्यसभा सदस्य ने भी सवाल उठाया कि जब इस मुद्दे पर मामला उच्च न्यायालय में लंबित है, तब कांग्रेस सरकार इतनी जल्दबाज़ी क्यों कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधेयकों और अध्यादेशों के माध्यम से पिछड़े वर्गों को भ्रमित कर रही है।

कृष्णैया ने बताया कि सभी पिछड़ा वर्ग संगठनों की बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस फैसले की राजनीतिक कीमत चुकानी होगी।

सोशल मीडिया पर भी इस कदम की आलोचना की जा रही है। लोगों का कहना है कि पंचायत चुनाव परंपरागत रूप से बिना पार्टी चिन्ह के लड़े जाते हैं, ऐसे में पार्टी आधारित आरक्षण की कोई तुक नहीं बनती। कई उपयोगकर्ताओं ने पूछा कि क्या अब कांग्रेस पंचायत चुनाव लड़ने वालों को बी-फॉर्म भी जारी करेगी। कुछ नेताओं ने कहा कि ऐसे मामलों का निर्णय राजनीतिक दलों के दफ्तरों में होना चाहिए, न कि मंत्रिमंडल की बैठक में। अन्य लोगों ने संविधान संशोधन के बिना ऐसे आरक्षण को पूरी तरह अवैध बताया। बताया गया है कि पंचायत चुनावों की अधिसूचना 9 अक्टूबर को दो चरणों में जारी की गई थी, लेकिन 42 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने के खिलाफ दायर याचिकाओं के बाद चुनाव प्रक्रिया अटक गई। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को 24 नवंबर तक चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का निर्देश दिया है।

सोयाबीन खरीद में देरी पर किसानों का विरोध प्रदर्शन

निर्मल, 18 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोयाबीन किसानों ने सरकारी खरीद में हो रही देरी के खिलाफ मंगलवार को कुंटाला मंडल के कल्लूर गाँव में निर्मल-भैंसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रास्ता रोको आंदोलन किया। शासन द्वारा खरीद प्रक्रिया में तेजी न लाए जाने से नाराज़ किसानों ने हाईवे पर इकट्ठा होकर जोरदार विरोध जताया। किसानों का कहना था कि सोयाबीन खरीद में लगातार हो रही देरी से उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कई गांवों से आए किसानों ने मांग की कि सरकार तत्काल कदम उठाकर खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए, ताकि उनकी उपज समय से बिक सके। प्रदर्शन के कारण व्यस्त राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। बाद में पुलिस घटनास्थल पर पहुँची और व्यवस्था बहाल करते हुए प्रदर्शनकारी किसानों को कुंटाला थाने ले गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.